अयोध्या के राम में प्रभु राम बनेंगे रवि किशन, 19 अक्टूबर को दिल्ली में होगा भव्य मंचन

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 29
न्यूनतम - 26

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 247 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 06 सितम्बर 2026 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 25 विक्रमी सम्वत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रुपया

संक्षिप्त समाचार

यूपी के सहारनपुर कलेक्ट्रेट में मस्जिद पर चला बुलडोजर

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी में सहारनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में 70 साल पुरानी मस्जिद ढहाई जा रही है। शनिवार तड़के 4 बजे से 6 बुलडोजर मस्जिद को तोड़ने में जुटे हैं। एहतियात के तौर पर 5 कंपनी पीएसी, रैफ और पुलिस के 200 जवान तैनात हैं। पुलिस किसी को मस्जिद के पास जाने नहीं दे रही है। फिलहाल मस्जिद का 70 फीसदी हिस्सा तोड़ा जा चुका है। कार्रवाई मजिस्ट्रेट के आदेश पर हो रही है। कोर्ट ने मस्जिद को अवैध बताया था। इससे पहले, शुक्रवार रात 11 बजे अफवाह फैली कि प्रशासन मस्जिद को तोड़ने जा

रहा है। इसके बाद भारी भीड़ जुट गई थी। तुरंत ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को हटाया। कार्रवाई के खिलाफ सहारनपुर आ रहीं कैराना सांसद इकरा हसन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लखनऊ में कहा कि सच्चा हिंदू कभी दूसरे धर्म का अपमान नहीं कर सकता। ये इसलिए हो रहा है, क्योंकि भगवान राम के मंदिर में चोरी करते हुए पकड़े गए हैं। वहीं ओवैसी ने कहा कि क्या मुसलमानों के लिए अब मजहबी आजादी का संवैधानिक हक भी नहीं बचा है। हमारी इबादतगाहों पर बार-बार कमजोर और मनगढ़ंत वजहों के नाम पर बुलडोजर क्यों चलाया जाता है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकार से तुरंत कार्रवाई रुकवाने की अपील की है।

तमिलनाडु में स्कूल के खाने में मिलवाया गोबर पाउडर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के इरोड जिले में सरकारी स्कूल के खाने में गोबर पाउडर मिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 48 साल के अरुमुगम को गिरफ्तार किया है। वह स्कूल की रसोइया का पति है। वह अपनी पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था। मामला सत्यमंगलम के पास रामापयलूर के सरकारी मिडिल स्कूल का है, जहां 51 बच्चे पढ़ते हैं। जांच के दौरान पता चला कि पाउडर सिर्फ टीचरों के लिए अलग रखे गए सांभर में मिला था, बच्चों को परोसे जाने वाले खाने में नहीं। 31 अगस्त को स्कूल की

शिक्षिका रेवती ने नाश्ता योजना के तहत तैयार सांभर को चखकर देखा। उन्हें इसका स्वाद कड़वा लगा। उन्होंने हेडमिस्ट्रेस कुमुधा को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सत्यमंगलम ब्लॉक विकास अधिकारी की सलाह पर हेडमिस्ट्रेस ने पुलिस में शिकायत की। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि गोबर पाउडर सिर्फ टीचर्स के लिए रखे गए सांभर के सैंपल में मिला था। छात्रों को परोसे जाने वाले सांभर में इसे नहीं मिलाया गया था। **छात्रा को गोबर पाउडर खरीदने के लिए 10 रुपए दिए-** पुलिस के मुताबिक, आरोपी अरुमुगम ने एक छात्रा को 10 रुपए देकर पास की दुकान से गोबर पाउडर बुलवाया था।

एयरफोर्स हमले में शामिल

आतंकी का 'खात्मा'

● पहलगाम हमले के आतंकियों का साथी था यासिर ● पुलिस बोली- तुम भाग सकते हो, छिप नहीं सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार से चल रहे ऑपरेशन 'अशदार' में सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। इसकी पहचान यासिर उर्फ अबु तल्हा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यासिर पाकिस्तानी नागरिक था और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। पहली बार इसकी तस्वीर पहलगाम हमले के दौरान सामने आई एक फोटो से हुई थी। इसमें चार आतंकी थे। तीन को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। एक फरार है। सूत्रों के मुताबिक, यासिर का नाम पहलगाम आतंकी हमले की जांच से भी जुड़ा था। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को यासिर को बडगाम के अशदार जंगलों में मार गिराया। इस इलाके में सेना का

ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुरक्षा एजेंसियों को यासिर की कई सालों से तलाश थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा- तुम भाग सकते हो, छिप नहीं सकते।

2024 में एयरफोर्स पर हमले में भी शामिल था यासिर- एजेंसियों के मुताबिक, यासिर उर्फ अबु तल्हा जम्मू-कश्मीर में कई बड़े आतंकी हमलों से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा रहा है। इसमें मई 2024 में पुंछ में सेना के काफिले पर हमला और दिसंबर 2023 का डेरा की गली एंबुश भी शामिल है।

दो महीने बाद घाटी में एनकाउंटर- यह मुठभेड़ घाटी में करीब 2 महीने बाद हुई है। पिछला एनकाउंटर 9 जुलाई को शोपियां के चानपोरा में हुआ था। सेना ने लश्कर के 2 आतंकी मार गिराए थे, दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के टॉप ऑपरेटिव थे। सुरक्षाबलों को गुरुवार शाम को आतंकियों के एक संदिग्ध ग्रुप के पुलवामा जिले के पाखेरपोरा से बडगाम के यूसमर्ग की ओर बढ़ने की खबर मिली थी।

4 आंतकियों में से 3 की मौत, मूसा फरार

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, यासिर (अबु तल्हा) 2022 से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय चार सदस्यीय ग्रुप का हिस्सा था। उसके मारे जाने के बाद इस ग्रुप का सिर्फ हाशिम मूसा बचा है। इस ग्रुप में स्थानीय आतंकी जुनैद रमजान के अलावा सुलेमान, यासिर और हाशिम मूसा शामिल थे। जुनैद रमजान पहले ही मारा जा चुका था। उसके मोबाइल फोन से सुरक्षा बलों को चारों आतंकियों की एक तस्वीर मिली थी, जिससे एजेंसियों को इस ग्रुप और जम्मू कश्मीर में उसके नेटवर्क का अहम सुराग मिला। सूत्रों के मुताबिक हाशिम मूसा, सुलेमान और यासिर के नाम पहलगाम आतंकी हमले की जांच से भी जुड़े हैं।

अब आसमान में दिखेगी भारत-जापान की ताकत

शुरू हुआ 'वीर गार्जियन 2026' युद्धाभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना और जापान की वायुसेना के बीच द्विपक्षीय युद्धाभ्यास वीर गार्जियन 2026 का आगाज हो गया है। यह अभ्यास 9 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के दो सी-2 विमान जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, इनके साथ जापानी दल इस अभ्यास के दूसरे संस्करण में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है।

मजबूत होंगे दोनों देशों के रिश्ते

भारतीय वायुसेना ने कहा कि यह अभ्यास दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, ऑपरेशनल सहयोग और आपसी समझ को और बढ़ाएगा। इससे भारत और जापान के बीच दोस्ती के स्थायी बंधन और मजबूत होंगे। बता दें कि एक्सरसाइज वीर गार्जियन 2026 भारतीय वायुसेना और जापानी एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के बीच एक द्विपक्षीय हवाई युद्ध अभ्यास है। इसका पहला संस्करण भी काफी सफल रहा था और अब दूसरे संस्करण में दोनों देश अपनी हवाई ताकत और रणनीति का प्रदर्शन करेंगे। जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के बारे में बात करें तो यह जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज की वायु और अंतरिक्ष शाखा है, जिसकी स्थापना 1 जुलाई 1954 को हुई थी।

एक दिन की पुलिस कस्टडी में स्वतंत्र भारद्वाज

● निशु आजाद के पिता से मारपीट मामले में ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान निशु आजाद के पिता से मारपीट के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक दिन पहले भारद्वाज को पुलिस ने पकड़ा था अब उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। कड़कड़डूमा कोर्ट कॉम्प्लेक्स में संबंधित जज के आवास पर शनिवार को स्वतंत्र भारद्वाज की पेशी हुई। जिसके बाद उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में जज ने भेजा है। यह मामला प्रदर्शनकारी निशु आजाद के पिता संजय आजाद संग मारपीट की घटना से जुड़ा है।

वहीं 'इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज के सपोर्ट में कुछ हिंदूवादी संगठनों ने पर्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाद प्रदर्शन भी किया है। स्वतंत्र भारद्वाज पर जिस कथित मारपीट की घटना को लेकर कार्रवाई हो रही है ये पूरा मामला जुलाई में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान का है।

मोदी ने पूछा-पब्लिक से कैसे बात करें, हमें टिप्स दें

● महिला टीचर का जवाब-आपको कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया गया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना चाहिए। इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर ने कहा कि इसकी प्रैक्टिस करनी होती है। इस साल तीन विभागों से 82 टीचर्स और एजुकेटर्स को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड के लिए चुना गया। इनमें 48 स्कूली टीचर हैं। इनके अलावा उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक से 21 फैकल्टी सदस्य, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से 13 स्किल ट्रेनर चुने गए हैं।

● **स्क्रीन टाइम एक तरह से लत बन गया-** स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बन गया है। मेरे मन में एक विचार आता है। अगर कोई बच्चा खेलों में गहरी रुचि लेना शुरू कर दे और खेल से मेरा मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर जाकर वास्तविक खेल खेलने से है तो धीरे-धीरे वह इस लत से बाहर निकल सकता है। ड्रेस कोड का मुद्दा कुछ बड़े शहरों या यूनिवर्सिटी में सामने आया है। वहां अक्सर जागरूकता की कमी होती है। कभी-कभी नियम बिना स्पष्टी करण के लागू कर दिए जाते हैं। आज शिक्षकों को बच्चों के मन में पैदा होने वाली आशंकाओं को देखना है।

झीरम घाटी हमले में 13 साल बाद आया ऐतिहासिक फैसला

एनआईए की विशेष अदालत ने सभी 10 आरोपियों को ठहराया दोषी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के इतिहास के सबसे काले और दहला देने वाले अध्यायों में से एक, झीरम घाटी नक्सल हमले के मामले में आखिरकार न्याय की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने करीब 13 साल पुराने इस मामले में शनिवार को अहम फैसला सुनाते हुए सभी को दोषी करार दिया है।

● **25 मई 2013 को हुआ था नरसंहार-** यह वीभत्स घटना 25 मई 2013 की है, जब कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन यात्रा के दौरान दरभा की झीरम घाटी में नक्सलियों ने घात लगाकर सुनियोजित हमला किया था। इस भीषण नक्सल हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा समेत 32 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

उफान पर नदियां, स्कूल बंद, बिहार में बाढ़

● राजस्थान-एमपी और यूपी में झमाझम बारिश ● 6.65 लाख लोग प्रभावित, चारधाम यात्रा रुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, मध्यप्रदेश और यूपी में लगातार बारिश हो रही है। एमपी के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है। शिवपुरी-मुरैना समेत 7 जिलों में स्कूल बंद हैं। राजस्थान के धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर में शनिवार को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जयपुर में रातभर हुई बारिश के कारण तापमान में 7 डिग्री तक की गिरावट आई है। झालावाड़ में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर ऐक्टिव है। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले पांच दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

गंगा-यमुना समेत 10 से अधिक नदियां के उफान पर होने से प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित हैं, जबकि 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है वहीं बिहार में भी 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा विभाग के मुताबिक, पटना में गंगा का जलस्तर अब तक के हाइएस्ट फ्लड लेवल को पार कर सकता है। उत्तराखंड के केदारनाथ में भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। बाढ़ के कारण पटना-गया रेलखंड पर ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ा है। जट डुमरी के पास पुनपुन नदी का बाढ़ का पानी पुल संख्या 21 तक पहुंच गया है, जिसके बाद रेलवे ने सुरक्षा को देखते हुए डाउन लाइन पर ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह से बंद कर दिया है। बिहार की 9 नदियां अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

महिला प्रतिनिधित्व पर कांग्रेस की कथनी-करनी अलग

● भाजपा बोली-4 राज्यों में सरकार लेकिन सिर्फ 3 महिला मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में वन मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक तरफ महिलाओं को राजनीति में प्रतिनिधित्व देने की बात करती है, लेकिन दूसरी तरफ उसके ही शासन वाले राज्यों में महिला मंत्रियों की संख्या न के बराबर है। त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस की चार राज्यों में सरकार है। लेकिन सिर्फ 3 मंत्री पद पर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा- हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में एक भी महिला मंत्री नहीं है। केरल में दो महिला मंत्री हैं, जबकि तेलंगाना में दो में से एक मंत्री को हटा दिया गया। इस तरह चार राज्यों में अब सिर्फ तीन महिला मंत्री रह गई हैं। यह महिलाओं के साथ अन्याय है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कोंडा सुरेखा को तत्काल प्रभाव से मंत्रिमंडल से हटा दिया था। यह फैसला सुरेखा की बेटी की ओर से विवाद के बीच लिया गया।

राहुल के 'स्मैश पैट्रिआर्की' के नारे पर सुधांशु का तंज

सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी के 'स्मैश पैट्रिआर्की' यानी पितृसत्ता खत्म करने के नारे पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह नारा लगाती है, लेकिन दूसरी तरफ महिला मंत्रियों को एक-एक करके हटाया जा रहा है। सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के रिकॉर्ड की तुलना केंद्र की मोदी सरकार से की।

10 फीट तक बढ़ा जलस्तर, बढ़ेगी पाक की मुश्किल

भारत ने सिंधु नदी पर बनाया पत्थरों का बांध

लेह (एजेंसी)। सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच भारत ने लद्दाख में पत्थरों का ऐसा बांध बना दिया है, जिससे लद्दाख के बंजर क्षेत्र को पानी मिलने के साथ पाकिस्तान की मुसीबत और बढ़ सकती है। पत्थरों का इस्तेमाल कर बनाए इस चेक डैम से सिंधु का जलस्तर 10 फीट ऊपर हो गया है और इससे चार करोड़ लीटर पानी लद्दाख के सूखे खेतों को मिल सकेगा। यहां बता दें की सिंधु जल समझौते के तहत

सिंधु नदी का पूरा पानी पाकिस्तान चला जाता था और लद्दाख की जमीन सूखी ही रह जाती थी। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना दुखड़ा रो रहा है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन में भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस समझौते का मुद्दा उठाया था। **लेह के लिए बनाया पत्थरों का बांध-** लेह जिले के उप्शी इलाके में बने इस चेक डैम से अब करीब चार करोड़ लीटर पानी का संग्रह संभव हो सकेगा। इस पानी को सिंचाई नहर के जरिए उन खेतों तक पहुंचाया जा रहा है, जो लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे थे। ढांचे में किसी तरह का कंक्रीट या सीमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। केवल प्राकृतिक पत्थरों से इस चेक डैम को बनाया गया है।

अब तक सूखे रहते थे खेत

लद्दाख के किसानों की सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि उनके पास दुनिया की प्रमुख नदियों में से एक सिंधु मौजूद थी, लेकिन उसका पानी खेतों तक पहुंचाना संभव नहीं था। सिंधु नदी गहरी घाटियों के बीच काफी नीचे बहती है, ऐसे में बुआई के दौरान पंपों के जरिए नदी से पानी निकालना आसान नहीं था। अब यह डैम बनने से जलस्तर करीब 10 फीट ऊंचा हो गया है और इससे पानी को खेतों तक पहुंचाना संभव हो पा रहा है।

देश में कोयले की कमी बढ़ेगा बिजली संकट

● थर्मल प्लांट्स में सिर्फ 9 दिन का बचा है स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली की भारी मांग और मानसून के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों के चलते देशभर के थर्मल पावर प्लांट्स में कोयले का भंडार तय मानक के आधे से भी कम रह गया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के मुताबिक, 2 सितंबर तक देश के 50 पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल यानी गंभीर रूप से कम स्तर पर पहुंच गया है। सीईए के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 224 गीगावाट की संयुक्त क्षमता वाले इन संयंत्रों के पास बुधवार तक 28.2 मिलियन टन कोयला उपलब्ध था, जो कि 58.7 मिलियन टन की निर्धारित आवश्यकता का महज 48 प्रतिशत है। 85 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पर यह उपलब्ध स्टॉक लगभग 9 दिनों की जरूरत के लिए ही पर्याप्त है, जबकि सामान्य स्थिति में कम से कम 19 दिनों का बैकअप होना चाहिए।

अनमोल वचन

वह ज्ञान व्यर्थ है जिसमें विवेक का अभाव है अर्थात विवेक से रहित ज्ञान व्यर्थ है। वह तप व्यर्थ है जो क्षमा से विहीन हो। वह बल व्यर्थ है जो निर्बल को सहारा न दे सके। वह बल आत्मिक संवेदना के विहीन है तो वह बल प्रयोग के योग्य तो हो ही नहीं सकता। उस धन का अर्जन व्यर्थ है जो के काम नहीं है। जो व्यक्ति अपने ज्ञान का एक न्यायसंगत अंश / भाग हित कार्यों तथा अशक्तों की सहायता में उपयोग नहीं करता वह निर्धनों से भी बड़ा निर्धन है। उस मनुष्य का भी जीवन व्यर्थ है जिसमें सेवा और परोपकार के भाव नहीं हैं। वह विद्या व्यर्थ है जो किसी को सही मार्ग न दिखा सके। वह जननी ही व्यर्थ है जो लोक कार्यों में कर्तव्यागी कर जीवन, लोक रीति, कुल रीति, धर्म रीति का पालन न करते हुए अपने बड़े बूढ़ों तथा गुरुजनों की आज्ञाओं का पालन नहीं करती, उनके प्रति सेवा और श्रद्धा का भाव नहीं रखती। प्रभु कृपा करके जो गुण, विशेषता और क्षमता मानव को प्रदान करते हैं उसका दुरुपयोग न करें। उस प्राप्त क्षमता से किसी का भला कर दें तो प्रभु प्रसन्न होते हैं। यदि दुरुपयोग किया जायेगा तो प्रभु की व्यवस्था के अनुसार दंड के लिए तैयार रहना चाहिए। यदि किसी का भला नहीं कर सकते तो कम से कम किसी का बुरा तो न करें।

पशुपालन ट्रेनिंग के आखिरी दिन वंदे मातरम को लेकर बवाल, प्रशिक्षु ने तीन युवकों पर लगाया गला दबाने का आरोप

शिक्षक के क्लास से बाहर निकलते ही कथित तौर पर शुरू हुआ विवाद; वंदे मातरम बोलने के लिए दबाव बनाने का आरोप, विरोध करने पर नीचे दबाया

मोरना। मोरना ब्लॉक स्थित आरसीटी संस्थान में पशुपालक प्रशिक्षण के अंतिम दिन ह्यवंदे मातरमह्ल बोलने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। खालापार निवासी एक प्रशिक्षु ने अपने ही प्रशिक्षण बैच के तीन युवकों पर उसे जबरन ह्यवंदे मातरमह्ल बोलने के लिए दबाव बनाने, विरोध करने पर गला पकड़कर नीचे दबाने और धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर प्रशिक्षु ने थाना भोपा पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर मिलने की पुष्टि की है और जांच के बाद विधिक कार्रवाई की बात कही है।

12 दिन से चल रही थी पशुपालक की ट्रेनिंग

खालापार निवासी मौ. शाबाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मोरना ब्लॉक स्थित आरसीटी संस्थान में पशुपालक की ट्रेनिंग लेने के लिए गया था। उसके अनुसार प्रशिक्षण का बैच कुल 12 दिन का था और शनिवार 5 सितंबर 2026 को प्रशिक्षण का अंतिम दिन था। प्रशिक्षण के दौरान अलग-अलग विषयों की जानकारी प्रशिक्षुओं को दी जा रही थी। शाबाद के अनुसार अंतिम दिन भी नियमित रूप से कक्षा में प्रशिक्षण चल रहा था।

शिक्षक के बाहर जाते ही तीन युवकों पर विवाद शुरू करने का आरोप

शाबाद ने अपनी शिकायत में बताया कि दोपहर करीब 2:30 बजे प्रशिक्षण के लिए आए शिक्षक ने क्लास में पढ़ाने के बाद कमरे से बाहर कदम रखा। आरोप है कि शिक्षक के बाहर निकलते ही उसके बैच में शामिल अंकुर चौधरी, तरुण चौधरी और रितिक चौधरी ने उसे कथित तौर पर पकड़ लिया।

शाबाद का आरोप है कि तीनों युवकों ने उस पर ह्यवंदे मातरमह्ल बोलने के लिए दबाव बनाया। उसने इसका विरोध करते हुए कहा कि वह अपनी इच्छा से बोलेगा और किसी के दबाव में नहीं बोलेगा।

विरोध करने पर गला पकड़कर नीचे दबाने का आरोप

तहरीर के मुताबिक, ह्यवंदे मातरमह्ल बोलने से इनकार करने पर विवाद बढ़ गया। शाबाद का आरोप है कि तीनों युवकों ने उसका गला पकड़ लिया और उसे नीचे दबा दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार संस्थान में कैमरे लगे होने के कारण आरोपियों को कार्रवाई का डर हुआ और उन्होंने उसे छोड़ दिया। इसके बाद कथित रूप से आरोपियों ने उसे धमकी दी।

ह्यहमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकताह्ल कहने का आरोप

शाबाद ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसे धमकाते हुए कहा कि वह उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता और उनकी पहुंच बड़े नेताओं तक है। पीड़ित के अनुसार धमकी मिलने के बाद वह काफी परेशान हो गया। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद वह संस्थान से चला गया और बाद में थाना भोपा पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी।

पुलिस को दी तहरीर, जांच के बाद होगी कार्रवाई

5 सितंबर 2026 को दी गई तहरीर में शाबाद ने पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। थाना भोपा प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि मोरना ब्लॉक स्थित आरसीटी संस्थान में पशुपालक की ट्रेनिंग चल रही थी और शनिवार को प्रशिक्षण का अंतिम दिन था। उन्होंने बताया कि इस मामले में तहरीर प्राप्त हुई है। जांच के बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सीसीटीवी फुटेज भी हो सकती है जांच का हिस्सा

शिकायत में स्वयं संस्थान में कैमरों की निगरानी का उल्लेख किया गया है। ऐसे में पुलिस जांच के दौरान संस्थान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाल सकती है, जिससे घटना के समय की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। इसके अलावा पुलिस शिकायत में लगाए गए अन्य आरोपों और संबंधित लोगों से पूछताछ कर मामले की जानकारी जुटा सकती है।

तहरीर के बाद मामले को लेकर चर्चा

पशुपालक प्रशिक्षण के अंतिम दिन सामने आए इस विवाद के बाद आरसीटी संस्थान में हुई घटना को लेकर चर्चा बनी हुई है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि शिकायत की जांच की जा रही है और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक दिवस पर होली मदर एकेडमी में हुआ सम्मान समारोह

पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने बेस्ट टीचर समेत शिक्षकों को किया सम्मानित

थानाभवन शिक्षक दिवस के अवसर पर होली मदर एकेडमी में शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने विद्यालय के बेस्ट टीचर किड्सजोन में नगमा तथा जूनियर स्कूल में रूमा सहित अन्य शिक्षकों को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की। शिक्षकों के सम्मान से विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुरेश राणा ने कहा कि एक शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि वह समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक का दायित्व और पद अत्यंत उच्च एवं सम्माननीय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में शिक्षकों के योगदान को याद रखते हुए उनका सम्मान करना चाहिए। एक अच्छे शिक्षक के मार्गदर्शन से विद्यार्थी अपने जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयां प्राप्त कर सकता है। विद्यालय प्रबंधक संगीत गोयल ने मंत्री सुरेश राणा का माल्यार्पण कर स्वागत किया । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष आर्य , मंजू शर्मा, अंजू प्रजापत, रूपल सैनी,पूजा तायल, शोएब, अंशिका,अलका, ललिता, खुशी, शिवानी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित जिलामंत्री बृजेश बाल्मिकी,अनमोल गर्ग , कृष्ण कुमार,अनिल गोयल,आलोक कुमार ,पुरुषोत्तम गोयल अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

शिखर शिक्षा सदन में शिक्षक दिवस की धूम, शिक्षकों के योगदान को सराहा

मीरापुर। शिखर शिक्षा सदन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान शिक्षाविद एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर विद्यालय के चेयरमैन सुशील शर्मा, निदेशक राजेश शर्मा, प्रबन्धिका शिखा शर्मा एवं प्रधानाचार्या शालिनी राय द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन सुशील शर्मा ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ संस्कार और जीवन जीने की सही दिशा प्रदान करता है। निदेशक राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षक का स्थान समाज में सर्वोपरि है। शिक्षक विद्यार्थियों के चरित्र, संस्कार, व्यक्तित्व एवं जीवन-मूल्यों का निर्माण कर उन्हें योग्य एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।प्रबन्धिका शिखा शर्मा ने कहा कि शिक्षक होना केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारना और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना शिक्षक का दायित्व है।प्रधानाचार्या शालिनी राय ने कहा कि शिक्षक भावी पीढ़ी का निमार्ता होता है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में शिक्षकों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन, व्यक्तित्व एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। शिक्षकों ने अपने विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को स्मरण किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी गईं तथा उनके समर्पण एवं योगदान की सराहना की गई।

शिक्षक दिवस पर सनातन धर्म इंटर कॉलेज में शिक्षकों का बढ़ाया मान

मीरापुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर सनातन धर्म इंटर कॉलेज के प्रांगण में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रबंधक सिद्धार्थ राजवंशी एवं प्रधानाचार्य विकास शर्मा की पहल पर किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव मौजूद रहे। इस दौरान क्षेत्र एवं जनपद के वरिष्ठ शिक्षकों को शॉल, शील्ड एवं फूल मालाएं भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी प्रदान करें, ताकि विद्यार्थी संस्कारवान नागरिक बनकर अपने परिवार, समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकें। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक डा. भोलाराम शर्मा, नरेश शर्मा, मॉडर्न इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य योगेश कुमार, गोमती कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या ज्योति बाला, सुक्खन लाल आदर्श कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रेणु बेदी, नन्ही दुनिया जूनियर हाई स्कूल के संचालक वासुदेव शर्मा, शिखर शिक्षा सदन के डायरेक्टर राजेश शर्मा, जहानवी राठी प्रवक्ता शाहू जैन डिग्री कॉलेज बिजनौर, ललित मोहन गुप्ता, संजय मुदगल, वरिष्ठ शिक्षक विजय शर्मा सहित जनपद से आए वरिष्ठ शिक्षकों एवं सनातन धर्म इंटर कॉलेज के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के पुरातन छात्र वेद प्रकाश आर्य ने डा. विकास शर्मा को रिस्ट वॉच भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों एवं शिक्षकों ने शिक्षक दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और शिक्षकों के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के प्रबंधक सिद्धार्थ राजवंशी ने सभी अतिथियों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं और उनके सम्मान से नई पीढ़ी को भी शिक्षा एवं संस्कार के प्रति प्रेरणा मिलती है। समारोह को सफल बनाने में कीर्तिभूषण शर्मा, अनिरुद्ध शारदा, इकबाल अहमद, रूपेश गुप्ता, लोकेश संगल, अर्पित माहेश्वरी, राकेश कौशिक, आयुष संगल, प्रमोद कुमार, रुचिन शारदा, प्रशांत अग्रवाल, अनुराधा वर्मा, राजीव एरन, आशीष, राजन माहेश्वरी, राकेश आढ़ती, कमल आर्य आदि का सहयोग रहा।

फोटो कैप्शन- शिक्षक दिवस पर सनातन धर्म इंटर कालेज में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र।

नन्ही दुनिया स्कूल में बच्चों ने शिक्षक बनकर समझी गुरु की जिम्मेदारी

मीरापुर। नन्ही दुनिया जूनियर हाई स्कूल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण उत्साह और उमंग से भर गया। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों ने अपनी-अपनी कक्षाओं को आकर्षक ढंग से सजाया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के लिए सुंदर थैंक यू कार्ड तैयार किए और उन्हें उपहार भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। बच्चों की इस पहल से शिक्षक भी भावुक और उत्साहित नजर आए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में कविताएं प्रस्तुत कीं, गीत गाए और आकर्षक नृत्य पेश किए। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। वहीं सीनियर कक्षाओं के कुछ विद्यार्थियों ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए छोटी कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने शिक्षक की जिम्मेदारियों और उनके द्वारा किए जाने वाले परिश्रम को करीब से समझा।शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, अनुशासन, समय का सदुपयोग और अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षकों ने कहा कि विद्यार्थी नियमित रूप से अध्ययन करने के साथ अपने माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करें तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। इस अवसर पर बच्चों को टॉफी और चॉकलेट भी वितरित की गईं।विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों के भविष्य को संवारने और उन्हें सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें जीवन में अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देते हैं।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस को यादगार बनाया और शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

सहारनपुर की 119 साल पुरानी मस्जिद के मामले में हरेंद्र मलिक सहित 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पहुंचेगा

अखिलेश यादव के निर्देश पर 6 सितंबर को सहारनपुर जाएगा सपा प्रतिनिधिमंडल, मंडलायुक्त से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की जानकारी जुटाएगा; प्रदेश कार्यालय को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

मुजफ्फरनगर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित बताई जा रही करीब 119 साल पुरानी मस्जिद को लेकर समाजवादी पार्टी ने गंभीर रुख अपनाया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी का 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 6 सितंबर 2026 को सहारनपुर पहुंचेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में मुजफ्फरनगर सांसद हरेंद्र मलिक सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक और पदाधिकारी शामिल हैं।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से 5 सितंबर को जारी कार्यालय-ज्ञाप में प्रतिनिधिमंडल के सहारनपुर दौरे की जानकारी दी गई है। पार्टी के अनुसार प्रतिनिधिमंडल मंडलायुक्त से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी प्राप्त करेगा और इसके बाद अपनी रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को सौंपेगा।

मस्जिद को लेकर सपा ने उठाए सवाल

सपा के कार्यालय-ज्ञाप में आरोप लगाया गया है कि सहारनपुर कलेक्ट्रेट में स्थित करीब 119 वर्ष पुरानी मस्जिद को 5 सितंबर की सुबह अंधेरे में बुलडोजर द्वारा गिरा दिया गया। पार्टी की ओर से जारी पत्र में यह भी कहा गया है कि इससे एक दिन पहले 4 सितंबर की शाम जिला प्रशासन द्वारा आश्वासन दिया गया था कि मस्जिद को सील किया जाएगा, उसे गिराया नहीं जाएगा। पार्टी ने इसी घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति और प्रशासनिक कार्रवाई की जानकारी हासिल करने के लिए प्रतिनिधिमंडल को सहारनपुर भेजने का फैसला किया है।

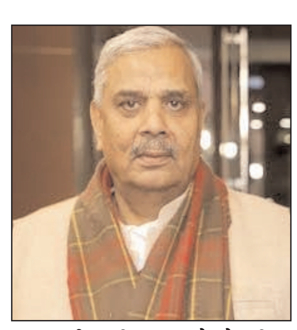

मंडलायुक्त से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

सपा प्रतिनिधिमंडल सहारनपुर पहुंचकर मंडलायुक्त से मुलाकात करेगा। इस दौरान मस्जिद से जुड़े पूरे प्रकरण, प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई और घटनाक्रम की जानकारी हासिल की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल संबंधित अधिकारियों से बातचीत करने के बाद अपनी रिपोर्ट तैयार करेगा। सपा प्रदेश नेतृत्व के अनुसार प्रतिनिधिमंडल द्वारा तैयार रिपोर्ट को प्रदेश कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि पार्टी नेतृत्व के समक्ष मामले की पूरी जानकारी रखी जा सके।

हरेंद्र मलिक सहित ये प्रमुख नेता रहेंगे शामिल

16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में मुजफ्फरनगर सांसद हरेंद्र मलिक के अलावा विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, सहारनपुर जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद, सहारनपुर महानगर अध्यक्ष हाजी नवाब अंसारी, सांसद इकरा हसन, सपा राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन, पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान, विधायक अतुल प्रधान, विधायक आशु मलिक, विधायक उमर अली, विधायक रामऔतार सैनी, एमएलसी किरन पाल कश्यप, पूर्व विधायक माविया अली, समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल भारती, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री मांगेराम कश्यप तथा मुजफ्फरनगर सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी शामिल हैं।

सहारनपुर दौरे पर रहेगी नजर

सपा के वरिष्ठ नेताओं के एक साथ सहारनपुर पहुंचने से इस मामले को लेकर राजनीतिक हलकों में भी हलचल बढ़ गई है। प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य प्रशासन से मामले की जानकारी लेना और घटनाक्रम की रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाना बताया गया है।

रिपोर्ट के बाद आगे की रणनीति पर फैसला संभव

प्रतिनिधिमंडल के सहारनपुर दौरे और प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात के बाद तैयार होने वाली रिपोर्ट को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सपा नेतृत्व के समक्ष रिपोर्ट पहुंचने के बाद पार्टी इस मामले में आगे की रणनीति तय कर सकती है। फिलहाल पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को सहारनपुर भेजकर घटनाक्रम की जानकारी जुटाने का निर्णय लिया है। 6 सितंबर को होने वाला यह दौरा मुजफ्फरनगर सांसद हरेंद्र मलिक समेत सपा के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के कारण राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शिक्षक दिवस पर 113 शिक्षक सम्मानित, उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति-पत्र व शाल भेंट

समर्पण, नवाचार और शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों का हुआ सम्मान, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने बढ़ाया हौसला

मुजफ्फरनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर समर्पण, नवाचार एवं शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के सम्मान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशन में डीएवी डिग्री कॉलेज, आर्य समाज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान 100 शिक्षक, 10 एआरपी एवं 3 एसआरजी सहित कुल 113 शिक्षकों को प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर शिक्षकों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने इसे अपने कार्य के प्रति प्रोत्साहन बताया।

गोरखपुर से हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

कार्यक्रम में योगीराज बाबा गंभीर नाथ प्रेक्षागृह, गोरखपुर से आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण बड़े पर्दे के माध्यम से किया गया। इस दौरान राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार-2025 के कार्यक्रम

को भी उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों ने लाइव देखा और सुना।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी में सकारात्मक परिवर्तन लाने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षक बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने महान दार्शनिक, शिक्षाविद एवं देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने का उल्लेख करते हुए देशभर के सभी शिक्षकों का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि एक मां अपने बच्चे को संस्कारी और शिक्षित बनाने के लिए उसके संपूर्ण भविष्य की जिम्मेदारी शिक्षक को सौंपती है। इसलिए शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने तक सीमित नहीं है। शिक्षक बच्चों की प्रतिभा पहचानने, उनमें आत्मविश्वास जगाने और उन्हें हीन भावना से बाहर निकालकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का कार्य भी करते हैं।

डॉ. वीरपाल निर्वाल ने गुरु-शिष्य परंपरा की सराहना की

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने गुरु-शिष्य परंपरा और शिक्षकों के कार्य एवं दायित्वों की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी कार्यों के संपादन में भी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। हमारे शिक्षक विभिन्न विषयों में पारंगत हैं और बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी शिक्षक सम्मान के योग्य हैं। जो शिक्षक इस कार्यक्रम में सम्मानित होने से वंचित रह गए हैं, उन्हें भी भविष्य में सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए जय भारत, जय हिंद के जयघोष के साथ अपने संबोधन का समापन किया।

राजपाल सिंह बालियान ने दी शिक्षकों को बधाई

राष्ट्रीय लोकदल विधायक राजपाल सिंह बालियान ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करना और उन्हें संस्कारी बनाना शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। राष्ट्रीय लोकदल जिलाध्यक्ष संजय राठी ने भी उपस्थित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं।

शिक्षकों ने देश को आगे बढ़ाने में निभाई अहम भूमिका भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने सम्मानित होने वाले सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षकों ने देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के योगदान से ही आने वाली पीढ़ी का भविष्य मजबूत होता है। नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने उपस्थित गुरुजनों को प्रणाम करते हुए शिक्षकों के योगदान की सराहना की और उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक: ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रेखा रानी पत्नी पीतम सिंह निवासी गांधी विहार रेलवे स्टेशन जिला हापुड़ हाल निवासी 1123 सूरज विहार जाट कॉलोनी जिला मुजफ्फरनगर की निवासी हूँ । मैं शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरा नाम व पता उपरोक्त सब सच व सही है। मैंने डा. एम0पी0 स्वामी मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कॉलेज मेरठ से कक्षा 12 जिसका रोल नं0 0251953 सन 2007 में उत्तीर्ण की थी। जिसकी मार्कशीट भूलवश कहीं पर गुम हो गयी है और काफी तलाश करने पर भी नहीं मिली है। वर्तमान में शपथकर्ता किसी भी सरकारी प्राइवेट विभाग में कहीं भी कार्यरत नहीं है। मुझे उक्त प्रमाणपत्र की द्वितीय सत्यापित प्रति [डुप्लीकेट] जारी की जानी अति आवश्यक है।

भारत एजुकेशनल इंस्टीट्यूट

2 किमी. बरला-बसेड़ा रोड, मुजफ्फरनगर (उ0प्र0)-251307

डीएलएड प्रशिक्षण सत्र 2026 में मैनेजमेंट कोटे की सीटों पर प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन

कॉलेज कोड 270002

योग्यता

सामान्य वर्ग / अन्य राज्य हेतु :-

शैक्षिक योग्यता- न्यूनतम 50% अंकों के साथ स्नातक

आयु सीमा- 1 जुलाई 2026 को अधिकतम आयु 35 वर्ष

नोट- उ0प्र0 के मूल निवासी हेतु आरक्षित वर्ग व विकलांग वर्ग को नियमानुसार छूट

● आवेदन करने की तिथि दिनांक- 06.09.2026 से 12.09.2026

● मेरिट लगने की तिथि दिनांक- 14.09.2026

प्रथम चरण (केवल उ0प्र0 के मूल निवासी हेतु)

● काउंसिलिंग की तिथि दिनांक-15.09.2026

● प्रवेश की अन्तिम तिथि दिनांक-17.09.2026

द्वितीय चरण (उ0प्र0 व अन्य राज्य के अभ्यर्थी हेतु)

● काउंसिलिंग की तिथि दिनांक-19.09.2026

● प्रवेश की अन्तिम तिथि दिनांक-25.09.2026

प्रशिक्षण प्रारम्भ होने की तिथि दिनांक- 28.09.2026

सम्पर्क- 9917360366, 9012813638

वेबसाइट- www.beimzn.com | ईमेल- beimzn@rediffmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 06 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

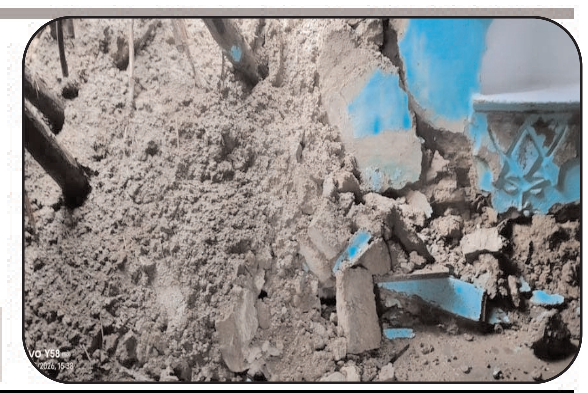

बुढ़ाना में जन्मदिन का केक लेने निकले युवक की सड़क हादसे में मौत, दोस्त गंभीर

बिटावदा में संगत होटल के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, खुशियों वाले घर में पसरा मातम, टक्कर मारने वाला बाइक सवार फरार

बुढ़ाना। बुढ़ाना थाना क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। बिटावदा गांव में संगत होटल के पास दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद दूसरी बाइक पर सवार युवक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जन्मदिन के लिए केक लेने बाजार जा रहे थे दोनों दोस्त

बताया गया कि नगवा गांव निवासी दीपक (21) पुत्र चंद्रकिरण अपने दोस्त गुड्डू पुत्र महेंद्र के साथ बाइक पर सवार होकर बुढ़ाना बाजार जा रहा था। दोनों गुड्डू के भतीजे के जन्मदिन के लिए केक खरीदने निकले थे। परिवार में जन्मदिन की तैयारियां चल रही थीं और किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही देर बाद खुशियां मातम में बदल जाएंगी।

संगत होटल के पास अचानक हुई जोरदार टक्कर

दोनों दोस्त जब बिटावदा गांव में संगत होटल के निकट पहुंचे, तभी सामने की दिशा से तेज गति से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। आमने-सामने हुई भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक बाइक से उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर खून बिखर गया।

हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान दूसरी बाइक पर सवार युवक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को एंबुलेंस के जरिए बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दीपक की जांच की, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, गुड्डू की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका अस्पताल में उपचार जारी है।

मौत की खबर मिलते ही परिवार में मचा कोहराम

दीपक की मौत की खबर जैसे ही उसके परिजनों तक पहुंची, परिवार में चीख-पुकार मच गई। रोते-बिलखते परिजन अस्पताल पहुंचे। कुछ देर पहले जिस परिवार में जन्मदिन की खुशियां मनाने की तैयारी हो रही थी, वहां अचानक मातम छा गया।

अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। हादसे की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

तहरीर मिलने के बाद दर्ज होगा मुकदमा

बायवला चौकी इंचार्ज रणवीर सिंह ने बताया कि दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत हुई है, जबकि दूसरा घायल है। हादसे के बाद दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि अभी तक मृतक या घायल के परिजनों की ओर से लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हादसे के कारणों की जांच करने के साथ ही फरार बाइक सवार की पहचान और तलाश में जुटी है।

मुकन्दपुर में जमीन पर कब्जे को लेकर भिड़े दो पक्ष, पुलिस ने 18 को किया गिरफ्तार

विवादित भूमि पर कब्जे को लेकर बढ़ा तनाव, शांति भंग की आशंका पर तितावी पुलिस की त्वरित कार्रवाई, ट्रैक्टर, होंडा सिटी समेत सात वाहन सीज

मुजफ्फरनगर। थाना तितावी क्षेत्र के ग्राम मुकन्दपुर में शनिवार को विवादित भूमि पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई। भूमि पर कब्जे को लेकर दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और विवाद बढ़ते-बढ़ते आमादा फसाद तक पहुंच गया। सूचना मिलते ही तितावी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। पुलिस के समझाने के बावजूद दोनों पक्ष शांत होने को तैयार नहीं हुए, जिसके बाद पुलिस ने शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों के कुल 18 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से संबंधित 7 वाहनों को भी सीज किया गया है।

न्यायालय में विचाराधीन है भूमि का विवाद

पुलिस के अनुसार ग्राम मुकन्दपुर में जिस भूमि को लेकर विवाद चल रहा है, उसके संबंध में दोनों पक्षों के बीच विवाद है और मामला माननीय न्यायालय में विचाराधीन है। इसके बावजूद शनिवार को दोनों पक्षों के लोग मौके पर एकत्र होकर भूमि पर कब्जे को लेकर आपस में विवाद करने लगे। सूचना मिलने पर थाना तितावी पुलिस तत्काल जंगल ग्राम मुकन्दपुर पहुंची। मौके पर पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्षों के लोग पुलिस की बात मानने के बजाय और अधिक उत्तेजित हो गए। स्थिति बिगड़ने और किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की।

प्रथम पक्ष के 16 और दूसरे पक्ष के 2 लोग गिरफ्तार

पुलिस ने शांति एवं कानून-व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना को देखते हुए प्रथम पक्ष के 16 तथा द्वितीय पक्ष के 2 लोगों समेत कुल 18 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार सभी के खिलाफ धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई है।

गिरफ्तार किए गए लोगों का विवरण

प्रथम पक्ष से गिरफ्तारः
योगेन्द्र सिंह पुत्र जयसिंह निवासी मुकन्दपुर, सूरज पुत्र योगेन्द्र सिंह निवासी मुकन्दपुर, बिट्टू पुत्र इन्द्रपाल निवासी लुहारी थाना बड़ौत बागपत, मंजीत पुत्र योगेन्द्र निवासी भाजू थाना बाबरी शामली, अर्जुन पुत्र सुधीर निवासी भाजू, भगत पुत्र कविन्द्र निवासी भाजू, दीपक, आदित्य, नमन तथा हर्षित निवासी मोदीपुरम मेरठ, अमन, आयूष, वंश तथा ऋतिक निवासी थाना दोघट बागपत और गगन व रनवीर निवासी ग्राम चूनसा थाना बाबरी शामली को गिरफ्तार किया गया।

द्वितीय पक्ष से गिरफ्तारः
उदयवीर पुत्र महावीर तथा धर्मवीर पुत्र महावीर, दोनों निवासी ग्राम मुकन्दपुर थाना तितावी, जनपद मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार किया गया।

7 वाहन भी पुलिस ने किए सीज

विवाद के दौरान मौके पर मौजूद दोनों पक्षों से संबंधित वाहनों के खिलाफ भी पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से एक ट्रैक्टर, एक होंडा सिटी कार और पांच मोटरसाइकिल, कुल 7 वाहनों को थाना तितावी लाकर धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया।

समय रहते पुलिस ने संभाली स्थिति

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मौके पर संभावित विवाद और तनाव को बढ़ने से रोक दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि विवादित भूमि के संबंध में न्यायालय में मामला विचाराधीन होने के बावजूद यदि कोई पक्ष कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इन पुलिसकर्मियों ने की कार्रवाई

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक अजयपाल सिंह, उपनिरीक्षक अमित चौधरी, उपनिरीक्षक नवनीत यादव, रिजर्व आरक्षी जगवीर सिंह, अरुण कुमार, अभिषेक, दिलावर सिंह (चालक) तथा पीआरडी तहसीना शामिल रहीं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी का स्थान जंगल ग्राम मुकन्दपुर, थाना तितावी, जनपद मुजफ्फरनगर रहा। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अलमावाला में जहरीले सांप ने महिला को डसा: अस्पताल में मौत, परिजनों में छाया मातम, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

मोरना क्षेत्र में जहरीले सांपों के कहर से दहशत में ग्रामीण

मोरना(मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गाँव अलमावाला में शनिवार तड़के उस समय हड़कंप मच गया जब घर में सो रही एक वृद्ध महिला को जहरीले सांप ने डस लिया। आनन-फानन में परिजन महिला को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय ले गए, जहाँ चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की अचानक हुई मौत से परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रात तीन बजे दर्द से खुली नींद, कुछ ही देर में थमी साँसें

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलमावाला निवासी सुखदेव सिंह की 62 वर्षीया माता गुरमीत कौर शुक्रवार की देर रात अपने घर में सो रही थीं। शनिवार तड़के लगभग तीन बजे उनके बाएँ पैर में अचानक तेज दर्द का अहसास हुआ। उन्होंने तुरंत परिवार के सदस्यों को जगाकर इसकी जानकारी दी। परिजन कुछ समझ पाते, इससे पहले ही गुरमीत कौर को सांस लेने में भारी तकलीफ होने लगी। हालत बिगड़ती देख परिजन तुरंत उन्हें लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचे, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा मृतका के पुत्र सुखदेव सिंह ने बताया कि उनकी माता को 'कॉमन करैत' (जहरीले सांप) ने डसा था, जिसका पता पैर पर बने निशान से चला। क्षेत्राधिकारी लक्ष्मण सिंह वर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गुरमीत कौर की असमय मौत से उनके पुत्र सुखदेव सिंह, पुत्रवधू चरनजीत कौर, पौत्र एकलदीप तथा विवाहित पुत्रियों मनप्रीत कौर व चरणजीत कौर का रो-रोकर बुरा हाल है। मोरना-भोपा क्षेत्र में

जहरीले सांपों का प्रकोप से दहशत

मोरना-भोपा क्षेत्र में बीते कुछ हफ़्तों से जहरीले सांपों का प्रकोप लगातार देखने को मिल रहा है, जिससे ग्रामीण इलाकों में भारी दहशत का माहौल है। अलमावाला की इस दुखद घटना से पहले भी कई लोग सांप के डसने से अपनी जान गंवा चुके हैं।

28 जुलाई की सुबहः गाँव शुक्रतारी में घर पर काम कर रही सुशीला (पत्नी धर्मसिंह) को कोबरा (नाग) ने डस लिया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

28 जुलाई की रातः गाँव योगेन्द्र नगर में सोते समय एक युवक अजत (पुत्र कुलदीप) को जहरीले करैत सांप ने डस लिया था, जिनकी इलाज के दौरान जान चली गई थी।

मीरावाला में करंट से युवक की दर्दनाक मौत: परिवार में कोहराम

टेबल फैन लगाते समय हुआ हादसा, अस्पताल ले जाते समय मौत

ककरौली (मुजफ्फरनगर)। थाना क्षेत्र के गाँव मीरावाला में शनिवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया। घर के बरामदे में टेबल फैन लगाते समय एक 30 वर्षीय युवक अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गया। परिजन तुरंत युवक को गंभीर अवस्था में निजी अस्पताल ले गए, जहाँ चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की असमय मृत्यु की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गाँव में मातम पसर गया।

स्विच में करंट उतरने से हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मीरावाला निवासी 30 वर्षीय रणतेज चंदेल पुत्र मंथन सिंह शनिवार दोपहर अपने घर के बरामदे में हवा के लिए टेबल फैन लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक टेबल फैन के स्विच बोर्ड में बिजली का तेज करंट उतर आया। जब तक रणतेज कुछ समझ पाते, वे करंट की चपेट में आकर अचेत होकर वहीं गिर पड़े। बरामदे में हादसा होते ही आनन-फानन में परिजन और आसपास के लोग अचेत अवस्था में रणतेज को मोरना स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। हालाँकि, अस्पताल पहुँचने पर चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जाँच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

गांव में 30 वर्षीय युवा पुत्र की अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रणतेज की असमय मौत से उनके पिता मंथन सिंह, माता जसविंदर तथा भाई सुधीर व आदेश का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दुखद घटना के बाद गाँव के लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने उनके घर पहुँच रहे हैं।

मुजफ्फरनगर में 10 डॉक्टरों की बर्खास्तगी की तैयारी: लंबे समय से चल रहे ड्यूटी से गायब, सीएमओ ने शासन को भेजी सूची

एक डॉक्टर की सेवा समाप्त होने के बाद मचा हड़कंप, शासन ने मांगा लापरवाह डाक्टरों का मांगा था ब्यौरा

मुजफ्फरनगर। जनपद के सरकारी अस्पतालों में तैनात होकर सालों से ड्यूटी से गैरहाजिर चल रहे डॉक्टरों के खिलाफ शासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। मुजफ्फरनगर के विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) से बिना लिखित अनुमति अनधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे 10 चिकित्साधिकारियों के खिलाफ बर्खास्तगी जैसी कठोर दंडात्मक कार्रवाई की आशंका गहरा गई है। हाल ही में शासन द्वारा जनपद में पूर्व में तैनात रहे एक चिकित्सक की बर्खास्तगी की गाज गिराए जाने के बाद से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। चिकित्सकों के लंबे समय से ड्यूटी से नदारद रहने के कारण जिले की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं और मरीजों को उपचार के लिए भटकना पड़ रहा है।

आधे से भी कम डॉक्टरों के भरोसे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था

मुजफ्फरनगर जिले में प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा (ढटलर) संवर्ग के अंतर्गत स्वीकृत पदों के सापेक्ष आधे चिकित्सक भी कार्यरत नहीं हैं। भारी कमी के बावजूद शासन द्वारा समय-समय पर नई नियुक्तियां की जाती हैं। अमूमन कई डॉक्टर उच्च शिक्षा (पीजी) की पढ़ाई या निजी कारणों से नियमानुसार लिखित अनुमति लेकर अवकाश पर जाते हैं। हालांकि, बड़ी संख्या ऐसे

डॉक्टरों की भी है जो बिना किसी सूचना या स्वीकृति के वर्षों से अपनी तैनाती स्थल से नदारद हैं और निजी प्रैक्टिस या अन्य कार्यों में व्यस्त हैं। ये डाक्टर वर्षों से अनधिकृत रूप से अनुपस्थिते

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कई डॉक्टर वर्ष 2018 से लेकर 2023 से लगातार गैरहाजिर चल रहे हैं:

1. डॉ. परिधिः सीएचसी खतौली (01 मई 2018 से गैरहाजिर)
2. डॉ. कुनाल कुमारः पीएचसी छपार (21 मई 2018 से गैरहाजिर)
3. डॉ. अवनीः सीएचसी शाहपुर (21 मई 2019 से गैरहाजिर)
4. डॉ. निधि तोमरः सीएचसी जानसठ (15 अप्रैल 2020 से गैरहाजिर)
5. डॉ. सुचित्रा सिंहः सीएचसी जानसठ (01 अप्रैल 2021 से गैरहाजिर) 6. डॉ. श्रुति आर्यः सीएचसी सिसौली (28 जनवरी 2022 से गैरहाजिर)
7. डॉ. वैशाली भारद्वाजः सीएचसी बुढाना (03 मार्च 2022 से गैरहाजिर)
8. डॉ. शशांकः सीएचसी जानसठ (21 मई 2022 से गैरहाजिर)
9. डॉ. विशाल कांधवेः सीएचसी जानसठ (07 फरवरी 2023 से गैरहाजिर(10. डॉ. समीर आनंदः पीएचसी बसेड़ा (अनधिकृत रूप से अनुपस्थित)

अधिकारियों का रुख

मुख्य चिकित्साधिकारी (उटड), मुजफ्फरनगर का कहना है कि जनपद में तैनात रहे कई चिकित्साधिकारी अनधिकृत रूप से ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे हैं। शासन की ओर से ऐसे सभी चिकित्सकों का ब्यौरा मांगा गया है। अनधिकृत रूप से नदारद चल रहे डॉक्टरों की पूरी रिपोर्ट तैयार कर शासन को उपलब्ध कराई जा रही है, जिसके आधार पर आगे की दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

किशनपुर में गिरा मजदूर का कच्चा मकान: मलबे में दबा घरेलू सामान, बडा हादसा टला

दीवार में दरार देखकर बाहर भागे परिजन, पीड़ित परिवार ने लगाई आर्थिक मदद की गुहार

मोरना(मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र में बीते कुछ दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश अब ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों और गरीब परिवारों के लिए आफत साबित होने लगी है। भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाँव किशनपुर में शनिवार को बारिश के कारण एक गरीब मजदूर का कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। गनीमत यह रही कि मकान में दरार आने की जानकारी समय रहते मिल गई, जिससे परिजनों को तुरंत बाहर निकाल लिया गया और एक बेहद दर्दनाक हादसा होने से बाल-बाल टल गया। हालाँकि, मकान गिरने से मिट्टी के मलबे में दबकर पीड़ित परिवार का सारा घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया है।

मासूम बच्चे की सतर्कता से बची छह जिंदगियाँ

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गाँव किशनपुर निवासी पीड़ित मजदूर मोहम्मद आजाद का परिवार कच्चे मकान में गुजर-बसर करता है। शनिवार दोपहर के समय आजाद का पुत्र मोहम्मद आदिल घर के बाहर बैठा हुआ था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य अंदर ही मौजूद थे। इसी दौरान घर के एक मासूम बच्चे ने दीवार में अचानक तेज दरारें आने की खबर आदिल को दी। खतरे का अहसास होते ही आदिल ने तत्परता दिखाई और तुरंत घर के भीतर मौजूद अपने पिता मौ. आजाद, पत्नी शमा परवीन तथा तीन मासूम बेटों– आतिफ, आकिफ और अरहम को दौड़कर सुरक्षित बाहर निकाला।

सामने देखते ही देखते जमींदोज हुई छत और दीवारें

परिजनों के बाहर निकलते ही महज कुछ ही मिनटों के भीतर पूरा कच्चा मकान एक जोरदार धमाके के साथ भरभराकर जमींदोज हो गया। देखते ही देखते पूरा मकान मिट्टी के ढेर में तब्दील हो गया। गनीमत रही कि समय रहते पूरा परिवार बाहर आ चुका था, वरना किसी बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता था। लेकिन मकान के भीतर रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, बिस्तर और अन्य कीमती घरेलू सामान मिट्टी के भारी मलबे के नीचे दबकर पूरी तरह बर्बाद हो गए।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजा देने की मांग

हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़ पड़े। पड़ोसी कमरुद्दीन, साजिद, अल्तमश और बिलकिस सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद मलबे को हटाकर नीचे दबे सामान को बाहर निकालने की कोशिश की। पीड़ित मौ. आजाद और स्थानीय ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से संज्ञान लेते हुए पीड़ित परिवार को तुरंत राहत सामग्री उपलब्ध कराने, नुकसान का उचित मुआवजा देने और प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनवाने की गुहार लगाई है।

सात माह की गर्भवती महिला के पेट में लात-घूंसे और पत्थर मारने का आरोप, गला दबाने की भी कोशिश

नाली में पानी रोकने को लेकर हुआ विवाद, घर में घुसकर मारपीट का आरोप; हालत बिगड़ने पर सीएचसी से जिला अस्पताल किया गया रेफर, चार नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बुढ़ाना। थाना बुढ़ाना क्षेत्र के ग्राम राजपुर छाजपुर में नाली में पानी की निकासी को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि पड़ोसियों पर घर में घुसकर सात माह की गर्भवती महिला के साथ मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि महिला के पेट में लात-घूंसे और पत्थर मारे गए तथा उसका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। हालत बिगड़ने पर महिला को पहले सीएचसी बुढ़ाना और बाद में जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर ले जाया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाली में ईंट लगाकर पानी रोकने का आरोप

ग्राम राजपुर छाजपुर निवासी गौतम राणा पुत्र रणधीर सिंह ने थाना बुढ़ाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पड़ोसी शेखर पुत्र सुधीर, शारदा पत्नी सुधीर, मामो पत्नी स्वर्गीय जगदीश, पारूल पुत्री सुधीर और आरजू पुत्री सुधीर उसके परिवार से रंजिश रखते हैं। गौतम के मुताबिक वह प्राइवेट नौकरी करता है और अक्सर घर से बाहर रहता है। तहरीर के अनुसार, 1 सितंबर 2026 की शाम करीब छह बजे शारदा ने गौतम के मकान का पानी रोकने के लिए नाली में ईंट लगा दी थी। गौतम की पत्नी कोमल ने पानी की निकासी के लिए नाली से ईंट हटा दी। आरोप है कि इसी बात को लेकर सभी विपक्षी एक राय होकर गौतम के घर में घुस आए।

सात माह की गर्भवती को पेट में मारी लात और पत्थर

गौतम ने आरोप लगाया कि घर में घुसने के बाद शेखर और पारूल ने सात माह की गर्भवती उसकी पत्नी कोमल के पेट में लात-घूंसे मारे और पत्थर से हमला किया। आरोपियों ने गौतम के साथ भी मारपीट की। मारपीट के दौरान कोमल बेहोश होकर फर्श पर गिर गई। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद शेखर और शारदा ने कोमल का गला दबाकर उसे जान से मारने का प्रयास किया।

मोहल्ले वालों ने महिला को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया

महिला की हालत देखकर गौतम और मोहल्ले के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और उसे आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। गौतम के मुताबिक, पत्नी की हालत बिगड़ती देखकर वह उसे आनन-फानन में सीएचसी बुढ़ाना लेकर पहुंचा। महिला की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार कराया गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद गौतम ने थाना बुढ़ाना पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी।

परिवार को जान से मारने की धमकी का भी आरोप

पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद भी विपक्षी उसे और उसकी पत्नी को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। गौतम ने पुलिस को बताया कि वह और उसका परिवार भयभीत है तथा उसे आशंका है कि आरोपी उसके परिवार के साथ कोई अप्रिय घटना कर सकते हैं। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा अपने और परिवार की जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई।

तहरीर पर मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

गौतम राणा ने तीन सितंबर 2026 को थाना बुढ़ाना में तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना में घायल महिला की मेडिकल रिपोर्ट, चिकित्सकीय दस्तावेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों को जांच में शामिल किया जाएगा। आरोपों की पुष्टि के आधार पर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

संपादकीय

एसआईआर में गलतियों की जिम्मेदारी कौन लेगा?

झारखंड के गोड्डा जिले में जिस तरह कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटवाने के लिए परिपत्र-7 के दुरुपयोग का प्रयास सामने आया है, उससे एक बार फिर एसआइआर प्रक्रिया की शुचिता कठघरे में खड़ी हुई है। समूचा मामला दरअसल निर्वाचन आयोग की साख पर सवाल उठाता है, जिसकी लापरवाही की वजह से न जाने कितने लोग मतदाता सूची से बाहर हुए और उन्हें मतदान के अधिकार से वंचित होना पड़ा। इससे किसी को भी असहमति नहीं होगी कि देश की चुनाव प्रक्रिया में सिर्फ वैध मतदाता को ही मतदान करने का अधिकार मिले। साथ ही संबंधित क्षेत्र की मतदाता सूची में वैसे लोगों के नाम हटा दिए जाएं, जिनकी या तो मौत हो गई या फिर वे वहां से स्थायी रूप से विस्थापित हो गए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का उद्देश्य यही बताया गया है कि इस अभियान के जरिए वैध और पात्र मतदाताओं के वोट देने का हक सुनिश्चित किया जाएगा।सवाल है कि इस अभियान के दौरान अगर गलत तरीके से मतदाताओं के नाम सूची से हटाने की कोशिश भी हो रही है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? झारखंड के गोड्डा जिले में जिस तरह कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटवाने के लिए परिपत्र-7 के दुरुपयोग का प्रयास सामने आया है, उससे एक बार फिर एसआइआर प्रक्रिया की शुचिता कठघरे में खड़ी हुई है। इससे पहले भी अलग-अलग कारणों से एसआइआर के जरिए बेलगाम तरीके से मतदाताओं के नाम सूची से हटाने के आरोप लगते रहे हैं।यह अपने आप में विचित्र है कि निर्वाचन आयोग अपने जिस अभियान को केवल वैध मतदाताओं के मतदान का हक सुनिश्चित करने का जरिया बता रहा है, उसी में ऐसे अनेक उदाहरण सामने आ रहे हैं, जिनमें गलत तरीके से सूची से नाम हटाए जाने के आरोप लगे हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के पहले जो एसआइआर की प्रक्रिया संचालित की गई थी, उसमें लाखों लोग मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए।जब विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ आवाज उठाई और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो उसके बाद अपीलीय न्यायाधिकरणों के जरिए इसका समाधान निकालने की कोशिश की गई। अब अपील और उसके बाद जैसी तस्वीर उभर रही है, उसने एक तरह से निर्वाचन आयोग के कामकाज पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दरअसल, हाल ही में आई खबर के मुताबिक, शुरुआती दौर में ही न्यायाधिकरणों में सूची से हटाए जाने के जितने मामले पहुंचे, उनमें से 91 फीसद लोगों के मताधिकार को वैध पाया गया और उनका नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल किया गया। इस बीच राज्य में विधानसभा चुनाव हुए और सूची में दोबारा शामिल होने के बावजूद ऐसे लोग वोट नहीं दे सके।सवाल है कि इस सबकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? झारखंड और पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यकर्ताओं पर वैसे मतदाताओं के भी नाम हटवाने के लिए सुनियोजित तरीके से परिपत्र-7 का बेजा इस्तेमाल करने के आरोप सामने आए, जो अपने पते पर मौजूद थे।झारखंड के गोड्डा में बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ ने कुछ लोगों की ओर से दिए गए परिपत्र-7 पर सवाल उठाए और कहा कि जिनका नाम हटाने के लिए 'पते पर मौजूद नहीं' या 'स्थानांतरित' की श्रेणी के तहत यह आवेदन दिया जा रहा है, वे लोग लंबे समय से अपने पते पर रह रहे हैं और वैध मतदाता हैं।

अँधियारा जितना गहन होगा, प्रकाश की दीप्ति उतनी ही प्रकट होकर आभामय होगी। नकार की गहनता सकार को श्रेयस रूप में प्रकट होने के लिए भूमि तैयार करती है! वरना क्या संभव था कि अत्याचार इतनी सीमाओं को लाँघता! वह बहुत पहले अस्तित्वविहीन किया जा सकता था। मगर जब कृष्ण जैसे विराट अवतार को प्रकट होना हो, जब कन्हैया स्वयं बालक रूप धरने वाले हों, जब पृथ्वी पर सौ सूर्यों का तेज़ एक साथ प्रकट होना हो तो अंधियारे को तो गहन होना ही होगा। इसलिए कृष्ण के जन्म के समय इतने अंधियारे और भयावह समय का रूपक प्रकृति द्वारा रचा गया है। चूँकि मनुष्य, देव, दानव, गंधर्व, किन्नर किसी के द्वारा किया जाने वाला अत्याचार, फैलाया जाने वाला अँधेरा उतना गहन नहीं हो सकता जितने को मिटाने के लिए कृष्ण जैसी आभा की आवश्यकता हो, इसलिए कृष्ण के जन्म के समय गहन अँधेरे के असंख्य रूपक प्रकृति ने रचे हैं।

कृष्ण का जन्म ही अनुष्ठान है, कृष्ण का जीवन ही उत्सव है

(पुरुषोत्तम प्रतीक)

कृष्ण के जन्म का अनुष्ठान है। इसके बाद की सभी घटनाओं का बहुत अर्थ नहीं, वह सब उनके सामान्य जीवन का हिस्सा है। कृष्ण का जीवन ही उत्सव है, वही प्रेक्षणीय है, वही लीला है, वही उत्सव के योग्य है। भाद्रपद मास का कृष्ण पक्ष, चहुँओर अँधियारे का साम्राज्य है, घनघोर वृष्टि से पृथ्वी जलमग्न हो रही है, आकाश को घेरे काले बादलों ने अंधियारे को और भी गहरा कर दिया है, बीच-बीच में कड़कती बिजली इन्द्र के व्रज-सी गगन को भेदती पृथ्वी को प्रकम्पित कर जाती है, उसपर मथुरा में कंस का अंधियारा भरा साम्राज्य, अत्याचारों की पराकाष्ठा से राज्य त्राहि कर रहा है, कठोर कारागार में बंद देवकी और वासुदेव के सात पुत्रों को शैशवावस्था में ही निर्दयता से मारा जा चुका है, ऐसे में भाद्रपद, कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि को माँ देवकी के गर्भ से प्रभु प्रकट होते हैं!!

अँधियारा जितना गहन होगा, प्रकाश की दीप्ति उतनी ही प्रकट होकर आभामय होगी। नकार की गहनता सकार को श्रेयस रूप में प्रकट होने के लिए भूमि तैयार करती है! वरना क्या संभव था कि अत्याचार इतनी सीमाओं को लाँघता! वह बहुत पहले अस्तित्वविहीन किया जा सकता था। मगर जब कृष्ण जैसे विराट अवतार को प्रकट होना हो, जब कन्हैया स्वयं बालक रूप धरने वाले हों, जब पृथ्वी पर सौ सूर्यों का तेज़ एक साथ प्रकट होना हो तो अंधियारे को तो गहन होना ही होगा।

इसलिए कृष्ण के जन्म के समय इतने अंधियारे और भयावह समय का रूपक प्रकृति द्वारा रचा गया है। चूँकि मनुष्य, देव, दानव, गंधर्व, किन्नर किसी के द्वारा किया जाने वाला अत्याचार, फैलाया जाने वाला अँधेरा उतना गहन नहीं हो सकता जितने को मिटाने के लिए कृष्ण जैसी आभा की आवश्यकता हो, इसलिए कृष्ण के जन्म के समय गहन अँधेरे के असंख्य रूपक प्रकृति ने रचे हैं।

यूँ भी कृष्ण की विराट आभा के समक्ष कोई भी अँधियारा अर्थहीन हो होगा, कोई भी अति सामान्य ही होगी। और वह हुआ भी। कृष्ण के प्रकट होते ही, कारागार के द्वार खुल गए, देवकी वासुदेव के बंधन टूट गए, समय का रथ ठहर गया, संसार प्रकाशमान हो गया!

कृष्ण के लिए यह सब बेहद सामान्य है। कृष्ण जन्म के साथ से ही यह सूचना देते आ रहे हैं कि वे असाधारण हैं। वे जन्म के साथ ही अपने दिव्य स्वरूप को प्रकट करते हैं। उनका जीवन चमत्कारों से भरा है। वे स्वयं को साधारण दिखाने का प्रयास भी नहीं करते। बल्कि यह कहें कि उनकी प्रभा इतनी द्युतिमान है कि वह लाख प्रच्छन्नताओं के बाद भी प्रकट होती है, उसे रोका नहीं जा सकता। वह समय और काल की बाध्यताओं को नहीं स्वीकारती।

कृष्ण का व्यक्तित्व इतना विराट है कि वह साधारण घटनाओं के दायरे में नहीं समाता। इसलिए कृष्ण के पृथ्वी पर अवतरित होने का उद्देश्य सामान्य नहीं है। कृष्ण कंस को मारने के लिए प्रकट नहीं होते, वह उनके लिए बेहद सहल था और न ही कंस उनके जन्म का उद्देश्य है। जिस प्रकार विष्णु के अन्य अवतारों का उद्देश्य किसी आसुरी शक्ति को समाप्त करना था, इस तरह का कोई उद्देश्य कृष्ण के जीवन में नहीं है। इसलिए कंस को मारने में किसी प्रकार की विशेष वीरता और महानता का संदर्भ नहीं है और न

ही कृष्ण को कंस के युति विलोम में देखा जाता है। कृष्ण-कंस के मध्य किसी भीषण युद्ध की भी चर्चा नहीं है।

कृष्ण अपने 1 महीने की उम्र में ही पूतना को मार देते हैं, 3 महीने में शकटासुर, 1 वर्ष में तृणावर्त, 2 वर्ष में वत्सासुर, 4 वर्ष में बकासुर, 5 वर्ष में अघासुर, 5 वर्ष में ही कालिया मर्दन, 6 वर्ष में धेनुकासुर, 7 वर्ष में गोवर्धन उठाकर इंद्र का अभिमान तोड़ते तथा 11 वर्ष में कंस का वध कर देते हैं। इन सारे वृहत कार्यों को करने में उन्हें किसी प्रकार की विशेष शक्ति की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि हँसते-खेलते सामान्य जीवन की घटनाओं के साथ वे इन आसुरी शक्तियों से भी निपटते जाते हैं। इसमें किसी अतिरिक्त आयोजन की आवश्यकता तक नहीं पड़ती। उनकी क्षमता अनंत है, अनिर्वचनीय है, वे ही ब्रह्म हैं और वे ही जगत। वे ही सुर भी हैं, असुर भी, वे ही आदि भी और अंत भी।

परंतु एक ही साथ वे जितने अलौकिक हैं उतने ही लौकिक भी। वे जिस तरह बाल रूप धर लीलाएँ रचते हैं वह अद्भुत है। उनका जीवन किसी उद्देश्य को योजित नहीं हैं, वह तो जीवन की संपूर्णता को समर्पित है। वह जब बालक के स्वरूप में हैं तो सम्पूर्ण रूप से बालक हैं। उतने ही निर्मल, उतने ही नटखट, उतने ही सरल, उतने ही हठी। बालक के व्यक्तित्व का कोई हिस्सा उनसे अछूता नहीं है। इसलिए सभी उनसे इतना प्रेम करते हैं।

कृष्ण के प्रति प्रेम, उनके ऐश्वर्य की उपासना नहीं है, बल्कि कृष्ण की कोई भी उपासना नहीं है, कृष्ण के प्रति केवल प्रेम है। इसलिए कृष्ण को लेकर किसी तरह का अनुष्ठान निरर्थक होगा, उनके लिए तो प्रेम ही समग्र अनुष्ठान है। गोपियाँ उनके चमत्कारों और ईश्वरत्व पर आकर्षित नहीं होतीं, वे उनकी मासूमियत पर मोहित हैं , उनकी निर्मलता ने उन्हें आकृष्ट कर लिया है, उनकी सादगी और उनकी समग्रता उन्हें खींचती है।

आज भी स्त्रियाँ कृष्ण के प्रेम में वैरागी हो सकती हैं, उनके लिए संसार त्याग सकती हैं, लोक-लाज ताज सकती हैं, मीरा राजमहलों को छोड़ वन-वन भटक सकती है, कृष्ण के प्रेम में दीवाना हुआ जा सकता है। स्त्रियाँ शब्द का उल्लेख इसलिए किया कि स्त्रियाँ ही अब भी प्रेम को परख सकती हैं, पुरुष में अभी भी गणित हावी है। इसलिए स्त्रियाँ कृष्ण के प्रेम में पड़ें तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि कृष्ण प्रेम की ही मूरत हैं। कृष्ण को प्रेम से ही पाया जा सकता है, कृष्ण ही प्रेम हैं।

कृष्ण इकलौते ऐसे अवतार हैं जो हमेशा बाल्यावस्था में हैं। ऐसा नहीं कि उन्होंने पृथ्वी के नियमों को त्याग दिया, वे भी समय के साथ बढ़ते हैं, परन्तु बाल्यावस्था में ही वे उतने समग्र हैं कि हमें उससे आगे बढ़ने की इच्छा ही नहीं होती। उतने ही प्यारे, उतने सुन्दर, उतने हठी। और वे भी बाल्यावस्था में प्रेम को उतना ही प्रेम समर्पित करते हैं।

कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल पर दुनिया के सारे नियम लागू होते हैं, उन्हें भूख लगती है, उन्हें ठंड लगती है, उन्हें बुखार होता है, बस उनकी उम्र नहीं बढ़ती। कितना प्यारा रूपक है यह। वे हमेशा बालक हैं। उनका बालपन समग्र है। उससे आगे जाने की आवश्यकता नहीं है। वे उस स्वरूप में प्रेम पर रीझ जाते हैं जिस स्वरूप में हम प्रेम को लुटा सकते हैं।

उन्हें भूख लगती है कहते हुए भी दुनियावी नियमों के अर्थ में गणितीय तात्पर्य तो यही है कि वे खाते नहीं परन्तु उन्हें भूख लगती है यह सोचकर हमारे मन में जो उनके प्रति प्रेम का भाव उमड़ा यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उन्हें बुखार लगी होगी यह सोचकर बेचैन हो जाना ही तो प्रेम है। प्रियतम के विछोह को याद कर रो लेना ही तो प्रेम है। यही प्रेम का सार है। कृष्ण इसी प्रेम में हैं, कृष्ण प्रेम से हैं।

कृष्ण का इस पृथ्वी को लेकर कोई उद्देश्य नहीं है। उनकी आभा इतनी विराट है कि इस पृथ्वी के लिए उनका कोई भी उद्देश्य नगण्य ही होगा। इसलिए उनके जीवन को हम लीला कहते हैं। वे किसी दैत्य का वध करने हेतु इस पृथ्वी पर आएँ, इतनी छोटी अपेक्षा हम भी उनसे नहीं रखते। वे हमारा प्रेम स्वीकारें यह बहुत है, वे हमारे माखन चुराएँ और हम उन्हें बाँधें, यह काफी है। वे हमें दीवाना बना जाएँ, हम वन-वन घूम उनके लिए तड़पें यह पर्याप्त है। वे हमेशा हमारे पालने में बच्चे बनकर झूलें, हम उन्हें बच्चों की तरह खिलाएँ, उनके कपड़े बदलें, उनका ख़्याल रख सकें, उन्हें चूम सकें यह बहुत है।

यही कारण है कि कृष्ण के जन्म का अनुष्ठान है। इसके बाद की सभी घटनाओं का बहुत अर्थ नहीं, वह सब उनके सामान्य जीवन का हिस्सा है। कृष्ण का जीवन ही उत्सव है, वही प्रेक्षणीय है, वही लीला है, वही उत्सव के योग्य है।

राम के जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण घटना उनका रावण को मारकर, विजयी हो अयोध्या लौटना है, इसलिए हम दिवाली और विजयादशमी मनाते हैं, शिव के जीवन की सबसे महत्त्वपूर्ण घटना उनका विवाह है, इसलिए हम शिवरात्रि मनाते हैं, परन्तु कृष्ण का तो जन्म लेना ही पर्याप्त है। कृष्ण इस धरा पर आए, यही महत्त्वपूर्ण है। यही अभिनव है, यहीअद्वितीय।(लेखक मूल रूप से कवि, लेखक, चिंतक तथा फिल्ममेकर हैं एवं विविध विषयों पर लेखन करते रहते हैंष वे फिलहाल जामिया मिलिया इस्लामिया से हिंदी साहित्य विषय में शोध कर रहे हैं तथा विश्व क्लासिक्स के अच्छे अध्येता हैं। यह उनके निजी विचार हैं।)

राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करता जीएसएलवी-एफ-17 का प्रक्षेपण

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

इसरो, जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च के लिए अंतिम तैयारियां पूरी कर रहा है। यह लॉन्च 4 सितंबर 2026 को सुबह 2ः55 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से निर्धारित है। जीएसएलवी-एफ 17 को 29 अगस्त 2026 को रात लगभग 8 बजे दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) पर ले जाया गया।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाला है। यह मिशन अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट ईओएस-05 (जिसे पहले जीआई सैट-1ए कहा जाता था) को अंतरिक्ष में ले जाएगा। ईओएस-05 एक अत्याधुनिक इमेजिंग सैटेलाइट है जिसे आपदाओं के समय तेज़ी से तस्वीरें लेने के लिए बनाया गया है। इसरो ने ही इस स्पेसक्राफ्ट को विकसित किया है और इसका लॉन्च के समय वज़न 2,367 किलोग्राम होगा।

ईओएस-05/जीआई सैट-1ए उस कमी को पूरा करेगा जो 2021 में ईओएस-03/जीआई सैट-1 के लॉन्च में आई रुकावट के कारण पैदा हुई थी। जीएसएलवी-एफ 10 मिशन इसके क्रायोजेनिक अपर स्टेज में तकनीकी खराबी के कारण विफल हो गया था। हालांकि लिफ्ट-ऑफ के बाद पहला और दूसरा स्टेज सामान्य रूप से काम कर रहे थे, लेकिन तीसरे स्टेज का क्रायोजेनिक इंजन चालू नहीं हो पाया, जिससे ईओएस-03 सैटेलाइट का नुकसान हो गया।

इसरो का नया आत्मविश्वास

इसरो के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन के अनुसार, ईओएस-05 सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 36,000 किलोमीटर ऊपर स्थित होकर पूरे देश की लगातार निगरानी करेगा। पीएसएलवी रॉकेट की लगातार दो विफलताओं के बाद, इसरो अपने अगले लॉन्च के लिए तैयार है। यह सैटेलाइट ठीक वैसे ही काम करेगा जैसे कोई पर्यवेक्षक ऊँची जगह से पूरे गाँव पर नज़र रखता है।

डॉ. नारायणन ने बताया कि इसरो की योजना मार्च 2027 तक सात रॉकेट लॉन्च करने की है, जिसमें गगनयान मिशन (जीआई मिशन) की पहली बिना क्रू वाली उड़ान भी शामिल है। मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए, इसरो का लक्ष्य 12 सैटेलाइट बनाना और आठ रॉकेट लॉन्च करना है। ये मिशन संचार, नेविगेशन, पृथ्वी की निगरानी और वैज्ञानिक अनुसंधान को बेहतर बनाएंगे, साथ ही भविष्य में मानव अंतरिक्ष उड़ान और खोज के लिए आधार भी तैयार करेंगे।

लॉन्च की तैयारियां

इसरो, जीएसएलवी-एफ 17 लॉन्च के लिए अंतिम तैयारियां पूरी कर रहा है। यह लॉन्च 4 सितंबर 2026 को सुबह 2ः55 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से निर्धारित है। जीएसएलवी-एफ 17 को 29 अगस्त 2026 को रात लगभग 8 बजे दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) पर ले जाया गया। यह मिशन एक अहम चरण में पहुँच गया है, क्योंकि रॉकेट को टेक-ऑफ से पहले व्हीकल इंटीग्रेशन सेंटर (वीआईसी) से लॉन्च पैड पर ले जाया गया है।

यह मिशन ईओएस-05 जीईओ इमेजिंग सैटेलाइट (जीआई सैट-1ए) को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में भेजेगा। इस ऑर्बिट का पेरिगी (पृथ्वी के सबसे करीब का बिंदु) 170 किमी और एपोजी (सबसे दूर का बिंदु) 28,934 किमी होगा।

2025 और 2026 की शुरुआत में लगातार दो पीएसएलवी मिशन फेल होने के बाद, इस मिशन पर बारीकी से नज़र रखी जाएगी और इसके हर पहलू की विस्तार से जांच की जाएगी। इसरो पिछले आठ महीनों में कोई सफल रॉकेट लॉन्च नहीं कर पाया है, लेकिन अब एजेंसी एक बड़ी वापसी के लिए तैयार है।

इसरो ने गड़बड़ी के कारणों की जांच के लिए लॉन्च रोक दिए थे, जिससे जीएसएलवी-एफ 17/ईओएस-05 मिशन उसके लॉन्च प्रोग्राम में भरोसा बहाल करने का एक अहम मौका बन गया है। उम्मीद है कि यह सैटेलाइट भारत की पृथ्वी की निगरानी, इमेजिंग और डेटा-आधारित गतिविधियों को बेहतर बनाएगा। यह मिशन भारत की अंतरिक्ष-आधारित पृथ्वी अवलोकन क्षमताओं में एक बड़ी प्रगति है और इससे और भी एडवांस्ड सैटेलाइट सिस्टम के विकास में मदद मिलेगी।

ईओएस-05 के उद्देश्य- ईओएस-05 एक पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट है जिसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारतीय उपमहाद्वीप और आसपास के क्षेत्रों की लगभग रियल-टाइम, हाई-टेम्पोरल-रिज़ॉल्यूशन वाली इमेजिंग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ईओएस-05 के मुख्य उद्देश्य साफ मौसम (बिना बादलों के) में बार-बार और बड़े इलाके की निगरानी करने पर केंद्रित हैं। सैटेलाइट की मुख्य क्षमताओं और लक्ष्यों में ये शामिल हैंः- ईओएस-05 विज़िबल/नियर-इन्फ्रारेड और शॉर्ट-वेव इन्फ्रारेड बैंड में मल्टीस्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेज लेता है। यह लगभग हर पाँच मिनट में चुनिंदा क्षेत्रों और हर तीस मिनट में पूरे भारतीय भू-भाग की इमेज लेता है, और मल्टीस्पेक्ट्रल मोड में लगभग 42 मीटर का स्थानिक रिज़ॉल्यूशन (स्पेशियल रिज़ॉल्यूशन) हासिल करता है।

खुद को जानना ही सबसे बड़ी जीत, आखिर भीतर के सत्य को स्वीकार करना क्यों जरूरी है

मनुष्य का जीवन एक अनवरत यात्रा है। इस यात्रा में हम अनेक पड़ावों से गुजरते हैं- सफलता, असफलता, प्रशंसा, उपेक्षा, आशा और निराशा। अधिकांश लोग इस यात्रा का उद्देश्य बाहरी उपलब्धियों में खोजते हैं। कोई धन कमाने में लगा है, कोई प्रतिष्ठा अर्जित करने में, तो कोई दूसरों से आगे निकलने की दौड़ में। मगर जब जीवन की सांझ ढलने लगती है, तब एक प्रश्न भीतर से उठता है कि क्या यही वास्तविक विजय थी। सत्य यह है कि सच्ची जीत ट्रॉफियों, पदकों, पदों या प्रशंसा के शब्दों में नहीं होती। वह तो उस क्षण जन्म लेती है, जब मनुष्य स्वयं को पहचान लेता है, अपनी कमियों से आंखें नहीं चुराता और अपने अंतर्मन के सत्य को स्वीकार कर लेता है। जिसने स्वयं को जान लिया, उसने जीवन का सबसे बड़ा रहस्य जान लिया।

(मोनिका राज)

बाहरी युद्ध जीतना सरल हो सकता है, पर अपने भीतर के संघर्ष को जीतना सबसे कठिन और सबसे महान साधना है।

मनुष्य का जीवन एक अनवरत यात्रा है। इस यात्रा में हम अनेक पड़ावों से गुजरते हैं- सफलता, असफलता, प्रशंसा, उपेक्षा, आशा और निराशा। अधिकांश लोग इस यात्रा का उद्देश्य बाहरी उपलब्धियों में खोजते हैं। कोई धन कमाने में लगा है, कोई प्रतिष्ठा अर्जित करने में, तो कोई दूसरों से आगे निकलने की दौड़ में। मगर जब जीवन की सांझ ढलने लगती है, तब एक प्रश्न भीतर से उठता है कि क्या यही वास्तविक विजय थी।

सत्य यह है कि सच्ची जीत ट्रॉफियों, पदकों, पदों या प्रशंसा के शब्दों में नहीं होती। वह तो उस क्षण जन्म लेती है, जब मनुष्य स्वयं को पहचान लेता है, अपनी कमियों से आंखें नहीं चुराता और अपने अंतर्मन के सत्य को स्वीकार कर लेता है। जिसने स्वयं को जान लिया, उसने जीवन का सबसे बड़ा रहस्य जान लिया।

हमारे दैनिक जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं, जब हम दूसरों को प्रभावित करने के लिए अपने वास्तविक स्वरूप से दूर हो जाते हैं। हम मुस्कुराते हैं, जबकि भीतर दुख होता है। हम स्वयं को सफल दिखाने का प्रयास करते हैं, जबकि मन असंतोष से भरा रहता है। हम अपनी गलतियों को छिपाने के लिए बहाने गढ़ लेते हैं, क्योंकि हमें डर होता है कि कहीं लोग हमें कमजोर न समझ लें।

यही डर धीरे-धीरे हमारे व्यक्तित्व पर एक ऐसा आवरण चढ़ा देता है, जिसके नीचे हमारा वास्तविक अस्तित्व दबने लगता है। भीतर के सत्य को जानने का अर्थ यह नहीं कि मनुष्य स्वयं को दोषी मानता रहे। इसका अर्थ है अपने गुणों और दोषों, दोनों को समान ईमानदारी से स्वीकार करना। जो व्यक्ति अपनी कमजोरी को पहचान लेता है, वही उसे शक्ति में बदलने की दिशा में कदम बढ़ा सकता है। जो अपनी भूल स्वीकार नहीं करता, वह सीखने का अवसर भी खो देता है।

हम अपने परिवार की ओर देखें, तो पाएंगे कि अधिकांश रिश्तों में दूरियां किसी बड़ी घटना से नहीं, बल्कि अहंकार और असत्य से पैदा होती हैं। एक छोटा-सा 'मैं गलत था' कई टूटते संबंधों को फिर से जोड़ सकता है, लेकिन यह साहस उसी व्यक्ति में होता है, जिसने अपने भीतर के सत्य को पहचान लिया हो। सत्य मनुष्य को झुकना सिखाता है और जो झुकना जानता है, वही संबंधों

को बचा पाता है।

आज का समय तुलना का समय बन गया है। सोशल मीडिया पर दूसरों की सफलताएं देखकर हम स्वयं को कमतर समझने लगते हैं। हमें लगता है कि दूसरों का जीवन हमसे अधिक सुंदर, अधिक सफल और अधिक सुखी है। इस तुलना में हम अपने भीतर झांकना ही भूल जाते हैं। जबकि वास्तविक शांति इस बात में नहीं कि हमारे पास दूसरों से अधिक क्या है, बल्कि इस बात में है कि हम अपने जीवन से कितने संतुष्ट और ईमानदार हैं।

जीवन में अनेक बार असफलता भी मिलती है। परीक्षा में अपेक्षित अंक नहीं आते, व्यवसाय में हानि हो जाती है, नौकरी का अवसर छूट जाता है या कोई प्रिय व्यक्ति साथ छोड़ देता है। ऐसे समय में बाहरी संसार हमें कमजोर मान सकता है, लेकिन यदि हमारा अंतर्मन दृढ़ है, तो हम फिर उठ खड़े होते हैं। यही भीतर के सत्य की शक्ति है। वह हमें यह विश्वास दिलाती है कि हमारी पहचान किसी एक सफलता या असफलता से नहीं, बल्कि हमारे चरित्र से बनती है। बाहरी युद्ध जीतना सरल हो सकता है, पर अपने भीतर के संघर्ष को जीतना सबसे कठिन और सबसे महान साधना है।

साधारण जीवन में भी यह सत्य स्पष्ट दिखाई देता है। एक किसान जो पूरी निष्ठा से अपनी भूमि पर श्रम करता है, एक शिक्षक जो ईमानदारी से अपने विद्यार्थियों का भविष्य संवारता है, एक मां जो बिना किसी अपेक्षा के परिवार के लिए अपना जीवन समर्पित कर देती है, या एक कर्मचारी जो अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाता है, इनमें से किसी के पास शायद बड़ी प्रसिद्धि न हो, पर वे अपने कार्य के प्रति सच्चे हैं, तो वे जीवन के वास्तविक विजेता हैं। उनका आत्मसम्मान किसी पुरस्कार का मोहताज नहीं होता।

सत्य तक पहुंचने का मार्ग आत्मचिंतन से होकर जाता है। प्रतिदिन कुछ समय स्वयं के साथ बिताना, अपनी भूलों पर विचार करना, अपनी अच्छाइयों के लिए कृतज्ञ होना और स्वयं से यह पूछना कि 'क्या मैं वही हूं, जो मैं दुनिया को दिखाता हूं?' ये छोटे-छोटे प्रश्न हमारे जीवन की दिशा बदल सकते हैं। जब मनुष्य स्वयं से झूठ बोलना छोड़ देता है, तभी उसके भीतर वास्तविक परिवर्तन प्रारंभ होता है।

सच्चा सुख भी भीतर के सत्य से ही जन्म लेता है। बाहरी वस्तुएं केवल क्षणिक आनंद दे सकती हैं, लेकिन आत्मस्वीकृति स्थायी संतोष देती है। जिस दिन हम अपने वास्तविक स्वरूप को स्वीकार कर लेते हैं, उसी दिन दूसरों की प्रशंसा या आलोचना का प्रभाव भी कम होने लगता है। तब हमारा जीवन दूसरों की अपेक्षाओं से नहीं, बल्कि अपने मूल्यों से संचालित होता है।

जीवन की सबसे बड़ी जीत किसी मंच पर खड़े होकर तालियां प्राप्त करना नहीं, बल्कि रात को निश्चिंत होकर यह अनुभव करना है कि हमने स्वयं के साथ ईमानदारी निभाई है। यही ईमानदारी आत्मविश्वास बनती है, यही आत्मविश्वास चरित्र बनता है और यही चरित्र जीवन की सबसे मूल्यवान उपलब्धि बन जाता है।

इसलिए हमें अपने भीतर के सत्य को जानने का साहस करना चाहिए, क्योंकि जो व्यक्ति स्वयं को पहचान लेता है, वह परिस्थितियों का दास नहीं रहता, बल्कि अपने जीवन का सच्चा निर्माता बन जाता है। बाहरी सफलताएं समय के साथ धूमिल हो सकती हैं, लेकिन आत्मज्ञान का प्रकाश कभी नहीं बुझता। यही प्रकाश मनुष्य को सही दिशा देता है, संबंधों को मधुर बनाता है और जीवन को सार्थकता प्रदान करता है। वास्तव में, स्वयं को जान लेना ही मनुष्य की सबसे बड़ी और सबसे स्थायी विजय है।

छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों के लिए दोबारा खुलेगा पोर्टल, शासन ने जारी की पूरी समय-सारिणी

वंचित छात्रों को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति के भुगतान के लिए तय की गई समय-सीमा।

शामलीः उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति से वंचित रह गए छात्र-छात्राओं को एक बड़ा मौका दिया है। शासन ने ऐसे विद्यार्थियों के लिए दोबारा पोर्टल खोलने और उसकी पूरी समय-सारिणी जारी करने का फैसला किया है जो किसी वजह से इस लाभ से वंचित रह गए थे। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी शामली श्री सुधीर कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पिछड़ा वर्ग कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र के माध्यम से प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन का शासनादेश प्राप्त हुआ है। इस शासनादेश के तहत दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छूटे हुए छात्रों को भुगतान करने के लिए पोर्टल खोला जा रहा है। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के वे छात्र शामिल हैं जिनके आवेदन शिक्षण संस्थाओं द्वारा आगे नहीं बढ़ाए जा सके थे या फिर पी०एफ०एम०एस० से रिजेक्ट हो गए थे। मास्टर डेटा तैयार करने और फीस सत्यापन की समय-सीमावित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति से जुड़े सभी पाठ्यक्रमों को मास्टर डेटाबेस में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री सुधीर कुमार ने सभी संबंधित लोगों से इस कार्रवाई को समय पर पूरा करने का अनुरोध किया है। इसके लिए शासन द्वारा एक विस्तृत समय-सारिणी तय की गई है ताकि कोई भी पात्र छात्र इस योजना के लाभ से वंचित न रह जाए।पहले चरण में शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा तैयार किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश की पहले से शामिल संस्थाओं को पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, सीटों की संख्या, सक्षम स्तर से तय फीस और संबद्ध एजेंसी या विश्वविद्यालय का नाम जैसी जानकारियां अपडेट करनी होंगी। इन

सभी जानकारियों को अपडेट करने के बाद उन्हें अपने डिजिटल हस्ताक्षर से प्रमाणित करना होगा। इस काम के लिए 01 सितम्बर 2026 से लेकर 07 सितम्बर 2026 तक का समय तय किया गया है।इसके बाद विश्वविद्यालय या संबद्ध एजेंसी द्वारा फीस आदि का सत्यापन किया जाएगा। प्रदेश के भीतर संबंधित विश्वविद्यालय या एफिलियेटिंग एजेंसी के नोडल अधिकारी को शिक्षण संस्था, पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, सीटों की संख्या और फीस आदि दर्ज करके डिजिटल हस्ताक्षर से ऑनलाइन सत्यापित करना होगा। इसके लिए 02 सितम्बर 2026 से 08 सितम्बर 2026 तक की अवधि निर्धारित की गई है।इसी तरह जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा भी फीस आदि का सत्यापन किया जाएगा। प्रदेश के भीतर जिला समाज कल्याण अधिकारी को शिक्षण संस्था, पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, सीटों की संख्या और फीस आदि दर्ज करके उसकी सत्यता को अपने डिजिटल हस्ताक्षर से ऑनलाइन सत्यापित करना होगा। इसके लिए 03 सितम्बर 2026 से 09 सितम्बर 2026 तक का समय दिया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय या एफिलियेटिंग एजेंसी द्वारा रिजल्ट को अपडेट करने का काम भी किया जाएगा, जिसके लिए 03 सितम्बर 2026 से 10 सितम्बर 2026 तक की तारीख तय की गई है। एनआईसी द्वारा स्क्रूटनी और त्रुटियों को सुधारने की प्रक्रिया अगले चरण में एन०आई०सी० द्वारा स्क्रूटनी की जाएगी। पी०एफ०एम०एस० सॉफ्टवेयर से सत्यापन होने के बाद जो डाटा प्राप्त होगा, उसका एन०आई०सी० द्वारा तय किए गए अलग-अलग बिंदुओं पर परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद शुद्ध पाए गए डाटा को फैसले के लिए जिले के लॉगिन पर भेजा जाएगा। वहीं जिन छात्रों के आवेदनों में गलतियां या त्रुटियां पाई जाएंगी, उनके डाटा को सुधार के लिए संबंधित शिक्षण संस्थान के लॉगिन पर उपलब्ध कराया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया 11 सितम्बर 2026 से 15 सितम्बर 2026 तक पूरी की जानी है। इसके बाद छात्रों द्वारा किए गए ऑनलाइन आवेदनों की त्रुटियों को शिक्षण संस्थान के स्तर से ठीक किया जाएगा। छात्रों द्वारा किए गए ऑनलाइन आवेदनों में जो भी गलतियां होंगी, उन्हें संबंधित शिक्षण संस्थान द्वारा ठीक किया जाएगा। इस काम के लिए 16 सितम्बर 2026 से 18 सितम्बर 2026 तक का समय दिया गया है।

शामली में संपूर्ण समाधान दिवसः डीएम आलोक यादव ने सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निपटारे के निर्देश

शामली की तीन तहसीलों में आयोजित हुआ समाधान दिवस, मौके पर निपटाई गईं कई शिकायतें

शामलीः उत्तर प्रदेश सरकार के बेहद महत्वपूर्ण कार्यक्रम संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन 05 सितंबर 2026 को शामली जिले की अलग-अलग तहसीलों में किया गया। इस मौके पर जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने खुद मौके पर मौजूद रहकर आम लोगों की फरियाद सुनी। जिले के कैराना तहसील सभागार में आयोजित मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता खुद शामली के जिलाधिकारी आलोक यादव ने की। जिलाधिकारी ने वहां आए लोगों की समस्याओं को बहुत ध्यान से सुना और मौके पर मौजूद अलग-अलग विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन शिकायतों का निपटारा पूरी गुणवत्ता के साथ और तय समय के भीतर करें। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोगों की समस्याओं को सुलझाने में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कैराना तहसील में जिलाधिकारी ने सुनीं समस्याएंकैराना तहसील के सभागार में आयोजित इस समाधान दिवस में जिलाधिकारी आलोक यादव ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी खुद मौके पर जाएं, वहां जाकर मामले की जांच करें और फिर उसका सही तरीके से समाधान निकालें। इस दौरान कैराना तहसील में कुल 31 शिकायतें लोगों की तरफ से दर्ज कराई गईं। इन 31 शिकायतों में से केवल 04 शिकायतों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। बाकी बची हुई शिकायतों को

समय पर सुलझाने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया और उन्हें सख्त निर्देश दिए गए।इसी कार्यक्रम में शामली के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने पुलिस विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस से जुड़े जितने भी मामले सामने आते हैं, उनका निपटारा सबसे पहले और प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस मौके पर कैराना के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शिवाजी यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. तृतीय कुमार सक्सेना और कैराना के तहसीलदार सहित जिले के सभी संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।शामली तहसील में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सुनवाई कैराना के अलावा शामली तहसील में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता शामली के मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल ने की। उन्होंने भी तहसील में आए फरियादियों की एक-एक बात को ध्यान से सुना और उनके समाधान के लिए वहां मौजूद अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। शामली तहसील में आज कुल 49 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से मौके पर ही 04 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया। बाकी बची हुई शिकायतों को जल्द से जल्द दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान शामली के एसडीएम सचिन राजपूत, शामली के तहसीलदार और अन्य विभागों के अधिकारी भी वहां उपस्थित रहे। इसी कड़ी में शामली जिले की ऊन तहसील में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

शामली में शिक्षक सम्मान समारोहः एमएलसी मोहित बेनीवाल ने उत्कृष्ट शिक्षकों को किया सम्मानित, कहा- शिक्षक का सम्मान ही राष्ट्र का सम्मान

शामली के विकास भवन में बेसिक शिक्षा विभाग ने आयोजित किया कार्यक्रम, सीएम योगी के कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण।

शामलीः जनपद के विकास भवन सभागार में शिक्षक दिवस के मौके पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से आयोजित इस "शिक्षक सम्मान समारोह" में जिले के बेहतरीन और समर्पित शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस खास मौके पर विधान परिषद सदस्य और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहित बेनीवाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के योगदान को याद किया गया और उन्हें प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गोरखपुर से लाइव प्रसारण और सम्मान समारोहशामली के विकास भवन सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में तकनीक का भी सुंदर तालमेल देखने को मिला। समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर में आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। सभागार में मौजूद सभी लोगों ने इस लाइव प्रसारण को बेहद ध्यान से देखा।

इसके तुरंत बाद शामली जिले के उन शिक्षकों को मंच पर बुलाया गया जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन काम किया है। इन उत्कृष्ट, समर्पित और प्रतिभाशाली शिक्षकों को उनके शानदार योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल ने सम्मानित होने वाले सभी शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका पर बात करते हुए कहा कि शिक्षक समाज और देश को बनाने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। मोहित बेनीवाल ने अपने संबोधन में कहा, "शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण की सबसे

महत्वपूर्ण कड़ी हैं। एक शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि उनके चरित्र, संस्कार और भविष्य का निर्माण भी करता है। शिक्षक का सम्मान वास्तव में राष्ट्र के भविष्य और राष्ट्र निर्माण का सम्मान है।"शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने का प्रयास

अपने भाषण को आगे बढ़ाते हुए विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल ने सरकार के प्रयासों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है। सरकार का पूरा जोर इस बात पर है कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि शिक्षकों को सम्मान देना और उनके काम को सही पहचान दिलाना इस सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल है।शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने का संकल्प

इस सम्मान समारोह में केवल शिक्षक ही नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग के कई बड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। शिक्षक दिवस के इस पावन अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद सभी शिक्षकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने एक बड़ा संकल्प लिया। सभी ने मिलकर यह शपथ ली कि वे आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र को और ज्यादा मजबूत और असरदार बनाएंगे। कार्यक्रम के आखिरी हिस्से में मुख्य अतिथि मोहित बेनीवाल ने एक बार फिर से सम्मानित होने वाले सभी शिक्षकों को दिल से बधाई दी और उनके आने वाले उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

शामली में बुजुर्ग मां पर टूटा बेटे-बहू का कहर! सरिया और धारदार हथियार से हमला करने का आरोप, SP से लगाई गुहार

शामली। शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव लिलौन निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे और बहू पर गाली-गलौज, मारपीट तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता पाली देवी ने बताया कि उसका बेटा टीटू और उसकी पत्नी ममता आए दिन छोटी-छोटी बातों को लेकर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। आरोप है कि परिवार के लोगों ने कई बार दोनों को समझाया, लेकिन उनके व्यवहार में सुधार नहीं हुआ।आपको बता दें 4 सितंबर की सुबह करीब 9:30 बजे पाली देवी अपने बेटे अर्जुन के साथ घर की दीवार निकाल रही थी। इसी दौरान टीटू और उसकी पत्नी ममता ने कथित रूप से गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने घर से सरिया और धारदार हथियार लाकर मारपीट शुरू कर

दी। पीड़िता का आरोप है कि बीच-बचाव करने के दौरान टीटू ने सरिया उसके सिर में मार दिया और धारदार नुकीली वस्तु से चेहरे पर वार किया, जिससे उसके होंठ पर चोट लगी। वहीं, ममता पर ईंट से मारने तथा शरीर के अन्य हिस्सों पर डंडे से चोट पहुंचाने का आरोप लगाया है। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बीच-बचाव कराया।पाली देवी ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।

थानाभवन में धूमधाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व,जय कन्हैया लाल के उदघोष के साथ नगर वासियों ने किए धार्मिक झांकियो के दर्शन

थानाभवन। थानाभवन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े धूम धाम व शालीनता के साथ मनाया गया। भक्तिमय माहौल के बीच धर्म प्रेमियों ने मंदिरों में सजी झांकीयों के दर्शन किए।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर सुबह से ही नगर के मंदिरो में चहल पहल शुरू हो गई, मंदिरों से जुड़े कार्यकताओं ने मंदिरों को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया व भगवान श्री कृष्ण सहित अन्य धार्मिक झांकियां लगायी।इस अवसर पर सर्वाधिक शानदार कार्यक्रम का आयोजन मराठा कालीन मंदिर जस्सूवाला मंदिर में हुआ।मंदिर समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी संजय गर्ग की देखरेख एवं पंडित अमित शर्मा के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में मंदिर परिसर को भव्य रूप से लाइट डेकोरेशन से सजाया गया व गणेश जी ,भोले नाथ ,मां दुर्गा ,लवकुश, अशोक वाटिका ,कृष्ण सुदामा, कैलाश पर्वत पर विराजमान भगवान शिव ,हनुमान जी का भैरो नाथ के साथ युद्ध आदि झांकियों का सुंदर चरित्र चित्रण किया गया।यहां पर अन्य मंदिरों की अपेक्षा सर्वाधिक संख्या में लोगों ने झांकियों के दर्शन किए।

मंदिर समिति की ओर से धार्मिक पात्रों का चरित्र चित्रण करने वाले

कलाकारों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में सुशील गर्ग,यशपाल प्रजापत ईश्वर दयाल दीवान जी, जनेश्वर सैनी,रवि कुमार,सोनू काला ,प्रदीप,ऋषि सैनी, कंवर पाल,विकास आदि का सराहनीय सहयोग रहा। शिव मंदिर राजो की मोरी में भगवान शिव, काली माता रक्तबीज, साधुवेश में भजन करता कालनेमी, रावण के दरबार में अंगद, बाल स्वरूप कृष्ण जी के भगवान शंकर द्वारा दर्शन आदि झांकियों का प्रदर्शन किया गया। कलियों वाले मंदिर में लक्ष्मण मेघनाथ युद्ध, आदि झांकिया आकर्षण का केंद्र रही।

नगर के अन्य मंदिरों आश्रम पंचतीर्थ ,बाला जी धाम, मंदिर ठाकुर द्वारा ,शुगर मिल स्थित मंदिर, हनुमान मंदिर पुलिस चौकी मोहल्ला मुजावरान स्थित शिव मंदिर, नवीपुरा स्थित रविदास मंदिर, जाहरवीर गोगा जी महाडी, मंदिर कचौरी नाथ ,अग्रवाल कालोनी स्थित दुर्गा मंदिर, रामपुरम कालोनी स्थित हनुमान मंदिर, राजो की मोरी में विश्वकर्मा मंदिर,

मोहल्ला कम्बोयान स्थित शिव मंदिर एवं विश्वकर्मा मंदिर मोहल्ला खेल स्थित सांब सदाशिव मंदिर,उमापति महादेव मंदिर आदि में साज सजावट के साथ धार्मिक झांकियां लगायी गयी।मोहल्ला खेल स्थित हरिहर धाम व थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में झाकियों के साथ भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया।नगर के चौक बाजार में मटकी फोड़ने का सुंदर आयोजन किया गया।पूर्व केबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कार्यकताओं के साथ जाकर मंदिरों में लगी झाकियों के दर्शन किए।नगर पंचायत की ओर से सभी मंदिर मार्गों पर सफाई के साथ साथ कली चूना डलवाया गया।

रंग संसार

अयोध्या के राम में प्रभु राम बनेंगे रवि किशन, 19 अक्टूबर को दिल्ली में होगा भव्य मंचन

अयोध्या। भोजपुरी और बॉलीवुड फिल्मों के सुपरस्टार और गोरखपुर के सांसद रवि किशन अब मंच पर प्रभु श्रीराम के रूप में नजर आएंगे। अयोध्या की रामलीला के बाद रवि किशन अयोध्या के राम में भगवान राम की भूमिका निभाते हुए संपूर्ण रामायण को जीवंत करेंगे। निमार्ता-निर्देशक और अयोध्या की रामलीला के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) की चार वर्ष की तैयारी के बाद यह भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति 19 अक्टूबर को नई दिल्ली में दर्शकों के सामने होगी।अयोध्या के राम तीन घंटे की संपूर्ण रामायण होगी, जिसमें राम के रूप में रवि किशन के साथ रावण की भूमिका में अरुण बक्शी, मेघनाद के रूप में अवतार गिल और कुंभकरण की भूमिका में रजा मुराद नजर आएंगे। आयोजकों के मुताबिक, प्रस्तुति में बॉलीवुड के कई अन्य कलाकार भी शामिल होंगे। इसका मंचन 19 अक्टूबर को शाम छह बजे से रात नौ बजे तक मावलांकर हॉल, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, रफी मार्ग, नई दिल्ली में किया जाएगा। सुभाष मलिक (बॉबी) ने कहा कि अयोध्या के राम उनके सपनों की प्रभु राम की लीला है।उन्होंने कहा कि अयोध्या में रहने के दौरान उन्होंने प्रभु राम और बजरंग बली की अनुभूति की और वहीं से इस प्रस्तुति की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि अयोध्या की पवित्र भूमि और साधु-संतों के आशीर्वाद से तैयार यह प्रस्तुति राम भक्तों को जरूर पसंद आएगी। उन्होंने कहा कि ह्यअयोध्या के राम को बेहद सुंदर और भव्य तरीके से तैयार किया गया है। यह अयोध्या की रामलीला से भी जुड़ी प्रस्तुति है और उनका लक्ष्य इसे देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ दुनिया के अलग-अलग स्थानों तक ले जाना है, ताकि अधिक से अधिक लोग भगवान श्रीराम की कथा और भारतीय संस्कृति से जुड़ सकें।

राज काज

एआई बूम से 2025 में वैश्विक स्तर पर अरबपतियों की संपत्ति रिकॉर्ड 15 ट्रिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में आई तेजी और टेक्नोलॉजी शेयरों में मजबूत बढ़त है, जिससे अरबपतियों की संख्या के साथ-साथ उनकी संपत्ति में भी तेज वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी वेल्थ इंटेलिजेंस फर्म अल्ट्राटा की एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या 2025 के दौरान 8.2 प्रतिशत बढ़कर 3,795 हो गई, जो पांच वर्षों में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है।इस दौरान उनकी कुल संपत्ति 12.8 प्रतिशत बढ़कर 15.1 ट्रिलियन डॉलर हो गई। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की संपत्ति पर टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े निवेशों के बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है। अल्ट्राटा ने कहा कि अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में एआई बूम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टेक्नोलॉजी शेयरों के मजबूत प्रदर्शन ने भी उनकी संपत्ति बढ़ाने में मदद की। हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि टेक्नोलॉजी और एआई सेक्टर में संपत्ति का बढ़ता केंद्रीकरण बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को बढ़ा सकता है।रिपोर्ट में 150 सूचीबद्ध कंपनियों की पहचान की गई, जिन्होंने अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पिछले पांच वर्षों में एआई में कम से कम 3 करोड़ डॉलर का निवेश करने वाली कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2024 से 2025 के बीच उन कंपनियों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जिन्होंने इस तरह का निवेश नहीं किया था। इस दौरान अल्ट्रा-रिच लोगों के बीच संपत्ति का केंद्रीकरण भी तेजी से बढ़ा है। अल्ट्राटा ने 50 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले 29 लोगों की पहचान की है और उन्हें सुपर अरबपति कहा है। इनकी कुल संपत्ति 4.1 ट्रिलियन डॉलर थी, जो दुनियाभर के अरबपतियों की कुल संपत्ति का करीब 27 प्रतिशत है। पिछले एक दशक में संपत्ति का यह केंद्रीकरण काफी बढ़ा है। 2017 में सिर्फ 10 लोगों के पास 50 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति थी और उनकी संयुक्त संपत्ति वैश्विक अरबपतियों की कुल संपत्ति का केवल 7.2 प्रतिशत थी। अल्ट्राटा में थॉट लीडरशिप और एनालिटिक्स की प्रमुख माया इम्बर्ग ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर अरबपतियों में से कई की संपत्ति पर भविष्य में एआई सेक्टर में होने वाले घटनाक्रम का प्रभाव और अधिक एक साथ देखने को मिल सकता है।

दैनिक राशिफल रविवार 06 सितम्बर 2026

मेष – सुख-आनंद कारक समय है। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

वृष – शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा।

मिथुन : नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी।

कर्क – आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

सिंह– प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें।

कन्या – आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

तुला – स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें।

वृश्चिक – आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

धनु – धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

मकर – अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा।

कुंभ – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मीन – ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढड़े में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

दैनिक पंचांग

6 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.34 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	08.45 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.00 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.16 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.21 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	17.07 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.40 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.11 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.51 बजे से
		मिथुन	23.49 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	कर्क	02.02 बजे से
		सिंह	04.18 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 249 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि दशमी 19.30 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 19.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 09.45 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.42 बजे तदनन्तर विष्टि 19.30 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 31'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872824
जूलियन दिन 2461289.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 23

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भाजपा नेता अमित राठी ने वंश कश्यप के परिवार को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी

मुजफ्फरनगर। मारपीट के डर से अपनी जान बचाने के लिए नहर में कूदे वंश कश्यप की मौत के बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद वंश के पैतृक गांव भोपा पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित राठी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए 50 हजार रुपये की नकद आर्थिक सहायता भी प्रदान की और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

मृतक के परिवार से मिलकर जाना हाल

अमित राठी वंश कश्यप के आवास पर पहुंचे और उनकी मां मौसम देवी तथा बहनों कोमल, प्रीति और वंशिका से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने परिवार से घटना की जानकारी ली और उनकी मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। वंश की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोगों से मुलाकात के दौरान अमित राठी ने उन्हें इस दुख की घड़ी में अकेला नहीं छोड़ने और हरसंभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया।

50 हजार रुपये की आर्थिक मदद

पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए भाजपा नेता अमित राठी ने मौके पर ही 50 हजार रुपये की नकद आर्थिक सहायता परिवार को दी। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता भले ही परिवार के दुख को कम नहीं कर सकती, लेकिन मुश्किल समय में परिवार को कुछ राहत जरूर मिल सकती है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में समाज और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहें और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करें।

पक्के मकान के लिए एसडीएम से फोन पर की वार्ता

परिवार की दयनीय स्थिति को देखकर अमित राठी ने मौके से ही एसडीएम जानसठ से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए पक्का मकान उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि परिवार की आवास संबंधी समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाना चाहिए, ताकि परिवार को भविष्य में रहने के लिए सुरक्षित और बेहतर स्थान मिल सके।

परिवार की बेटी को नौकरी दिलाने का भी उठाया मुद्दा

अमित राठी ने परिवार की एक बेटी को उसकी शैक्षिक योग्यता के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी एसडीएम से आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को केवल तत्काल आर्थिक सहायता देने के बजाय उसे भविष्य में अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए भी सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से परिवार की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पात्र सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाने की अपेक्षा जताई।

मारपीट के डर से नहर में कूदने की बात सामने आई

बताया गया कि वंश कश्यप कथित रूप से मारपीट के डर से अपनी जान बचाने के लिए नहर में कूद गया था। इसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना को लेकर पुलिस कार्रवाई भी सामने आई है और सात आरोपी जेल जा चुके हैं। वंश की मौत के बाद से परिवार घटना को लेकर सदमे में है। ग्रामीणों में भी घटना को लेकर चर्चा और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

हरसंभव मदद का दिया भरोसा

अमित राठी ने परिवार को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को सरकारी स्तर पर मिलने वाली सुविधाएं और सहायता दिलाने के लिए भी संबंधित अधिकारियों से बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा कि कठिन समय में किसी परिवार के साथ खड़ा होना केवल संवेदना व्यक्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जरूरत के समय वास्तविक सहयोग उपलब्ध कराना भी समाज और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। वंश कश्यप के घर पहुंचे अमित राठी ने परिवार की पीड़ा को साझा करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि वंश के परिवार को न्याय और सहायता दिलाने के लिए वह अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करते रहेंगे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

जानसठ। उत्तर प्रदेश शासन के निदेशों के क्रम में शनिवार को तहसील जानसठ में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने पहुंचकर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें लेकर पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को जिलाधिकारी और एसएसपी ने ध्यानपूर्वक सुना। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों को केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रखा जाए, बल्कि मौके पर जाकर शिकायतों की निष्पक्ष जांच की जाए और निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मौके पर जाकर शिकायतों के निस्तारण के निर्देश

जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े और प्रत्येक शिकायत का समाधान नियमानुसार एवं निष्पक्ष तरीके से किया जाए।वहीं, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस से संबंधित शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। महिला अपराध से संबंधित शिकायतों की जांच को प्राथमिकता के आधार पर करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

साइबर ठगी से बचाव को लेकर किया जागरूक

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित शिकायतकताओं के साथ-साथ अधिकारी एवं कर्मचारियों को साइबर अपराध और साइबर ठगी के प्रति जागरूक किया। उन्होंने लोगों को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले तरीकों से सतर्क रहने तथा किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड अथवा अन्य संवेदनशील जानकारी साझा न करने की सलाह दी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होती है तो वह बिना देरी किए संबंधित माध्यम से शिकायत दर्ज कराए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

शिक्षक दिवस पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया नमन

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिक्षक दिवस के अवसर पर भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति, महान दार्शनिक एवं प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई।इस अवसर पर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। अधिकारियों ने शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान, आदर्शों एवं विचारों को स्मरण करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

राधाकृष्ण मंदिर प्रकाश चौक में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

भव्य सजावट, आकर्षक झांकियों और भक्तिमय माहौल ने मोहा श्रद्धालुओं का मन, भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

मुजफ्फरनगर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर प्रकाश चौक स्थित राधाकृष्ण मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन श्रद्धा, आस्था और हर्षोल्लास के साथ किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों, रंग-बिरंगे गुब्बारों और मनमोहक सजावट से सजाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं तथा राधा-कृष्ण की सुंदर एवं मनमोहक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। कार्यक्रम का आयोजन पंडित गजानन्द तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण एवं राधारानी के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। जैसे-जैसे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का शुभ समय नजदीक आता गया, मंदिर परिसर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय होता चला गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय

मंदिर परिसर ह्यनंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्न के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया और एक-दूसरे को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

सपरिवार पहुंचे गौरव कुमार जैन, भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में समाजवादी पार्टी के नेता गौरव कुमार जैन भी सपरिवार राधाकृष्ण मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और मंदिर में आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर गौरव कुमार जैन ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण केवल आस्था के केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे कर्म, सत्य, न्याय, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाले महान आदर्श हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म को प्रधानता देते हुए मानव जीवन को सही दिशा देने का संदेश दिया है। आज आवश्यकता है कि हम भगवान श्रीकृष्ण के विचारों को अपने जीवन में उतारें तथा समाज में प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करें। सत्य और धर्म की विजय का संदेश देता है जन्माष्टमी पर्व मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं, बल्कि सत्य और धर्म की विजय का संदेश भी देता है। अन्याय और अधर्म चाहे कितना भी शक्तिशाली दिखाई दे, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और देश में एकता, भाईचारे एवं सद्भाव को मजबूत करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति संगीत, श्रीकृष्ण के भजनों और जयकारों से वातावरण कृष्णमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के दर्शन कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की। मंदिर की भव्य सजावट, आकर्षक झांकियों और आयोजन की व्यवस्थाओं की श्रद्धालुओं ने जमकर सराहना की। श्रद्धालुओं ने जन्माष्टमी के भव्य आयोजन के लिए पंडित गजानन्द तिवारी सहित सभी आयोजकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। श्रद्धालुओं का कहना था कि मंदिर में की गई सुंदर सजावट और धार्मिक कार्यक्रमों ने जन्माष्टमी के पर्व की भव्यता को और बढ़ा दिया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। सभी ने भगवान श्रीकृष्ण से सुख-शांति, समृद्धि, स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की तथा एक-दूसरे को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

ये लोग रहे प्रमुख रूप से मौजूद

जन्माष्टमी कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुंवर देवराज पंवार, रीता पंवार, चेतन सिद्धार्थ, संगीता चौधरी, आशीष जैन, मोहित जैन, भावना अग्रवाल जैन, आरजू जैन, मधुबाला निर्वाल, कार्तिके चौधरी, कृत्तिका सिंह, प्रगति, पूर्णिमा, मन मोहन सिंह, रमा सिंह, सदीप गुप्ता, तरुण गुप्ता, अभिषेक जैन, भावना जैन, शुभम जैन, स्वाति जैन, अश्वनी जैन, सिद्धि जैन, अखिल अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, रजनी जैन, काशवी जैन, निर्ग्रन्थ जैन, अरशी जैन, ऋषभ जैन, संभव जैन, अन्वित जैन, रिया जैन, टिया जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मौहल्ला सुभाषनगर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

मेरठ से आए कलाकारों की मनमोहक झांकियों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन, असली सांपों के साथ शिव तांडव बना आकर्षण का केंद्र

मुजफ्फरनगर। नगरपालिका परिषद के वार्ड 35 सुभाषनगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और देर रात तक धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। पूरे क्षेत्र में जन्माष्टमी को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मेरठ से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक झांकियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। विभिन्न धार्मिक प्रसंगों पर आधारित झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया। वहीं असली सांपों के साथ प्रस्तुत किए गए शिव तांडव ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया और यह कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। वार्ड 35 के सभासद अमित शर्मा ने बताया कि उनके द्वारा अपनी टीम के सहयोग से पिछले 10 वर्षों से लगातार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम

का सफल आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना तथा आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम के आयोजकों में मुख्य रूप से पंडित योगेश शर्मा, सभासद अमित शर्मा, गौरव शर्मा, राहुल त्यागी, राहुल शर्मा, दीपक शर्मा, संदीप शर्मा, रोहित राजपूत, प्रदीप बालियान, गुड्डू राजपूत और सुमित चौधरी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं गणमान्य लोगों के रूप में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं कोऑपरेटिव बैंक के डायरेक्टर हरेंद्र शर्मा, सभासद हिमांशु कौशिक, सभासद अमित पटपटिया, सभासद बॉबी सिंह तथा मनी पटपटिया समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजकों की ओर से मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए आयोजकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद रही और पूरा क्षेत्र राधे-राधे एवं जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंजता रहा।

शिक्षक दिवस पर एसएसपीएम स्कूल में अवधेश कौशिक सम्मानित

मुजफ्फरनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर मुजफ्फरनगर स्थित एसएसपीएम स्कूल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में अवधेश कौशिक को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में उनके व्यक्तित्व एवं सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को याद किया।

अवधेश कौशिक को सम्मानित किए जाने पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सम्मान प्राप्त करने के बाद अवधेश कौशिक ने विद्यालय परिवार एवं कार्यक्रम आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सम्मान व्यक्ति को समाज और देश के लिए और अधिक सकारात्मक कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, गणमान्य नागरिक एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहे। अवधेश कौशिक के सम्मानित होने पर उनके शुभचिंतकों में खुशी का माहौल रहा।

बुढ़ाना में शादी का झांसा देकर किशोरी से किया दुष्कर्म: निकाह से मुकरा, पीड़िता पुलिस लेकर आरोपी के घर पहुँची, किया हंगामा

पुलिस को देखते ही आरोपी फरार, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। कोतवाली बुढ़ाना क्षेत्र के एक गाँव में प्रेम-जाल में फंसाकर और शादी का झांसा देकर एक किशोरी का दो वर्षों तक शारीरिक शोषण करने का संगीन मामला सामने आया है। जब पीड़िता ने युवक पर निकाह करने का दबाव बनाया, तो आरोपी साफ मुकर गया। न्याय की गुहार लगाते हुए पीड़िता स्वयं आरोपी के घर पहुँच गई और जमकर हंगामा किया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

दो साल तक शादी का आश्वासन देकर करता रहा शोषण

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित किशोरी का आरोप है कि गाँव के ही एक युवक ने उसे अपने प्रेम-जाल में फंसाया था। आरोपी युवक ने उससे शादी करने का झूठा वादा किया और पिछले दो सालों से लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। बीती 31 अगस्त को भी आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। किशोरी जब भी उससे निकाह करने की बात कहती, वह हर बार आश्वासन देकर टालमटोल कर देता था।

निकाह से इनकार पर आरोपी के घर पहुँची पीड़िता

जब पीड़िता ने उस पर तुरंत निकाह

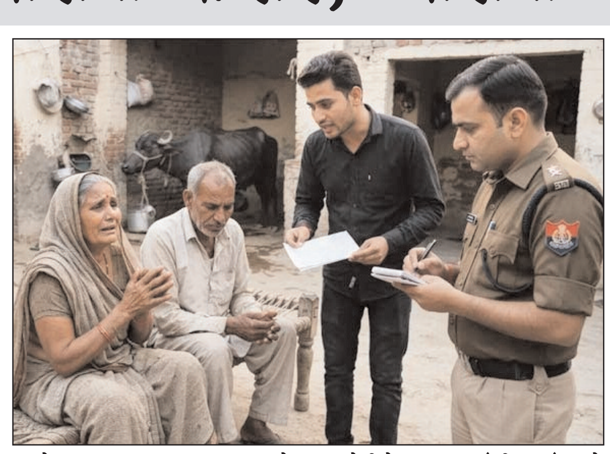

करने का सख्त दबाव बनाया, तो आरोपी ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। खुद को ठगा सा महसूस कर शनिवार को पीड़िता सीधे आरोपी के घर जा पहुँची। वहाँ उसने युवक और उसके परिजनों के सामने निकाह करने की जिद रखी और हंगामा किया। आरोप है कि शादी की बात सुनते ही आरोपी और उसके परिजनों ने किशोरी के साथ अभद्रता और गाली-गलौज शुरू कर दी।

पुलिस की गाड़ी देखते ही फरार हुआ आरोपी

परिजनों की अभद्रता से तंग आकर किशोरी ने तुरंत अपने फोन से यूपी 112 पुलिस को कॉल कर दिया। गाँव में पुलिस की गाड़ी पहुंचते ही आरोपी युवक मौका पाकर घर के पिछले दरवाजे से फरार हो गया। मौके पर पहुँची पुलिस पीड़िता को सुरक्षित थाने ले आई और उसकी पूरी आपबीती सुनी।

पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) समेत संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

आरोपी की तलाश में दबिश जारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली प्रभारी (इंस्पेक्टर) सुभाष अत्री ने बताया कि महिला और बाल अपराधों के प्रति पुलिस शून्य सहनशीलता Zero Tolerance) की नीति पर काम कर रही है। पीड़ित किशोरी का डॉक्टरी परीक्षण (मेडिकल परीक्षण) कराया जा रहा है। आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित कर दी गई है और उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

जीडी गोयनका में शिक्षक दिवस की धूम: शिक्षकों के सम्मान में छात्रों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

केक कटिंग और मनोरंजक खेल गतिविधियों से यादगार बना समारोह

मुजफ्फरनगर। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर एक भव्य एवं भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह विशेष समारोह शिक्षकों के निस्वार्थ समर्पण, मार्गदर्शन और समाज निर्माण में उनके अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान व कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित हुआ। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रांगण उत्साह, आत्मीयता और सम्मान के माहौल से सराबोर नजर आया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों और स्कूल बैंड की शानदार प्रस्तुति

समारोह का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा अपने गुरुओं के सम्मान में प्रस्तुत किए गए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुआ। छात्र-छात्राओं ने सुमधुर गीत, आकर्षक नृत्य और नाटक के माध्यम से शिक्षकों के प्रति अपनी श्रद्धा और आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा दी गई संगीतमय 'बैंड परफॉर्मेंस' रही। बैंड की लयबद्ध और ऊजार्वान धुन ने सभागार में मौजूद सभी शिक्षकों एवं अतिथियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। शिक्षकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से विद्यार्थियों की इस प्रतिभा और समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

शिक्षकों के लिए मनोरंजक खेल और केक कटिंग

शिक्षकों के मनोरंजन और आपसी

सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय प्रबंधन की ओर से विशेष मनोरंजक खेल व रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। दैनिक शिक्षण कार्य से इतर, सभी शिक्षकों ने पूरी खेल भावना और उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया। खेल प्रतियोगिताओं के उपरांत विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने मिलकर केक काटा और एक-दूसरे को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ दीं। प्रबंधकीय नेतृत्व ने सराहा शिक्षकों का योगदान

इस गरिमामयी अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक महोदय, प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा एवं उप-प्रधानाचार्या श्रीमती अंजलि आनंद की विशेष उपस्थिति रही। शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र और सर्वांगीण विकास की नींव रखते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने शिक्षकों के निरंतर परिश्रम, निष्ठा और समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यादगार स्मृतियों के साथ संपन्न हुआ समारोह

शिक्षक दिवस का यह आयोजन जी० डी० गोयनका परिवार के लिए अत्यंत सुखद और यादगार रहा। विद्यार्थियों का गुरुजनों के प्रति आदरभाव और शिक्षकों की सहज सहभागिता ने इस दिन को विशेष बना दिया। अंत में सभी शिक्षकों ने इस भव्य आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद व्यक्त किया।

सरकारी बाग से लाखों के शीशम के पेड़ कटवाकर बेचने का आरोप, डीएम से शिकायत

काशीराम कॉलोनी के पीछे सरकारी बाग से दो शीशम के पेड़ चोरी से काटे जाने का दावा, शिकायतकर्ता ने 3 से 4 लाख रुपये कीमत बताई

मुजफ्फरनगर। शहर की काशीराम कॉलोनी के पीछे स्थित सरकारी बाग से कथित रूप से दो शीशम के पेड़ चोरी से काटकर बेच दिए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर एक व्यक्ति ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने दोनों पेड़ों की कीमत करीब 3 से 4 लाख रुपये बताते हुए उनसे रकम की वसूली की मांग भी की है। जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र के अनुसार, 4 सितंबर 2026 की सुबह करीब 5:30 बजे शिकायतकर्ता शौच के लिए काशीराम कॉलोनी के पीछे स्थित सरकारी बाग की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसकी नजर सरकारी बाग में मौजूद कुछ लोगों पर पड़ी।

दो शीशम के पेड़ जड़ से काटने का आरोप

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि दिनेश मोहल्ला काशीराम कॉलोनी, मुजफ्फरनगर तथा नरेंद्र निवासी काशीराम कॉलोनी ने सरकारी बाग में खड़े दो शीशम के पेड़ चोरी से कटवाकर बेच दिए। शिकायती पत्र में दोनों पेड़ों की कीमत करीब 3 से 4 लाख रुपये बताई गई है। शिकायतकर्ता के मुताबिक पेड़ों की मोटाई लगभग 3 से 4 फीट थी। आरोप है कि दोनों पेड़ों को बिना किसी अनुमति के जड़ से काट दिया गया और बाद में चोरी से बेच दिया गया।

बिना अनुमति पेड़ काटने का लगाया आरोप

शिकायतकर्ता का कहना है कि उक्त दोनों व्यक्तियों के पास सरकारी बाग में खड़े पेड़ों को काटने अथवा उन्हें बेचने की कोई कानूनी अनुमति या अधिकार नहीं था। आरोप लगाया गया कि पेड़ों को सुबह करीब 5:30 बजे अंधेरे में कटवाया गया, ताकि किसी को घटना की जानकारी न हो सके।

शिकायतकर्ता ने अपने पत्र में दावा किया है कि उसने दोनों आरोपियों को पेड़ कटवाते हुए मौके पर देखा था। इसके बाद उसने मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का निर्णय लिया।

डीएम से मुकदमा दर्ज कराने और रकम वसूलने की मांग

मामले को लेकर शिकायतकर्ता लाला पुत्र गूगन निवासी काशीराम कॉलोनी, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर ने 5 सितंबर 2026 को जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि थाना कोतवाली नगर पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएं। साथ ही सरकारी पेड़ों को काटकर बेचने से हुई कथित आर्थिक क्षति की रकम आरोपियों से वसूल कर सरकारी नुकसान की भरपाई कराई जाए।

शिकायतकर्ता ने जान-माल की सुरक्षा की भी लगाई गुहार

शिकायतकर्ता ने शिकायती पत्र में यह भी कहा है कि मामले की शिकायत करने के बाद उसे आरोपियों से खतरा हो सकता है। इसलिए उसने अपनी जान-माल की सुरक्षा कराए जाने की मांग भी जिलाधिकारी से की है। फिलहाल यह मामला शिकायत के स्तर पर है। लगाए गए आरोपों की वास्तविकता पुलिस एवं संबंधित विभाग की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। यदि जांच में सरकारी पेड़ों को बिना अनुमति काटकर बेचने की पुष्टि होती है तो संबंधित आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

बुढ़ाना कोतवाली के सामने देर रात धू-धू कर जला ई-रिक्शा, मची अफरा-तफरी

देर रात अचानक भड़की आग ने कुछ ही देर में पूरे ई-रिक्शा को लिया चपेट में, बैटरियां समेत सामान जलकर खाक

बुढ़ाना। बुढ़ाना कोतवाली के सामने शुक्रवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक ई-रिक्शा में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा ई-रिक्शा आग की लपटों में घिर गया। ई-रिक्शा में लगी बैटरियां और अन्य सामान भी आग की चपेट में आकर जल गए। घटना में ई-रिक्शा मालिक को हजारों रुपये का नुकसान होने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात करीब 11:30 बजे बुढ़ाना कोतवाली के सामने कोतवाली रोड स्थित एक दुकान के बाहर खड़े ई-रिक्शा में अचानक आग भड़क उठी। बताया गया कि ई-रिक्शा अजय पुत्र सतपाल निवासी कोतवाली रोड, बुढ़ाना का है। ई-रिक्शा को उनके घर की दुकान में खड़ा किया गया था।

अचानक उठने लगीं आग की लपटें

बताया गया कि ई-रिक्शा खड़ा हुआ था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। कुछ ही पलों में आग तेजी से फैल गई और ई-रिक्शा का बड़ा हिस्सा आग की चपेट में आ गया। आग की ऊंची लपटें और धुआं उठता देखकर आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आग लगने की शुरूआती वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

लोगों ने पुलिस को दी सूचना

ई-रिक्शा में आग लगी देखकर आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल बुढ़ाना पुलिस को सूचना दी। कोतवाली के सामने ही घटना होने के कारण पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी अग्निशमन वाहन के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग तेजी से फैल रही थी, जिसके चलते दमकल कर्मियों को आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

बैटरियां और अन्य सामान जलकर खाक

दमकल कर्मियों के प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक ई-रिक्शा में लगी बैटरियां समेत अन्य सामान जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। आग से ई-रिक्शा को काफी नुकसान पहुंचा है।

समय रहते आग पर पाया काबू, बड़ा हादसा टला

घटना के दौरान आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। गनीमत रही कि दमकल कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे आग आसपास की दुकानों, मकान या अन्य संपत्ति तक नहीं पहुंच सकी। समय रहते आग बुझाए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। ई-रिक्शा मालिक अजय को इस घटना में हजारों रुपये का नुकसान होने की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

वंश कश्यप के परिवार से मिलीं मीरापुर विधायक की सुपुत्री सुप्रिया पाल, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

परिजनों को ढांढस बंधाते हुए बोलीं सुप्रिया पाल—सोमवार को जिलाधिकारी से मिलवाकर परिवार की समस्याओं का समाधान कराने का होगा प्रयास, दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग

मोरना। वंश कश्यप की मौत के बाद उनके परिवार से मिलने के लिए जनप्रतिनिधियों और सामाजिक लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में मीरापुर विधायक की सुपुत्री सुप्रिया पाल ने भोपा पहुंचकर मृतक वंश कश्यप के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने दुख की इस घड़ी में परिवार को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

परिजनों से मिलकर जाना हाल

सुप्रिया पाल ने वंश कश्यप के परिजनों से मुलाकात कर घटना के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने परिवार की पीड़ा सुनी और भरोसा दिलाया कि वह इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी हैं। उन्होंने परिजनों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को प्रशासन के सामने प्रमुखता से रखा जाएगा। वंश की मौत से परिवार में गम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार की स्थिति को देखते हुए सुप्रिया पाल ने उन्हें हर संभव सहयोग दिलाने का आश्वासन दिया।

सोमवार को जिलाधिकारी से मिलवाने का आश्वासन

सुप्रिया पाल ने परिजनों को बताया कि सोमवार को जिलाधिकारी से परिवार की मुलाकात कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के समक्ष परिवार की समस्याओं को रखा जाएगा और शासन-प्रशासन के स्तर से जो भी संभव सहायता हो सकती है, उसे दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि परिवार को सरकारी योजनाओं का लाभ और जरूरत के मुताबिक अन्य सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी संबंधित अधिकारियों से बातचीत की जाएगी।

दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का भरोसा

परिजनों ने घटना को लेकर अपनी पीड़ा और चिंता व्यक्त की। इस पर सुप्रिया पाल ने भरोसा दिलाया कि मामले में जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की दिशा में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

परिवार के साथ खड़े रहने का दिया संदेश

सुप्रिया पाल ने कहा कि किसी परिवार के सदस्य को खोने का दुख बेहद कठिन होता है। ऐसे समय में पीड़ित परिवार को अकेला महसूस नहीं होने देना समाज और जिम्मेदार लोगों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वंश कश्यप के परिवार की हरसंभव मदद के लिए वह आगे भी प्रयास करती रहेंगी। मुलाकात के दौरान परिवारजनों ने भी अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। सुप्रिया पाल ने सभी बातों को गंभीरता से सुना और प्रशासनिक अधिकारियों तक मामला पहुंचाने का भरोसा दिलाया। परिजनों से मुलाकात के दौरान परीक्षित राठी, धीरहेड़ी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। परिवार को भरोसा दिलाया गया कि प्रशासन के स्तर पर सोमवार को उनकी समस्याओं को प्रमुखता से रखा जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी।

शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज में मना शिक्षक दिवस: डॉ. राधाकृष्णन को दी श्रद्धांजलि, उत्साह और सम्मान का माहौल

विद्यार्थियों के जीवन में गुरु के मार्गदर्शन का बताया महत्व

शाहपुर (मुजफ्फरनगर)। शाहपुर स्थित कन्या इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस का पर्व बड़े ही उत्साह, श्रद्धा और सम्मानजनक माहौल में मनाया गया। इस दौरान पूरे विद्यालय प्रांगण में उत्सव और गुरु-शिष्य परंपरा का सुंदर समागम देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान देश के महान शिक्षाविद्, पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर उन्हें याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ. राधाकृष्णन के योगदान को किया याद

समारोह की शुरूआत में विद्यालय की समस्त अध्यापिकाओं ने एक-एक कर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने डॉ. राधाकृष्णन के शिक्षा जगत में दिए गए अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया। शिक्षिकाओं ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन और उनकी विद्वत्ता संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों का मार्गदर्शन अमूल्य कार्यक्रम के दौरान समाज और विद्यार्थियों के जीवन में गुरुओं के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि एक सच्चा शिक्षक न केवल किताबी ज्ञान देता है, बल्कि विद्यार्थी के व्यक्तित्व को गढ़कर उसे देश का जिम्मेदार नागरिक बनाता है। जीवन के हर मोड़ पर शिक्षक का सही मार्गदर्शन ही सफलता की नींव रखता है। समारोह के दौरान छात्राओं ने भी अपने गुरुओं के प्रति आदर व सम्मान व्यक्त किया, जिससे पूरा विद्यालय परिसर गुरु-शिष्य के आत्मीय संबंध से गुंजायमान हो उठा।

मुजफ्फरनगर:राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान, शिक्षक दिवस पर बोली नपा अध्यक्षमीनाक्षी स्वरूप

नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज में दी गई डॉ. राधाकृष्णन को दी गई पुष्पांजलि

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज में शनिवार को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष एवं कॉलेज प्रबंधक मीनाक्षी स्वरूप ने विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमित्रा सिंह और शिक्षिकाओं के साथ डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात, पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

चरित्र और भविष्य निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम या किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे उनके व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षक समाज को सही दिशा देने और राष्ट्र के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाते हैं। एक योग्य शिक्षक ही विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है।

बालिका शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन को शिक्षा के प्रति समर्पण और शिक्षकों के सम्मान का प्रतीक बताते हुए मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि उनके विचार आज भी संपूर्ण शिक्षा जगत के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बदलते समय के साथ शिक्षा के नए तौर-तरीकों और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाएं ताकि छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके।

उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि बालिकाओं की शिक्षा समाज और देश के समग्र विकास की आधारशिला है। विद्यालय की छात्राओं को केवल किताबी शिक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाना भी उतना ही आवश्यक है। अंत में, उन्होंने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

रात के अंधेरे में घर की छत पर कूदे तीन युवक, भांजी ने शोर मचाया तो भागे

गाजियाबाद भंडारे में गया था मकान मालिक, घर में अकेली थी भांजी, पहचान होने पर युवकों ने दी जान से मारने की धमकी, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। थाना चरथावल क्षेत्र के ग्राम कसियारा में देर रात एक घर में तीन अज्ञात युवकों के छत के रास्ते घुसने का मामला सामने आया है। घटना के समय मकान मालिक बाहर गया हुआ था और घर में उसकी भांजी अकेली थी। रात में आहट होने पर भांजी की आंख खुल गई। उसने मोबाइल की रोशनी में युवकों को देखा और आवाज लगाई तो तीनों युवक छत से कूदकर फरार हो गए। बाद में पहचान होने पर जब उनसे घटना के बारे में पूछा गया तो युवकों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पत्नी बनारस और मकान मालिक भंडारे में गया था गाजियाबाद

ग्राम कसियारा निवासी महिपाल ने थाना चरथावल पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रात उसकी पत्नी बनारस गई हुई थी, जबकि वह स्वयं एक भंडारे में शामिल होने के लिए गाजियाबाद गया हुआ था। उस समय उसकी भांजी निवासी ग्राम दाबकी गुर्जर, जिला सहारनपुर उसके घर में अकेली थी।

रात करीब एक बजे छत से कूदे युवक

तहरीर के मुताबिक 2-3 अज्ञात युवक उसके घर पर आए। आहट होने पर घर में अकेली भांजी की नींद खुल गई। उसने अपने मोबाइल की लाइट जलाकर देखा तो कुछ युवक मौजूद थे। भांजी ने आवाज लगाते हुए पूछा कि कौन है। आरोप है कि आवाज सुनते ही युवक घर की छत से कूदकर भाग गए। मोबाइल की रोशनी में भांजी ने उन युवकों को देख लिया था। शालू ने बाद में अपने मामा को पूरी घटना बताई और कहा कि वह उन युवकों को सामने आने पर पहचान सकती है।

पहचान में गांव के ही तीन युवकों के नाम सामने आए

महिपाल के मुताबिक, इसके बाद उसने भांजी से अज्ञात युवकों की पहचान कराई। तहरीर में दावा किया गया है कि पहचान के बाद तीनों की पहचान नीरज पुत्र सुशील, मनिक पुत्र जनेश्वर और अजय पुत्र भोपाल, निवासी ग्राम कसियारा के रूप में हुई।महिपाल का कहना है कि जब वह इन युवकों के घर पहुंचा और उनके परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी तो आरोप है कि तीनों युवकों ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

धमकी मिलने के बाद थाने पहुंचा पीड़ित

घटना और कथित धमकी के बाद महिपाल ने 4 सितंबर 2026 को थाना चरथावल पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी। उसने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की। तहरीर पर थाना प्रभारी की ओर से भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(2) और 351(3) के तहत अभियोग पंजीकृत करने के आदेश दिए गए।

तीन नामजद युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने तहरीर के आधार पर नीरज, मनिक और अजय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना के संबंध में पीड़ित पक्ष के बयान, युवकों की पहचान और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

मुझेडा में भाकियू तोमर की पंचायत में गूंजा किसानों का मुद्दा, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर बोले—किसान हित में काम करे भाजपा सरकार, गन्ने का भाव बढ़ाने के साथ महंगाई और भ्रष्टाचार पर लगे लगाम

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) की ओर से गांव मुझेडा में किसान जागरूकता अभियान के तहत पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत आशु के आवास पर हुई, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने किसानों की समस्याएं सुनीं। पंचायत में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

पंचायत की अध्यक्षता दीपक तोमर ने की, जबकि संचालन शिराजूदीन ने किया। पंचायत के दौरान किसानों ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर नाराजगी जताई। किसानों का कहना था कि चुनाव से पहले किसानों से किए गए कई वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं।

गन्ने के दाम बढ़ाने की उठी मांग

पंचायत में गन्ने के भाव को लेकर किसानों में खासा रोष देखने को मिला। किसानों ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में किसान गन्ने की खेती पर निर्भर हैं, लेकिन उनकी लागत लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद गन्ने के दाम में अपेक्षित वृद्धि नहीं की जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर ने कहा कि चीनी के दाम में करीब 25 रुपये की बढ़ोतरी की गई है, जबकि किसानों के अनुसार पिछले करीब 15 वर्षों में गन्ने के भाव में लगभग 30 रुपये की ही बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि यदि चीनी के दाम बढ़ रहे हैं तो किसानों को भी उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए। किसान हित में काम करना होगा चौधरी संजीव तोमर ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि भाजपा को आने वाले चुनाव में किसानों का समर्थन चाहिए तो उसे किसान हित में ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार पर भी प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसान अपनी फसल की लागत, उचित मूल्य और अन्य समस्याओं को लेकर लंबे समय से आवाज उठाता रहा है। सरकार को किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

किसानों ने सरकार से वादे पूरे करने की मांग की

पंचायत में किसानों ने कहा कि खेती में खाद, बीज, डीजल, बिजली और मजदूरी समेत विभिन्न खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में फसलों का लाभकारी मूल्य मिलना जरूरी है। किसानों ने सरकार से चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की मांग की।

आशु को मिली ग्राम अध्यक्ष की जिम्मेदारी

पंचायत के दौरान संगठन को गांव स्तर पर मजबूत करने के लिए आशु को भारतीय किसान यूनियन (तोमर) का ग्राम अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संगठन पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी के साथ आशु किसानों की समस्याओं को संगठन के मंच पर मजबूती से उठाएंगे और गांव में संगठन को सक्रिय बनाने का काम करेंगे।

बड़ी संख्या में पदाधिकारी और किसान रहे मौजूद

पंचायत में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन त्यागी, युवा जिला अध्यक्ष सोनू चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष आशु चौधरी, हीरा बालियान, शिराजू, अजय त्यागी, दीपक तोमर, शानू, अफजाल, जग्गम, आशु, साजीद, सोनू सहित संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में भीषण हादसा: चरथावल मार्ग पर पेड़ से टकराई कार के उड़े परखच्चे: दो युवक गंभीर रूप से घायल

कार के अनियंत्रित होने के बाद हुआ हादसा, पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया

ुजफ्फरनगर। चरथावल-मुजफ्फरनगर मार्ग पर शुक्रवार रात करीब 10 बजे एक भीषण सड़क हादसा उस समय हो गया, जब अमीगढ़ पुलिया के पास एक तेज रफ्तार से आ रही एक कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सीधे पेड़ से जा टकराई। इस दर्दनाक दुर्घटना में कार में सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना शहर कोतवाली क्षेत्र के सुजूडू निवासी काशीफ (पुत्र फुरकान) और जैद (पुत्र शाहनवाज) दोनों युवक कार में सवार होकर किसी काम से जा रहे थे, जब वह चरथावल मार्ग पर अमीगढ़ पुलिया के पास पहुंचे तो तेज रफ्तार होने के कारण अचानक अनियंत्रित हो गई और सडक के किनारे खड़े एक पेड़ से टकरा गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कार के परखच्चे उड़ गये। हादसे के दौरान मची चीख-पुकार सुनकर आसपास के राहगीर और ग्रामीण तुरंत मदद के लिए मौके पर दौड़े। घटना की सूचना मिलते ही चरथावल कस्बा चौकी प्रभारी आयुष्मान शर्मा और कांस्टेबल राहुल गिरी बिना समय गंवाए पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की सहायता से कार में फंसे घायलों को बमुश्किल बाहर निकाला और एम्बुलेंस के जरिए इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

हादसे के कारणों की जांच में जुटी पुलिस दुर्घटना के बाद चरथावल-मुजफ्फरनगर मार्ग पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और जाम जैसी स्थिति बन गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त वाहन को किनारे करवाया और यातायात सुचारू किया। घायलों को समय रहते उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई थी, दुर्घटना के सही कारणों की गहनता से जांच की जा रही है।

क्रिमिनोलॉजिस्ट चुनौतियों भरा कॅरियर

टेक्नोलॉजी में तेजी से आई प्रगति से सिर्फ सुविधाएं ही नहीं, बल्कि अपराध भी बढ़ रहे है और इसी के साथ बढ़ रही है अपराधों की छानबीन के क्षेत्र में करियर की प्रबल संभावनाएं भी।

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम है घटना स्थल से अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाने में जांच दल की मदद करना। विशेषज्ञों के अनुसार, बेशक यह जॉब चैलेंजिंग है, परंतु तेजी से लोकप्रिय हो रहा करियर विकल्प भी है। फोरेंसिक साइंस की सभी शाखाओं में इसके विशेषज्ञों की हमेशा मांग रहती है। केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही 24 फोरेंसिक लैब में विशेषज्ञों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। फोरेंसिक मेडिसिन के विशेषज्ञों को सभी मेडिकल कालेजों, शोध संस्थानों में मौका दिया जाता है। अपराध अनुसंधान से संबंधित सभी लैबों में फोरेंसिक विज्ञान की शाखाओं के लिए अलग-अलग विभागों में विशेषज्ञों की मांग हमेशा बनी रहती है। क्रिमिनोलॉजी विशेषज्ञों के लिए सीबीआई और आईबी में भी मौके होते हैं। यह करियर रोमांच और चुनौतियों से भरा है। अगर आप अपने जीवन में जोखिम को तवज्जो देते हैं तो आप इस करियर से नाता जोड़ सकते हैं। आप इस करियर में जितनी मेहनत करेंगे, उतना ही मेहनताना और मान-सम्मान भी पाएंगे।

उपलब्ध कोर्स

- बीए/बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी (3 वर्ष)
- एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी (2 वर्ष)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी (1 वर्ष)

कैसे मिलेगा दाखिला

क्रिमिनोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बीए या बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं, जिसकी अवधि 3 वर्ष है। इसके लिए आर्ट या साइंस में बारहवीं पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा, पोस्ट ग्रेजुएट, डिग्री या डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी भी कर सकते हैं, जिसके लिए आर्ट या साइंस विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है।

कार्य

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम अपराध से संबंधित परिस्थितियों का अध्ययन करना, अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाना और अपराध करने का कारण तथा समाज पर इसका प्रभाव जानना होता है। क्रिमिनोलॉजिस्ट समाज को अपराध से बचाने में मदद भी करता है।

संभावनाएं

आज जिस तरह से क्राइम बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि सन् 2014 तक इस क्षेत्र में ऐसे प्रोफेशनल्स की बहुत जरूरत पड़ेगी। क्रिमिनोलॉजिस्ट पब्लिक व प्राइवेट कंपनियों, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट, एनजीओ, रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, प्राइवेट सिक्योरिटी तथा डिटेक्टिव एजेंसियों में रोजगार प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, क्रिमिनोलॉजिस्ट काउंसलर तथा फीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकता है।

किस तरह के मिलते हैं जॉब

क्रिमिनोलॉजी से कोर्स करने के बाद क्राइम इंटेलिजेंस एनालिस्ट, लॉ रिफॉर्म रिसर्चर, कम्यूनिटी करेक्शन कोऑर्डिनेटर, ड्रग पॉलिसी एडवाइजर, कंज्यूमर एडवोकेट, इनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एनालिस्ट के पद पर कार्य कर सकते हैं।

आवश्यक गुण

कानून व्यवस्था पर आस्था और जिज्ञासा एक सफल क्रिमिनोलाजिस्ट बनने के लिए सबसे आवश्यक गुण होते हैं। इसके अलावा, यदि आप लॉजिक व प्रैक्टिकल सोच रखते हैं तथा टीम भावना के साथ काम कर सकते हैं, तो आप आसानी से इस फील्ड से जुडक़र नाम कमा सकते हैं।

सैलॅरी पैकेज

भारत में एक क्रिमिनोलॉजिस्ट शुरुआती स्तर पर प्रतिमाह 30 से 45 हजार रुपये कमा सकता है। इसके अलावा, फीलांसर के तौर पर वह केस की जरूरत के अनुसार अपनी फीस तय कर सकता है। भारत की तुलना में विदेशों में क्रिमिनोलॉजिस्ट की मांग ज्यादा है।

कंप्यूटर हार्डवेयर में अवसरों की कमी नहीं

पिछले दो दशक में अगर किसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा विकास और कामकाज को लेकर निर्भरता बढ़ी है तो वह कंप्यूटर है। दरअसल कंप्यूटर आज हर एक की जिंदगी में इस तरह से पैठ बना चुका है कि इसके बिना कोई काम नहीं हो सकता। यह संभव है कि आपको कंप्यूटर का संचालन करना नहीं आता हो लेकिन समय पडऩे पर इसे सीखना आवश्यक होता जा रहा है। ऐसे में कंप्यूटर का रख-रखाव भी अहम हो जाता है। जब भी कभी इसमें खराबी आ जाती है तो इसे ठीक करने का काम कंप्यूटर हार्डवेयर प्रोफेशनल्स करते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर क्या है

कंप्यूटर के कलपुर्जों को सम्मिलित रूप से हार्डवेयर कहा जाता है। हार्डवेयर तकनीक के अंतर्गत इसके निर्माण और रख-रखाव की जानकारी दी जाती है। इसे दो भागों में बांटा जा सकता है। कार्ड लेवल और चिप लेवल। दरअसल, सभी कंप्यूटर उपकरणों में कई तरह के कार्ड लगे होते हैं, जिनमें कई चिप होती हैं। पहले किसी भी चिप में कोई खराबी होने पर पूरे कार्ड को बदल दिया जाता था। इसे 'कार्ड लेवल हार्डवेयर तकनीक कहते हैं। इसमें लगने वाले कार्ड काफी महंगे होते हैं, इस कारण यह तकनीक काफी महंगी है। अब जब से कार्ड में लगे चिप को बदलने की तकनीक विकसित हो चुकी है तो कंप्यूटर में इससे संबंधित किसी भी तरह की खराबी आने पर कार्ड में लगे चिप को बदलकर ही खराबी दूर कर दी जाती है। कार्ड के मुकाबले चिप काफी सस्ती पड़ती है। इसके कारण यह तकनीक काफी लोकप्रिय है।

योग्यता

कई पॉलिटेक्निक और निजी संस्थानों द्वारा चिप लेवल हार्डवेयर में डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि एक से तीन वर्ष के बीच होती है। इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए योग्यता बारहवीं पास है, जबकि पॉलिटेक्निक में दसवीं के बाद ही प्रवेश लिया जा सकता है। अधिकतर जगहों पर दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होता है। कुछ निजी संस्थान बारहवीं के अंकों के आधार पर भी प्रवेश देते हैं।

संभावनाएं

कंप्यूटर और उसके उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या के साथ ही हार्डवेयर इंजीनियरों की मांग भी काफी तेजी से बढ़ी है। निजी संस्थानों और कार्यालयों में कंप्यूटर के बिना काम करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंप्यूटर में थोड़ी-सी गड़बड़ी लाखों का नुकसान करा सकती है, इसलिए निजी कंपनियों और सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में हार्डवेयर प्रोफेशनल नियुक्त किए जाते हैं। घरों, दुकानों आदि में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग के कारण स्वतंत्र रूप से रिपेयरिंग का काम करके काफी आमदनी की जा सकती है। आप हार्डवेयर अपग्रेडेशन में भी टेलीकॉम, मोबाइल और कंप्यूटर से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। साथ ही अगर आप नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

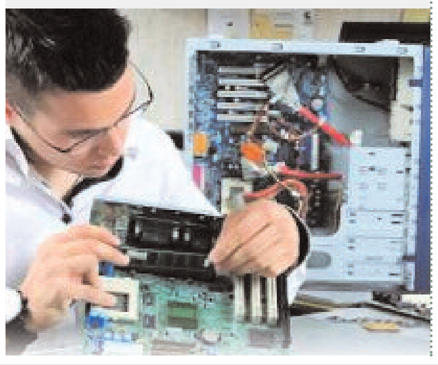

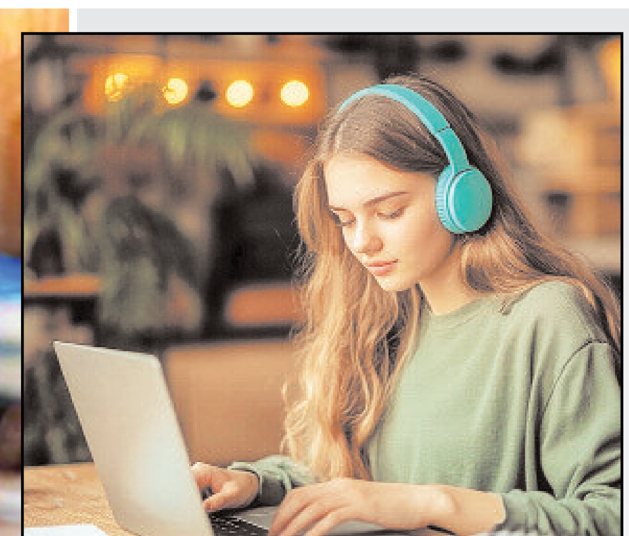

हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस... बनना चाहता है, लेकिन हर किसी का यह सपना पूरा नहीं होता है। लेकिन आप वोकेशनल कोर्स के माध्यम भी अपने करियर को एक नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं।

....फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज बेहतर विकल्प

अगर आप उच्च शिक्षा हासिल करने में फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज आपके लिए बेहतर विकल्प हैं। इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सरकारी और प्राइवेट संस्थानों द्वारा कई तरह के शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इस तरह के कोर्स करने के बाद नौकरी भी आसानी से मिल जाती है।

हेयर स्टाइल

इन दिनों फैशन का खूब पैशन है। इसलिए लोग अपने हेयर स्टाइल के प्रति काफी सजग हो गए हैं। यही वजह है कि बाजार में संभावनाओं को देखते हुए कुछ संस्थानों ने इससे जुड़े कोर्स शुरू कर दिए हैं। आप 10वीं और 12वीं पास करने के बाद इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- पॉलिटेक्निक फॉर वूमन, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली,
- हबिब्स हेयर एकेडमी, साउथ एक्सटेंशन-2 नई दिल्ली,
- मैन्स वर्ल्ड इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

ब्यूटी कल्चर

फैशन के इस दौर में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है और लोगों की इसी चाहत की वजह से ब्यूटी कल्चर का कारोबार काफी बढ़ रहा है। यदि आप ऑफबीट करियर में कदम रखना चाहते हैं, तो ब्यूटी कल्चर से जुड़े कोर्स 10वीं और 12वीं के बाद भी कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- अहिमसा वूमन पॉलिटेक्निक, शंकर रोड, नई दिल्ली,
- लोयला इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, लोयला कॉलेज, चेन्नई

फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग का क्षेत्र काफी विस्तृत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कैरियर के लिए अपार गुंजाइश है। बदलते फैशन की समझ और नए डिजाइन क्रिएट करने की क्षमता आपको इस क्षेत्र में सफल बना सकती है। फैशन की दुनिया में जाने के लिए 10+2 के उपरांत फैशन से संबंधित किसी भी पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकते हैं। फैशन डिजाइनिंग से संबंधित संस्थान तीन वर्ष का डिगरी कोर्स करवाने के साथ-साथ कुछ शार्ट टर्म कोर्स भी करवाते हैं, जो छह महीने से लेकर एक साल तक के हैं। कोर्स पूरा करने के बाद फैशन टेक्नोलॉजी, स्टिचिंग ऑफ गारमेंट्स, गारमेंट टेक्नोलॉजी, अपैरल मर्चेंडाइजिंग को अपैरल कोआर्डिनेटर, रीटेलर, सेल प्रमोशन, फैशन फोटोग्राफी, ड्रेस ऐंड एक्सेसरी डिजाइनर, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजिस्ट, निटवियर डिजाइनर, टेक्सटाइल आदि के तौर पर नौकरी मिल सकती है। अपैरल पैटर्न मेकिंग का कोर्स दसवीं कक्षा के बाद कर सकते हैं। इसकी अवधि चार से छह माह की है। कपड़ा मंत्रालय के तहत अपैरल एक्सपोर्ट काउंसिल के अंडर में भी अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर से इस कोर्स को किया जा सकता है। फैशन टेक्नोलॉजी का कोर्स करने के बाद आपको सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की गारमेंट कंपनियों, फैशन ब्राडों, टैक्सटाइल मिलों, फैशन संस्थानों में रोजगार मिल सकता है। स्वरोजगार के तौर पर रेडीमेट गार्मेंट बुटीक खोलकर भी कमाई की जा सकती है।

इंस्टीट्यूट

- नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर वुमेन, नोएडा।
  इसके अलावा पॉलीटेक्नीक फॉर वूमेंस संस्थानों से भी ये कोर्स किए जा सकते हैं।

फुटवियर टेक्नोलॉजी ऐंड लेदर गुड्स मेकिंग

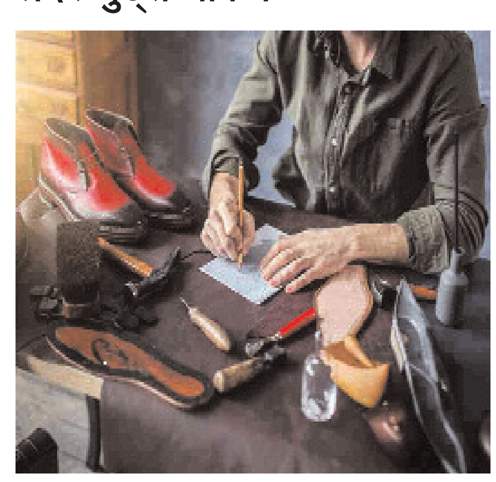

फुटवियर टेक्नोलॉजी या लेदर गुड्स में प्रशिक्षण हासिल करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है। इसमें डिप्लोमा कोर्स के बाद अच्छी नौकरियां पाई जा सकती हैं। फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और फुटवियर डिजाइनिंग एक्सपटर्स की मार्केट में काफी डिमांड है। किसी भी स्ट्रीम में बारहवीं पास युवा इन कोर्सेज में प्रवेश पा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग

फैशन एसेसरीज में ज्वैलरी हमेशा से ही हॉट डिमांड में रही है। इस क्षेत्र में मुख्य काम ज्वेलरी मेकिंग, डिजाइनिंग आदि है। इसके अलावा, वैलरी डिजाइन, स्टोन कटिंग ऐंड इनेमलिंग, जेमोलॉजी कॉस्टिंग टेक्नोलॉजी, आईडेंटीफिकेशन ऑफ स्टोन ऐंड जेम्स आदि पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इसमें रत्नों की शुद्धता मापने, रत्नों का चुनाव, मूल्य,काटने-तराशने का ज्ञान, कास्टिंग, सैटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग तथा सोल्डरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं है। कोर्स करने के बाद किसी भी ज्वैलरी कंपनी से जुडक़र काम की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी पढ़ाई दिल्ली, जयपुर और नोएडा के अलावा कई शहरों में होती है।

इंटीरियर डिजाइनिंग

घर हो, दफ्तर, होटल या शोरूम, इनको डिफरेंट लुक देने का काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनर स्थान की साज-स'जा के अलावा जगह का भी प्लान करता है। वे कस्टमर की रुचि, बजट तथा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी रूपरेखा तैयार करते हैं। इसमें दीवार, फर्श, छत की स'जा, फर्नीचर और दूसरी सामग्रियों की जमावट, विंडो ट्रीटमेंट, लाइटिंग, विजुअल और साउंड इफेक्ट्स आदि शामिल होते हैं। एक अच्छा इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए कल्पनाशीलता और रचनात्मकता बेहद जरूरी गुण है। इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यूं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में तीन साल के भी कोर्स हैं, लेकिन करियर बनाने के लिए आर्किटेक्चर में पांच वर्षीय डिगरी कोर्स बेहतर होता है। साइंस स्ट्रीम के बारहवीं पास स्टूडेंट्स इंटीरियर डिजाइनिंग के डिगरी पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, जबकि कला स्ट्रीम के छात्र एक से दो साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। अधिकांश शहरों के पॉलीटेक्निक और वोकेशनल ट्रेनिंग स्कूलों में ये कोर्स कराए जाते हैं। यह कोर्स करने के बाद विभिन्न इंटीरियर डिजाइनिंग संस्थानों, आर्किटेक्ट फर्म, कंसल्टेंसी फर्म या बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर के साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा बड़े होटलों, हॉस्पिटल्स, शॉपिंग मॉल या डिजाइन स्टूडियो और फर्नीचर स्टोर्स में डिजाइन कंसल्टेंट की जरूरत होती है। खुद का उद्यम भी शुरू कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

निशु आजाद मामले में स्वतंत्र भारद्वाज पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा, पीओसीएसओ और एससी

नई दिल्ली,एजेंसी। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता निशू आजाद के पिता पर हुए हमले के मामले में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पीड़िता के नाबालिग होने के कारण पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के तहत एक नई एफआईआर दर्ज की है।

इसके साथ ही पहले से दर्ज मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराएं भी जोड़ दी गई हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, मामले में नामजद आरोपी स्वतंत्र भरद्वाज की फिलहाल गिरफ्तारी नहीं हुई है। दूसरी ओर, बुलंदशहर में मीडिया से बातचीत के दौरान आरोपी स्वतंत्र भरद्वाज ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए अपनी सफाई पेश की है। पॉडकास्ट में हमले से जुड़े बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिसे हमला बताया जा रहा है, वह असल में आत्मरक्षा में उठाया गया कदम था।

सिर में लगी थी चोटः भरद्वाज ने दावा किया कि जंतर-मंतर पर 10 से 15 लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया था और यदि वे बचाव नहीं करते तो उग्र भीड़ उनकी जान ले सकती थी। इसी धक्का-मुक्की और आत्मरक्षा के दौरान पीड़ित को सिर में हल्की चोट आई थी। उन्होंने पुलिस मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पीड़ित को कोई गंभीर चोट नहीं पहुंची है और वे जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही, उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पॉडकास्ट क्लिप को फर्जी बताया।

दिल्ली में ब्रिक्स का महामंथन, प्रधान न्यायाधीश ने ब्रिक्स देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने ब्रिक्स देशों के बीच आपसी सहयोग बेहतर बनाने और द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने में न्यायपालिका की भूमिका पर ज़ोर दिया है। उन्होंने व्यावसायिक विवाद सुलझाने के लिए मध्यस्थता और सुलह से संबंधित कामन प्लेटफार्म बनाने का प्रस्ताव भी दिया। सुप्रीम कोर्ट में ब्रिक्स देशों के प्रधान न्यायाधीशों के सम्मेलन के पहले दिन शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश ने रूस, चीन, मिस्र, इंडोनेशिया, यूएई, बेलारूस, कजाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, ईरान और उज्बेकिस्तान के न्यायिक अधिकारियों से मुलाकात की।

ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम में ब्रिक्स सदस्य देशों और सहयोगी देशों के प्रधान न्यायाधीशों और वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों ने हिस्सा ले रहे हैं।जस्टिस सूर्यकांत ने न्यायिक प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं।

इस दौरान न्यायिक सहयोग, मध्यस्थता और पंचाट, कमर्शियल कोर्ट और न्याय दिलाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल मजबूत करने समेत न्यायिक हितों के कई महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत से मुलाकात करने वालों में रूसी संघ के सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश इगोर क्रासनोव, चीन के प्रधान न्यायाधीश झांग जून, मिस्र के सुप्रीम कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश बोलोस गाहमी इस्कंदर बोलोस, और इंडोनेशिया के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुनार्तो शामिल थे।

दिल्ली में बारिश ने बिगाड़ी ब्रिक्स समिट की तैयारियां! लुटियंस से लेकर यमुनापार तक जलभराव; एजेंसियां परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जलभराव से ले कर तमाम उन आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों का दावा एजेंसियां कर रही हैं, लेकिन शुक्रवार को हुई वर्षा ने तैयारियों की पोल खोल दी और एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

जलभराव के बाद खासतौर पर लुटियंस दिल्ली में एनडीएमसी के कर्मचारी त्वरित सक्रिय हुए और वर्षा धीमी होने के बाद पानी को निकाल दिया जबकि वर्षा के दौरान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लेकर लुटियंस दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, जन्माष्टमी की छुट्टी होने के चलते सड़कों पर यातायात कम था, इसलिए जाम तो नहीं लगा, लेकिन वाहनों की रफ्तार धीमी होने की वजह से लोगों को परेशानी जरूर हुई।

अलग-अलग इलाकों में जलभरावः बाबा खड़ग सिंह मार्ग से लेकर कनॉट प्लेस में जहां एनडीएमसी के चेयरमैन ने 25 अगस्त को जलभराव पर माफी मांगी थी, वहां फिर जलभराव हुआ। पानी सड़कों पर इतना जमा हो गया कि दुकानों में भी पानी घुसने लगा। इसके अतिरिक्त दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में जलभराव देखने को मिला।

विदेशियों के सामने न हो जाए किरकिरीः एजेंसियां इस बात को लेकर चिंतित हैं कि तैयारियों के बावजूद जलभराव हुआ है तो ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान कहीं यही स्थिति विदेशी मेहमानों के सामने हो गई तो बहुत किरकिरी होगी। वर्षा में जल निकासी की सही व्यवस्था न होने के कारण मध्य दिल्ली की बात करें तो कनॉट प्लेस के साथ ही पंत मार्ग पर जलजमाव हुआ। इसके साथ ही आईटीओ और सदर बाजार, चांदनी चौक के अलग-अलग इलाकों में जलभराव हुआ।

नाले की गाद बनी है बड़ी समस्याः बाहरी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में भी जलभराव की स्थिति देखने को मिली। सड़कों से लेकर रिहायशी क्षेत्रों में पानी भर गया। किराड़ी के मुबारकपुर रोड, 70 फुट रोड सहित कई सड़कों पर पानी भर गया।

प्रेम नगर-2, निठारी व अगर नगर में जल निकासी ठप होने के कारण नाले ओवरफ्लो हो गए और पानी सड़क पर इकट्ठा हो गया।

नाले की गाद भी सड़क पर बहती दिखाई दी। ऐसे में लोग नाले की गाद को पानी से साफ करते दिखे। इसके अलावा जहांगीरपुरी, मंगोलपुरी, शाहबाद डेयरी, कराला, रानीखेड़ा, मदनपुर डबास व मुंडका में भी जलभराव के कारण यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

- **यमुनापार में भी जलभराव से यातायात प्रभावितः** वर्षा के बाद यमुनापार में कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली। विकास मार्ग, शकरपुर स्कूल ब्लॉक, पांडव नगर अंडरपास, एनएच-9 और गणेश नगर-पटपड़गंज मार्ग पर जलभराव रहा। गीता कॉलोनी और शकरपुर के रिहायशी इलाकों में भी वर्षा के बाद जलभराव से लोगों को परेशानी हुई। मुख्य मार्गों पर जलभराव के कारण वाहनों की रफ्तार थम गई और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। फुटपाथ तक जलभराव से डूबे होने के कारण पैदल यात्री सड़क पर चलते नजर आए। जलभराव के चलते यमुनापार में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और वाहन चालकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।
- **वसंतकुंज में गिरी दीवार, कई वाहन क्षतिग्रस्तः** दक्षिणी दिल्ली में भी वर्षा होने पर जलभराव के हाटस्पाट माने जाने वाले संगम विहार, देवली, खानपुर, सैनिक फार्म, बदरपुर, मीठापुर चौक, गढ़ी गांव आदि में जलभराव की स्थिति पूर्व की तरह बन गई। वहीं वसंत कुंज के निवासियों की परेशानी भी बढ़ी। वसंत कुंज के ई-7 व ई-9 ब्लॉक में जहां डीडीए की दीवार और इलेक्ट्रिक पैनल गिर पड़ा। दीवार के मलबे के नीचे कई कारें आकर क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं वसंत कुंज के ही ए-1 व ए-2 ब्लॉक के बीच बड़ा पेड़ गिरने से भी एक कार दबकर क्षतिग्रस्त हो गई।
- **अवकाश के दिन भी वाहन रेंगते दिखेः** इसके अलावा एफ ब्लॉक की सोसायटियों के बेसमेंट में पानी भरने से पार्किंग में खड़ी कारें जलमग्न हो गईं। तेज वर्षा के चलते कई इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। एमबी रोड पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही, तो वहीं मोदी मिल के पास आउटर रिंग रोड, मां आनंदमयी मार्ग, पुल प्रहलादपुर, क्राउन प्लाजा चौक आदि में अवकाश के दिन भी वाहन रेंगते नजर आए।

ओल्ड गुरुग्राम के 23 सेक्टरों की मुख्य सड़कों को सुरक्षित बनाएगा जीएमडीए

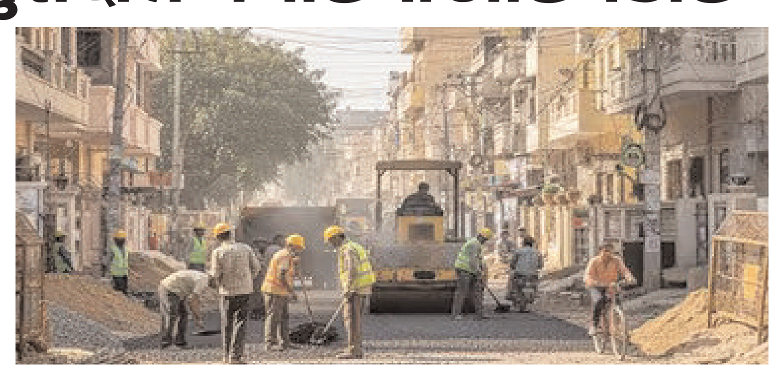

गुरुग्राम , एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम के 23 सेक्टरों की मुख्य सड़कों को सुरक्षित करने की तैयारी चल रही है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) इस कार्य के लिए करीब साढ़े चार करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया है। इस राशि से सड़कों पर लेन डिवाइडिंग, जेबरा क्रॉसिंग सहित अन्य सड़क सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था की जाएगी।

जीएमडीए ने सेक्टर-एक से लेकर सेक्टर-23 तक की मुख्य सड़कों को सुरक्षित किया जाएगा। इसे लेकर गुरुवार को टेंडर जारी कर दिया, जिसे 18 सितंबर को खोला जाएगा। अक्टूबर में टेंडर आवंटित कर ठेकेदार को सड़कों को सुरक्षित करने के लिए एक साल का समय दिया जाएगा।

यह सुविधा दी जाएगी-इन मुख्य सड़कों पर इंडियन रोड कांग्रेस के तहत 520 दिशा सूचक सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। सड़क किनारे 1.2 मीटर ऊंची जाली लगाई जाएगी, जिससे कोई आवारा पशु अचानक सड़क पर नहीं आ जाए। जिन सड़कों के बीच में डिवाइडर नहीं है, वहां पर बैरियर लगाकर डिवाइडर का बंदोबस्त किया जाएगा।

सड़कों पर थर्मोप्लास्टिक पेंट से लेन डिवाइडिंग की जाएगी। इसके अलावा जेबरा क्रॉसिंग के इंतजाम किए जाएंगे। सड़क किनारे और लेन के ऊपर स्टड लगाए जाएंगे, जिससे वाहन चालक अपनी लेन में वाहन चलाए। यदि कोई सड़क घूम रही है तो सड़क हादसे से बचाव को लेकर सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। जिन सड़कों पर स्पीड ब्रेकर की जरूरत है, वहां उनका बंदोबस्त किया जाएगा। बता दें कि, ओल्ड गुरुग्राम की अधिकांश सड़कों की हालत बदहाल अवस्था में है। इनमें बसई रोड, ओल्ड रेलवे रोड, न्यू रेलवे रोड, सेक्टर-नौ-नौए रोड, सेक्टर-चार-सात रोड, धनवापुर रोड, ओल्ड दिल्ली रोड, पालम विहार रोड, शीतला माता रोड आदि हैं। गड्ढों की वजह से वाहन चालकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। अमित गोदारा, कार्यकारी अभियंता, जीएमडीए, सेक्टर-एक से लेकर सेक्टर-23 की सड़कों को यातायात के लिहाज से दुरुस्त किया जाएगा। इनमें सड़क सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाए जाएंगे। सड़कों की मरम्मत कार्य को लेकर टेंडर आवंटित किया गया है। वहीं सोहना में दौला-हरचंदपुर के बीच 5 किलोमीटर लंबे रोड का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

सम्मेलन के चलते दिल्ली में बदलेगा ट्रैफिक प्लान, 22 जगहों पर डायवर्जन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ब्रिक्स सम्मेलन 2026 के लिए मोटर कारकेड रिहर्सल के मद्देनजर शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन और नियंत्रित आवाजाही की घोषणा की है। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा पहले से प्लान करें और अतिरिक्त समय निकालें। जहां तक संभव हो, मेट्रो या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। इस सम्मेलन का असर दिल्ली की करीब 22 सड़कों पर पड़ेगा। भारत मंडपम में होने वाले कार्यक्रम के लिए दिल्ली की ट्रैफिक पुलिस ने विस्तार से ऑप्शनल रूट शेयर की है।

निर्धारित डायवर्जन रूट्स और ट्रैफिक कर्मियों के निर्देशों का पालन करें तथा रिहर्सल के दौरान प्रभावित मार्गों से अनावश्यक यात्रा से बचें।आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं के वाहनों को प्राथमिकता दी जाएगी। रूट-वार डायवर्जन, प्रतिबंध और विस्तृत ट्रैफिक व्यवस्था की जानकारी के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा पहले से जारी और पिन किए गए विस्तृत ट्रैफिक एडवाइजरी को पढ़ने का अनुरोध किया गया है।

पराली जलाने की सिर्फ गिनती नहीं, अब जले क्षेत्रफल पर भी नजर

दिल्ली-एनसीआर के लिए सीएक्यूएम बदलेगा निगरानी का तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एवं एनसीआर में सर्दियों के दौरान प्रदूषण कम करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने पराली जलाने की निगरानी का तरीका बदलने की योजना बनाई है। अब केवल पराली जलाने की घटनाओं की संख्या गिनने के बजाय यह भी देखा जाएगा कि आग से कितना क्षेत्र प्रभावित हुआ और कितनी मात्रा में पराली जली।

सीएक्यूएम के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, आयोग पराली जलने के 'बर्न्ट एरिया' यानी जले हुए क्षेत्रफल का आकलन करने के लिए स्पष्ट व्यवस्था तैयार कर रहा है।

यह कदम उन हालिया रिपोर्टों और अध्ययनों के बाद उठाया गया है, जिनमें केवल सैटेलाइट से मिली पराली जलाने की घटनाओं की गिनती को पूरी तरह भरोसेमंद नहीं माना गया है।

जिम्मेदारी तय करना होगा आसानः दिसंबर 2025 में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया था कि 2021 के मुकाबले पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में क्रमशः 93 और 91 प्रतिशत कमी आई है। हालांकि, आइ फारेस्ट के एक अध्ययन में कमी की दर इससे काफी कम बताई गई।

अध्ययन के अनुसार, पंजाब में जला क्षेत्र 2022 के 31,447 वर्ग किमी से घटकर 2025 में करीब 20,000 वर्ग किमी हुआ, जबकि हरियाणा में 2019 के 11,633 वर्ग किमी से घटकर 2025 में 8,812 वर्ग किमी रह गया। अधिकारी के अनुसार, आग की तीव्रता मापने से यह पता लगाने में भी मदद मिलेगी कि किस जगह कितनी पराली जली और इसके लिए जिम्मेदारी तय करना आसान होगा।

एम्स में मरीजों को वीआईपी ट्रीटमेंट दिलाने का खेल! खुद को पीएमओ का ओएसडी बताता था आरोपी; सीबीआई जांच में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर एम्स में मरीजों को प्राथमिकता से दाखिला और उपचार दिलाने के आरोप में सीबीआई ने दिल्ली निवासी रविकांत शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 31 अगस्त को दर्ज केस में धोखाधड़ी, झूठे साक्ष्य देने और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराएं लगाई गई हैं। पीएमओ के सहायक निदेशक ने मई में रवि कांत शर्मा द्वारा पीएमओ के नाम के दुरुपयोग की शिकायत की थी।

पीएमओ पोर्टल से जुड़ा ईमेल भी दियाः सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, 26 फरवरी को रवि कांत शर्मा ने व्हाट्सएप के जरिये एम्स के प्रोटोकाल अधिकारी बीएन आचार्य से संपर्क किया और खुद को प्रधानमंत्री का विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) बताया। उन्हें पीएमओ पोर्टल से जुड़ा ईमेल भी दिया। इसके बाद रविकांत शर्मा ने पीएमओ रेफरल के नाम पर मोहम्मद इमरान को एम्स के इमरजेंसी विभाग में प्राथमिकता से दाखिला व उपचार देने का दबाव बनाया जबकि पीएमओ ने स्पष्ट किया कि रवि कांत शर्मा नाम का कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री का ओएसडी नहीं है।

मरीजों को प्राथमिकता दी गईः मामले की सीबीआई की जांच में सामने आया कि इससे पूर्व रविकांत शर्मा ने कविता और अर्चना नाम की दो अन्य मरीजों के मामलों में भी एम्स प्रशासन पर अनधिकृत तरीके से दबाव बनाने की कोशिश की थी। जांच में यह भी पाया गया कि रविकांत शर्मा को पीएमओ का अधिकृत अधिकारी मानकर ही मरीजों को प्राथमिकता दी गई।

फर्जी एसटी सर्टिफिकेट पर की 30 साल नौकरी, फिर भी मिलेगी पेंशन; सुप्रीम कोर्ट से मुंबई के इंजीनियर को बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के आधार पर बृहन्मुंबई नगर निगम में जूनियर सिविल इंजीनियर की नौकरी पाने वाले एक कर्मचारी को बड़ी राहत दी है। एसटी कोटे से नौकरी पाने वाला इंजीनियर शिरीष पी पाटिल करीब एक दशक तक अपनी पात्रता की जांच को टालता रहा। हालांकि, बाद में जांच समिति और हाई कोर्ट द्वारा प्रमाण पत्र अमान्य घोषित किए जाने के बावजूद, सुप्रीम कोर्ट ने शिरीष पी पाटिल को सभी सेवानिवृत्ति लाभों (पेंशन) के साथ रिटायर होने की अनुमति दे दी है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, यह मामला 1984 का है, जब शिरीष पी पाटिल ने खुद को 'टोकरे कोली' (अनुसूचित जनजाति) समुदाय का बताकर एक प्रमाण पत्र हासिल किया था। इसी दस्तावेज के सहारे 1994 में उनकी नियुक्ति एमसीजीएम में जूनियर सिविल इंजीनियर के पद पर हुई थी। बाद में मूल प्रमाण पत्र खोने का दावा कर उन्होंने वर्ष 2000 में भुसावल के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट से नया प्रमाण पत्र भी बनवा लिया।

जांच में हुआ खुलासा

एमसीजीएम द्वारा कराई गई जांच में खुलासा हुआ कि पाटिल के पूर्वज 'कोली', 'हिंदू कोली' और 'हिंदू सूर्यवंशी कोली' श्रेणी में दर्ज था, जो स्ञ वर्ग में नहीं आता। इसके बाद जुलाई 2009 में उनसे कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

2020 में रद हुआ प्रमाण पत्र

हालांकि, पाटिल वकीलों और परिजनों की अनुपलब्धता का हवाला देकर जनवरी 2020 तक जांच समिति की कार्यवाही को टालने में सफल रहा। आखिरकर 2020 में समिति ने उनका सर्टिफिकेट रद कर दिया, जिसे बाद में हाई कोर्ट ने भी सही ठहराया। इस दौरान इंजीनियर पाटिल 30 जून, 2025 तक सेवा करता रहा, जब उसने जाली एसटी प्रमाण पत्र के आधार पर एमसीजीएम में तीन दशकों से अधिक समय तक कार्यरत रहने के बाद सेवानिवृत्ति ले ली।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया सेवानिवृत्ति का आदेश

प्रमाण पत्र रद होने और कोर्ट प्रकिया के बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने पूरी पृष्ठभूमि और लंबी सेवा अवधि को देखते हुए पाटिल को सेवा से बर्खास्त करने की जगह सभी पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभों के साथ सेवामुक्त होने का आदेश सुनाया है।

दिल्ली के हिंदूराव अस्पताल में स्टाफ का भारी टोटा

607 पदों के मुकाबले सिर्फ 227 कर्मचारी कर रहे काम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पुराने और एमसीडी के सबसे बड़े अस्पताल बाड़ा हिंदूराव अस्पताल इन दिनों कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है। 980 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए स्वीकृत 607 पदों के मुकाबले महज 227 कर्मचारी ही उपलब्ध हैं। करीब 380 पद खाली पड़े हैं। कर्मचारियों की कमी का असर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं पर साफ दिखाई दे रहा है।

एक्स रे यूनिट बेकार, इमारत भी जर्जरः अस्पताल की एक्स-रे यूनिट काम नहीं कर रही है। वहीं, बच्चों के उपचार के लिए बनाई गई एनआइसीआयू (बच्चों की नर्सरी) भी बंद पड़ी है। इसके अलावा आंखों के आपरेशन भी करीब एक साल से बंद हैं। ऐसे में मरीजों को जरूरी जांच और उपचार के लिए दूसरे अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। अस्पताल की इमारत की हालत भी ठीक नहीं है। परिसर में जगह-जगह गंदगी पड़ी रहती है। वार्डों में पर्याप्त स्टाफ नहीं होने से मरीजों और उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अस्पताल में प्रतिदिन करीब चार हजार मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में सीमित कर्मचारियों पर काम का दबाव भी लगातार बढ़ रहा है।

भाजपा पार्षद ने उठाया मुद्दा

भाजपा पार्षद व स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह ने स्थायी समिति की ही बैठक में हिंदूराव अस्पताल की बदहाल व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े अस्पताल में स्वीकृत पदों के मुकाबले कर्मचारियों की संख्या बेहद कम है। इससे मरीजों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने खाली पदों को जल्द भरने और बंद पड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को दोबारा शुरू करने की मांग की। साथ ही कर्मचारियों को मरीज भत्ता पिछले एक साल से नहीं मिल रहा है उसे भी शुरू करने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

त्रिपुरा में हथियार डाल चुके उग्रवादी समूहों ने नहीं मानी बात, 72 घंटे का जाम शुरू

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा में हथियार डाल चुके सात उग्रवादी समूहों ने शुक्रवार को 11 मांगों को पूरा करवाने के लिए असम-अगरतला नेशनल हाईवे पर 72 घंटे का जाम शुरू कर दिया है।

उन्होंने त्रिपुरा सरकार की उस अपील को ठुकरा दिया, जिसमें उनसे अपनी मांगें पूरी होने तक सड़क और रेल मार्ग की नाकेबंदी हटाने को कहा गया था।

नेशनल लिबरेशन फ्रंट आफ त्रिपुरा (ओरिजिनल), एनएलएफटी (परिमाल देबबर्मा), आल त्रिपुरा टाइगर फोर्स, एनएलएफटी (नयन बाशी), ज्वाइंट एक्शन रिहैबिलिटेशन कमिटी, ज्वाइंट एक्शन कमिटी और आल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (ओल्ड) के सदस्यों और समर्थकों ने अपने पहले से घोषित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार सुबह जाम शुरू किया।

प्रदर्शनकारी बारामुरा के चंद्र साधुपदा इलाके में जमा हुए और नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान टायर भी जलाए गए, जिससे गाड़ियों की आवाजाही लगभग ठप हो गई और बड़ी संख्या में गाड़ियां अलग-अलग जगहों पर फंसी रह गईं।

एनएलएफटी नेता थामस त्रिपुरा ने कहा कि ये समूह लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और दावा किया कि केंद्र और त्रिपुरा सरकार के साथ हुए कई समझौतों को लागू नहीं किया गया है।

असम में 1.4 करोड़ रुपये की याबा टैबलेट और म्यांमार की सिगरेट जब्त, सात गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में अलग-अलग अभियानों के दौरान 1.4 करोड़ रुपये की याबा टैबलेट और 1.2 लाख से अधिक म्यांमार की सिगरेट के साथ सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया याबा टैबलेट्स श्रीभूमि जिले में जब्त की गईं, वहीं तस्करी की गई सिगरेट कछार जिले में जब्त की गई। याबा टैबलेट मादक पदार्थ होता है। इस पर भारत में प्रतिबंध है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, पुलिस ने दो वाहनों को रोका और 14 हजार याबा टैबलेट्स जब्त कीं, जिनकी कीमत 1.4 करोड़ रुपये है। पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी इंटरनेट मीडिया पोस्ट में बताया कि कछार जिले में एक और अभियान चलाया गया। पुलिस ने असम-मेघालय सीमा पर डिगोर्कहाल चेक पोस्ट पर एक वाहन को रोका और छिपाई गई 1,20,000 बर्मीज सिगरेटें जब्त कीं। इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

बेंगलुरु में बड़ी कार्रवाई, खरगे की रैली के बाद 'शुद्धिकरण' को लेकर उत्तराखंड भाजपा नेताओं पर एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में उत्तराखंड भाजपा सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ एक 'जीरो एफआईआर' दर्ज की गई। यह मामला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद एक जगह पर कथित 'शुद्धिकरण' किए जाने से जुड़ा है। एक अधिकारी ने बताया कि यह मामला 31 अगस्त को विधान सौधा पुलिस स्टेशन में कांग्रेस के एसटी विभाग के पूर्व उपाध्यक्ष टीआर रामप्पा की शिकायत पर दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 'जीरो एफआइआर' एक ऐसा मामला है जिसे किसी भी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया जा सकता है, चाहे अपराध कहीं भी हुआ हो या पुलिस स्टेशन का अधिकार क्षेत्र कुछ भी हो। एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया कि आठ अगस्त को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में एक बड़ी जनसभा में हिस्सा लिया और उसे संबोधित किया। जनसभा के बाद भाजपा के कुछ सदस्यों और पदाधिकारियों ने कथित तौर पर 10 अगस्त को उसी जगह पर एक तथाकथित 'शुद्धिकरण अनुष्ठान' आयोजित किया। आरोप लगाया गया है कि इस अनुष्ठान का उद्देश्य कथित तौर आपत्तिजनक, अपमानजनक और जातिवादी सोच दिखाना था कि अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्य मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी ने उस जगह को 'अशुद्ध' कर दिया था। इसलिए उस जगह को अनुष्ठान के जरिये शुद्ध करने की जरूरत थी।

चांद पर पहुंच गए, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं हुआ; बॉम्बे हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देश में व्यापत एक ऐसी कुप्रथा की तरफ ध्यान देने के लिए कहा है जो सालों से चल रही है। हाई कोर्ट ने कहा कि हम चांद पर पहुंचने का दावा तो करते हैं, लेकिन अब तक हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म नहीं कर पाए।

बॉम्बे ॥ष्ट ने कहा कि भारत चांद के अनछुए हिस्से तक पहुंचने का दावा तो करता है, लेकिन जाति व्यवस्था की आड़ में उसके कुछ नागरिक अब भी इंसानी गरिमा के खिलाफ काम करने को मजबूर हैं।

चांद पर पहुंचे, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं

जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे ने कहा, '21वीं सदी में हम चांद के दूसरी तरफ पहुंचने का दावा करते हैं। फिर भी, कड़वी सच्चाई यह है कि हमारे देश में जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराई अब भी मौजूद है, जो हमारे कुछ नागरिकों को ऐसा काम करने के लिए मजबूर करती है जो इंसानी गरिमा के खिलाफ है।'

हाई कोर्ट ने आगे कहा, 'हालांकि संविधान सभी नागरिकों को कानून के सामने समानता और कानून का समान संरक्षण देता है, लेकिन संविधान को अपनाए हुए 75 साल बीत जाने के बाद भी हमारा देश उस सामाजिक बुराई से मुक्त नहीं हो पाया है जिसने हमें सदियों से परेशान कर रखा है।' हाई कोर्ट ने ये टिप्पणी हाल ही में 'मैनुअल स्कैवेंजर्स के तौर पर रोजगार पर रोक और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013' को लागू करने में राज्य/स्थानीय अधिकारियों की विफलता के खिलाफ दायर याचिका पर की। हाई कोर्ट ने 13 अगस्त को इस

मामले में हुई सुनवाई के फैसले में ये बात कही, जिसे गुरुवार, 3 सितंबर को अपलोड किया गया।

सुप्रीम कोर्ट लगा चुका है रोक: हाई कोर्ट ने कहा, 'हाथ से मैला ढोना एक ऐसी प्रथा है, जो समुदाय के एक खास वर्ग को पीढ़ियों से इस अमानवीय काम को करने के लिए मजबूर करती है, जबकि सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों और कानूनों में इस पर रोक लगाई गई है।'

सरकारी आदेशों में राज्य के फैसले को रद कर दिया और कहा कि प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर/सेक्टर द्वारा काम पर रखे गए जिन सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई, उनके परिवार राज्य सरकार से 30 लाख रुपये का मुआवजा पाने के हकदार होंगे (जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था), और राज्य यह रकम संबंधित नियोक्ताओं से वसूल सकता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट में यह याचिका एक मजदूर यूनियन 'श्रमिक जनता संघ' से जुड़े राजू माधवे और लेखक श्रेयस पांडे के साथ मिलकर दायर की थी। राजू माधवे, सूरज के पिता थे, जिनकी 2022 में मुंब्रा की एक हाउसिंग सोसाइटी में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय मौत हो गई थी।

सीनियर वकील गायत्री सिंह ने दलील दी कि त्वक्र में मुआवजा देने की जिम्मेदारी राज्य/स्थानीय अधिकारियों के बजाय प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर/नियोक्ताओं पर डाली गई थी।

राज्य के वकील ने पहले कहा था कि 36 जिलों को हाथ से मैला उठाने की प्रथा (मैनुअल स्कैवेंजिंग) से मुक्त घोषित कर दिया गया है और अगस्त 2023 में कलेक्टरों ने इसके सर्टिफिकेट जमा कर दिए थे, लेकिन अगस्त 2024 की सुनवाई में उन्होंने कहा कि यह स्थिति सर्टिफिकेट जारी होने की तारीख के हिसाब से थी।

हाथ से मैला उठाने की प्रथा के जारी रहने के उदाहरण देते हुए याचिकाकर्ताओं ने कहा कि रिकॉर्ड के उलट, राज्य ने 81 मामलों में 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया है।

जजों ने कहा, 'इस तरह, यह नतीजा निकाला जा सकता है कि राज्य इस सामाजिक बुराई, यानी हाथ से मैला उठाने की प्रथा को पूरी तरह खत्म करने में सफल नहीं रहा है। हालांकि राज्य ने कुछ हद तक नियमों का पालन किया है, लेकिन यह देखकर दुख होता है कि राज्य की एजेंसियां आधे-अधूरे मन से कोशिशें कर रही हैं।'

जजों ने सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करने वाले उन पांच मृत लोगों के आश्रितों को भी 30 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, जिनका मामला याचिकाकर्ताओं ने उठाया।

गाजियाबाद में प्लॉट लेकर मकान-दुकान बनाने का मौका, जीडीए 7 सितंबर को करेगा नीलामी

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में इंदिरापुरम योजना समेत कई योजनाओं में रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्लॉट खरीदने का मौका है। साथ ही ग्रुप हाउसिंग, हाईस्कूल, नर्सिंग होम के प्लॉटों पर भी बोलीदार बोली लगा सकते हैं। यहां 120 वर्ग मीटर से लेकर 7 हजार वर्ग मीटर तक के प्लॉट मौजूद है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण सोमवार को इन सभी प्लॉटों की नीलामी करने जा रहा है।

जीडीए की इंदिरापुरम व इसकी विस्तार योजना में विभिन्न साइज से सबसे अधिक प्लॉट नीलामी में शामिल किए गए हैं। इसमें भी जीडीए ने पहली बार मिक्स लैंड यूज प्लॉट शामिल किए हैं। साथ ही ग्रुप हाउसिंग, हाईस्कूल, फैसलिटी प्लॉट आदि भी बोलीदारों के लिए रखे गए हैं। जीडीए अधिकारी बताते हैं कि इस योजना में 18 मीटर चौड़ी सड़क पर प्राधिकरण के 5 मिक्स लैंड यूज प्लॉट मौजूद हैं, जिन्हें बेचा जाएगा। यह प्लॉट खरीदने के लिए बोलीदारों के पास अच्छा मौका होगा। इन्हें खरीदने के बाद प्राधिकरण से मिक्स लैंड यूज के तहत नक्शा स्वीकृत कराकर आवासीय समेत व्यावसायिक गतिविधियों के लिए प्लॉट का प्रयोग किया जा सकेगा। अधिकारी बताते हैं कि 7 सितंबर को सुबह 11 बजे से हिंदी भवन में बोली लगेगी। हालांकि इसके लिए बोलीदारों को सुबह 10 बजे पहुंचना होगा। जो भी बोलीदार प्लॉट पर ज्यादा बोली लगाएगा, उसे ही वह प्लॉट आवंटित कर दिया जाएगा। नीलामी के लिए प्राधिकरण की तैयारी पूरी हो चुकी है। नीलामी में 84 प्लॉट शामिल किए हैं।

इंदिरापुरम में सबसे अधिक प्लॉट: जीडीए ने इंदिरापुरम व इसकी विस्तार योजना में विभिन्न साइज के 62 प्लॉट नीलामी में शामिल किए हैं। यह प्लॉट दुकान, व्यावसायिक, आवासीय, होटल, क्योस्क आदि तरह के है। इसके अलावा मधुबन बापूधाम में औद्योगिक प्लॉट हैं, जिनकी बिक्री होगी। इंद्रप्रस्थ योजना में ग्रुप हाउसिंग के प्लॉट हैं। वैशाली, कौशांबी, कर्पूरीपूरम, अंबेडकर रोड डिस्ट्रिक्ट सेंटर और यूपी बॉर्डर में भी विभिन्न तरह के प्लॉट मौजूद हैं। ये विभिन्न साइज के आवासीय, व्यावासिक, ग्रुप हाउसिंग, प्राइमरी नर्सरी स्कूल, हायर सेकेंड्री स्कूल, हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, हेल्थ सेंटर आदि प्लॉट हैं।

पिछले साल प्राधिकरण ने 288 करोड़ कमाए: पिछले साल लोगों ने प्राधिकरण की संपत्ति काफी तादात में खरीदी है। जीडीए अधिकारी बताते हैं कि पिछले साल गोविंदपुरम, इंदिरापुरम, इंद्रप्रस्थ, कौशांबी, प्रताप विहार समेत अन्य योजनाओं में प्राधिकरण के खाली पड़े प्लॉट बोलीदारों ने बोली लगाकर खरीदे थे। इन प्लॉटों को बेचकर प्राधिकरण ने पिछले साल करीब 288 करोड़ रुपये की आय अर्जित भी की थी। प्रदीप कुमार सिंह, अपर सचिव गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, जीडीए (गाजियाबाद विकास प्राधिकरण) की संपत्ति ज्यादातर लोग खरीद रहे हैं। ऐसे में 7 सितंबर को होने वाली नीलामी में काफी प्लॉट बिकने की उम्मीद है। इससे प्राधिकरण को आय अर्जित होगी। लोगों से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल हों।

नोएडा एयरपोर्ट पर अनुमान से 8 गुना कम पहुंचे यात्री, कार्गो सेवा पर लगा ब्रेक

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या शुरुआती अनुमान के मुकाबले आठ गुना तक कम है। 15 जून से 31 जुलाई तक एयरपोर्ट से कुल 97,115 यात्रियों ने सफर किया, जबकि अकेले जुलाई महीने में यह आंकड़ा 76,593 रहा।

नोएडा एयरपोर्ट पर बीते 15 जून 2026 को यात्री विमान सेवा शुरू की गई थी। परिचालन के बाद यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली, लेकिन यह वृद्धि अनुमान की तुलना में काफी धीमी है। एयरपोर्ट शुरू होने से पहले हर महीने करीब छह लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान लगाया गया था।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा हाल में जारी आंकड़ों से संकेत मिल रहे हैं कि एयरपोर्ट के परिचालन में आगे और भी धीमी वृद्धि के आसार हैं। शुरुआती चरण में सीमित उड़ानों को यात्री संख्या कम रहने की प्रमुख वजह माना जा रहा है। हालांकि, आने वाले समय में नई उड़ानें और नए रूट जुड़ने पर यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। एयरपोर्ट से फिलहाल 15 शहरों के लिए उड़ानें मिल रही हैं। प्रतिदिन रनवे से 32 विमान लैंड और टेकऑफ कर रहे हैं।

एयरपोर्ट से अभी सिर्फ घरेलू उड़ानें ही शुरू हो पाई हैं। फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का कार्य निर्माणाधीन है। अधिकारियों का दावा है कि यह काम नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसी वर्ष अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की तैयारी चल रही है। ऐसे में उड़ान शुरू होने से यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

कार्गो सेवा भी नहीं उड़ी: नोएडा एयरपोर्ट को शुरू हुए करीब ढाई महीना बीत चुका है। 17 जून को पहली कार्गो फ्लाइट चेन्नई से उड़ान भरकर नोएडा पहुंची थी। इसके बाद से एयरपोर्ट से दूसरी कोई कार्गो फ्लाइट नहीं उड़ी है। पिछले दिनों कार्गो बनाने वाली कंपनी ने पशुओं के आवागमन को लेकर भी दो कंपनियों के साथ समझौता किया था। फिलहाल इससे जुड़ी भी कोई कार्गो फ्लाइट नहीं उड़ पाई है।

पहली यात्री उड़ान में किसानों ने किया था सफर: गौरतलब है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून को लखनऊ के लिए रवाना हुई पहली उड़ान सिर्फ यात्री सेवा की शुरुआत नहीं थी, बल्कि जेवर के उन किसानों के लिए भावनात्मक पल भी बन गई थी, जिन्होंने एयरपोर्ट के लिए अपनी जमीनें दी थी। इस ऐतिहासिक उड़ान में यात्री बनकर पहुंचे किसान लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरे तो चेहरों पर गर्व, खुशी और आंखों में नमी साफ दिखी। किसानों ने साफ कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने उनके गांवों को नई पहचान दी है और सीएम योगी ने वादा निभाकर उनके सपनों को साकार किया है। एयरपोर्ट से आने वाली पीढ़ियों को नए अवसर मिलेंगे।

तेलंगाना में किडनैप-मर्डर केस का आरोपी बरी, सुप्रीम कोर्ट ने एक हफ्ते में तीसरी बार पलटा निचली अदालत का फैसला

हैदराबाद, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 के तेलंगाना अपहरण और हत्या के एक चर्चित मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश को पलट दिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और के विनोद चंद्रन की पीठ ने सबूतों के विश्लेषण पर सवाल उठाते हुए आरोपी की सजा और दोषसिद्धि को रद कर दिया।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पीड़ित का शव फ्रिज से बरामद होने और पोस्टमार्टम में गला घोंटने की पुष्टि के बावजूद, आरोपी को सीधे इस अपराध या फ्लैट से जोड़ने वाला कोई ठोस और विश्वसनीय सबूत मौजूद नहीं है।

धनंजय महापात्रा की रिपोर्ट के अनुसार, एक हफ्ते में तीसरी बार निचली अदालत का फैसला पलटते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दोषी ठहराए गए आरोपी को रिहा करने का आदेश दिया है।

क्या है पूरा मामला?: दरअसल, साल 2012 में तेलंगाना में एक व्यक्ति का किडनैप किया गया था। किडनैपर्स ने 23 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी, जिसमें से पीड़ित के पिता ने 1.5 लाख रुपये दिए भी थे। इसके बावजूद पीड़ित की हत्या कर दी गई। आरोपियों की निशानदेही पर एक फ्लैट में रखे रेफ्रिजरेटर (फ्रिज) से उसका शव बरामद हुआ। ट्रायल कोर्ट ने पांच आरोपियों को दोषी ठहराया था, जबकि तेलंगाना हाईकोर्ट ने चार को बरी कर दिया और एक की सजा बरकरार रखी थी।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी: मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने पाया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने और शव फ्रिज में मिलने की पुष्टि तो होती है, लेकिन आरोपियों को इस अपराध या उस फ्लैट से जोड़ने वाला कोई ठोस और विश्वसनीय सबूत मौजूद नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ शव की बरामदगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर किसी को हत्या का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। ठोस सबूत न होने के चलते सुप्रीम कोर्ट ने पांचवे आरोपी को तुरंत रिहा करने का आदेश जारी कर दिया।

केरलम के त्रिशूर में हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई बेकाबू कार, तमिलनाडु के 8 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

त्रिशूर, एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। कार एक खड़ी लॉरी से जा टकराई। सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ गया। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना शुक्रवार रात करीब 11.40 बजे हुई। हादसा कैपमंगलम के पास पनमपिक्कुन्नू में हुआ। मद्रास (मदुरै) रजिस्ट्रेशन वाली कार गुरुवायूर की तरफ से कोडुंगल्लूर की ओर जा रही थी। सड़क पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण उसी दिशा में खड़ी लॉरी से कार जोरदार टक्कर खा गई। मृतक सभी कार में सवार थे। वे तमिलनाडु के छात्र होने का अनुमान है। घटनास्थल से डिंडीगुल के पीएसएनए इंजीनियरिंग कॉलेज के एक छात्र का पहचान पत्र बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों, अग्निशमन और बचाव सेवाओं तथा पुलिस ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। अग्निशमन कर्मियों को दो घायलों को निकालने के लिए कार को काटना पड़ा। स्थानीय लोगों, दमकल एवं बचाव कर्मियों और पुलिस द्वारा चलाए गए बचाव अभियान में युवकों को कार से बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि उनके शवों को यहां त्रिशूर मेडिकल कॉलेज के मुर्दाघर में ले जाया गया। दुर्घटना में शामिल वाहन का पंजीकरण तमिलनाडु में था।

तस्वीरें डरा रही हैं! हिमाचल में भारी बारिश से खौफनाक मंजर, 4 पंचायतों पर मंडराया बाढ़ का खतरा

शिमला/नालागढ़/कुल्लू, एजेंसी। प्रदेश में कई स्थानों पर वीरवार रात और शुक्रवार को भारी वर्षा हुई। वर्षा व भूस्खलन ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सोलन जिले के नालागढ़ क्षेत्र में नालागढ़-शिमला-रामशहर मार्ग पर कुमारहट्टी-मित्तियां के पास वीरवार रात पहाड़ी दरक गई।

इससे पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा व पत्थर चिकनी खड्ड में जा गिरे। इससे खड्ड का बहाव अवरुद्ध होने से एक किलोमीटर लंबी झील बन गई। पहाड़ी दरकने से नालागढ़-शिमला-रामशहर मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। इससे मार्ग पर दरारें आ गई हैं।

झील में करीब 50 फीट गहराई तक पानी जमा होने से कंगनवाल, नंगल, प्लासी और कोइड़ी पंचायत के करीब छह हजार लोगों पर खतरा मंडरा रहा है। झील टूटने से निचले क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है। झील के शुरुआती हिस्से में मलबे का करीब 50 फीट पहाड़ बन गया है जबकि पानी करीब 30 फीट गहराई तक जमा

हो गया है। नालागढ़-शिमला वाया रामशहर मार्ग के बंद होने पर नालागढ़ से रामशहर जाने वाले वाहन चालकों से नालागढ़-बुवासनी-साई मार्ग का इस्तेमाल करने की अपील की गई है। विधायक हरदीप बावा, एसडीएम नरेंद्र आहलूवालिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के नेतृत्व में प्रशासन और विशेषज्ञों की टीम पानी की निकासी के लिए रास्ता बनाने में जुट गई हैं। बैकहो लोडर से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया है। सुरक्षा के मद्देनजर भूस्खलन स्थल के समीप स्थित कुछ घरों को भी खाली करवाया है। प्रशासन ने लोगों को चिकनी खड्ड और उसके आसपास जाने से बचने की सलाह दी है। वर्ष 2023 और 2025 में भी इसी स्थान पर भारी भूस्खलन हो चुका है। पिछले वर्ष ही यहां सड़क का निर्माण किया था।

सिरमौर जिले में पांवटा साहिब-ददाहू सड़क पर मधाराघाट के समीप मार्बल से लदा ट्रक सड़क धंसने से पलट गया। ट्रक में तीन लोग सवार थे जोकि बाल-बाल बच गए। कालाअंब-पांवटा साहिब एनएच पर सतीवाला कटासन देवी के ढाल के समीप नाले का पानी सड़क पर आने से जलभराव हो गया। पुल के नजदीक एक छोटी गाड़ी के टकराने के बाद ट्राला सड़क किनारे धंसकर पलट गया।

कालाअंब से त्रिलोकपुर सड़क का बड़ा हिस्सा शुक्रवार को जलमग्न हो गया और कई वाहन फंस गए। नाहन से कालाअंब मार्ग का बड़ा हिस्सा धंसने से आवाजाही प्रभावित हुई।

महिला के कपड़े उतारे, मारपीट कर वीडियो भी बनाया... बेंगलुरु में उधार न चुकाने पर हैवानियत की हदें पार, 4 गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला उधार लिए पैसे नहीं चुका पाई तो उसके कपड़े उतार गए और मारपीट भी की गई।

इस मामले में आरोपियों ने महिला का वीडियो भी बनाया और वीडियो को सोशल मीडिया पर डालने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में दो महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पैसे वापस नहीं दिए तो की बदसलूकी: आरोपियों की पहचान नसरत, रेशमा, सुहेल और सैफ के तौर पर हुई है। बताया गया है कि पीड़िता ने दो साल पहले रेशमा से 1 लाख रुपये उधार लिए थे और पिछले छह महीनों से ब्याज नहीं चुका पा रही थी।

पीड़िता ने नसरत से भी 50,000 रुपये उधार लिए थे, जिसे वह रेशमा के जरिए जानती थी और वह हर हफ्ते 5,000 रुपये चुका रही थी, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण करीब चार हफ्तों तक पेमेंट नहीं कर पाई। महिला ने बताया कि बाद में उसने रेशमा का नंबर ब्लॉक कर दिया था और परेशान किए जाने के डर से दूसरी जगह चली गई।

नौकरी देने के बहाने बुलाकर की मारपीट: नसरत ने महिला को फोन मिलाया। साथ ही नौकरी और पैसे देने के बहाने से उसे अपने घर बुलाया। जब महिला नसरत के घर गई, तो सुहेल ने उसके साथ बदसलूकी और मारपीट की। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसे जबरदस्ती एक ऑटो-रिक्शा में बैठाया गया। रेशमा और नसरत उसके बगल में बैठी थीं, जबकि सुहेल और दो अन्य लोग भी उनके साथ थे। वे महिला को बेंगलुरु के बाहरी इलाके कुम्बलगोडु के पास एक घर में ले गए और उसे वहां बंधक बना लिया। पीड़िता की मां ने उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने पीड़िता का पता लगाकर उसे सुरक्षित बचाया और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

ईरान संघर्ष को ट्रंप ने बताया छोटी बात, पिकैक्स माउंटेन पर हमले का भी जिक्र

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ छह महीने से अधिक समय से चल रहे टकराव को युद्ध मानने से इनकार किया है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इस विचार का समर्थन करते हुए कहा, ईरान और अमेरिका के बीच 'अंतराल वाला सैन्य संघर्ष' हो रहा है जो वाशिंगटन के लिए 'छोटी बात' है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका ईरान के भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर जल्द हमला कर सकता है। ईरान के अत्यधिक किलेबंद और भूमिगत परमाणु स्थल 'पिकैक्स माउंटेन' पर हमले का बयान ऐसे समय में आया है जब बीते कुछ दिनों में दोनों देशों ने एक दूसरे के सैन्य ठिकानों को जमकर निशाना बनाया है। ऐसे में दोनों देशों का टकराव बढ़ने का खतरा है।

क्या बहुत जल्द हमला कर सकता है अमेरिका- ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका को पिकैक्स माउंटेन पर कोई गतिविधि मिलती है, तो उसे निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी खुफिया तंत्र इस स्थल पर गतिविधियों की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

कहां है ईरान का परमाणु भंडार- पिकैक्स माउंटेन ईरान के नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इसे दो गहरी दबी सुरंग प्रणालियों वाला अत्यधिक किलेबंद भूमिगत परिसर बताया जाता है। कुछ दिन पहले आई वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक इस्राइल ने ईरान से जुड़ा चौंकाने वाला दावा किया है। इस्राइल की खुफिया जानकारी के अनुसार, हजारों सेंट्रीफ्यूज इस गहरी दबी सुविधा में स्थानांतरित कर दिए हैं। इस भूमिगत निर्माण के कारण पारंपरिक हवाई बमबारी का असर नहीं होता है। पिकैक्स माउंटेन काफी अधिक प्रतिरोधी है।

अमेरिकी सेना के हमलों पर ट्रंप के तर्क क्या ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप के कारण पश्चिम एशिया में एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को रोकने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, यदि अमेरिका कार्रवाई नहीं करता तो इस्राइल और इसके आसपास अन्य देशों को अधिक गंभीर खतरे का सामना करना पड़ता। सैन्य कार्रवाई को ईरान के ठिकानों पर अंजाम देने वाली एजेंसी-अमेरिकी सेंट्रल कमान ने बताया था कि सेना ने पिछले सप्ताह ईरानी सैन्य ठिकानों के पर हमले का एक लहर चरण पूरा किया है। इन अभियानों में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने जिन जगहों पर बमबारी की, उनमें ईरान का वायु रक्षा प्रतिष्ठान, रडार प्रणालियां, समुद्री संपत्तियां, बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताएं और संचार स्थल जैसे केंद्र शामिल हैं।

ईरान ने क्या प्रतिक्रिया दी, किन देशों में रडार पर हमले

सेंटकॉम के मुताबिक आइआरजीसी द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के जवाब में अमेरिकी सेना ने हमले किए। वाणिज्यिक जहाज और अमेरिकी सैन्यकर्मियों के खिलाफ 'हमले के प्रयासों' के बाद सेंटकॉम ने मुंहतोड़ जवाब दिया। ट्रंप ने ईरानी रडार प्रणालियों पर हमलों के बारे में भी दावा किया कि अमेरिकी बलों ने दो बार अत्याधुनिक रडार प्रतिष्ठानों को नष्ट किया। इन हमलों के बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बलों ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर 'जबरदस्त हमले' किए।

होर्मुज की मौजूदा स्थिति पर क्या बोले अमेरिकी राष्ट्रपति

वेंस की बात के समर्थन में दलील देते हुए ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा, ईरान के साथ टकराव की वर्तमान स्थिति पिछली लंबी अमेरिकी लड़ाइयों से अलग है। उन लड़ाइयों में अमेरिकी बहुत अधिक संख्या में हताहत हुए थे। ट्रंप ने वियतनाम युद्ध का उदाहरण दिया, जहां 1,00,000 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान टकराव 'अंतराल वाला' है, क्योंकि अमेरिका लगातार लड़ने के बजाय हमले कर रहा है। अमेरिकी सेना ने विमान और अन्य सैन्य संपत्तियों को भी नष्ट किया। ईरान इनका उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य की रक्षा के लिए करता था। ऐसे में अमेरिकी बलों ने क्षेत्र में कई नावों और जहाजों पर भी हमला किया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को फिलहाल अमेरिका नियंत्रित कर रहा है। ट्रंप ने ईरान के साथ संघर्ष में जान गंवाने वाले 18 अमेरिकी लोगों के नुकसान की तुलना वेनेजुएला से की। उन्होने कहा, वहां कोई नुकसान नहीं हुआ था।

चिलिमे सुरंग में फंसे लोगों के लिए बचाव अभियान

भारतीय टीम जुटी; मृतकों का आंकड़ा 1344 पहुंचा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बाढ़ के बाद हालात बदतर बने हुए हैं। हर दिन के साथ हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि अभी भी हजारों लोग लापता हैं। वहीं, इस भीषण त्रासदी को झेलने वाले अब मानसिक रूप से पीड़ा झेल रहे हैं, जिसमें बच्चे से लेकर बड़े भी शामिल है। नेपाल के दार्चुला जिले में शुक्रवार को भारी भूस्खलन के बाद चौलानी नदी का प्रवाह बाधित हो गया। नदी का रास्ता बंद होने से आसपास के क्षेत्रों में खतरा बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया है। लोगों को नदी के आसपास और निचले क्षेत्रों में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

चिलिमे सुरंग में भारतीय टीम क्या कर रही है- भारतीय सुरंग बचाव दल ने शुक्रवार को चिलिमे सुरंग के अंदर अभियान चलाया। टीम का प्रयास सुरंग के पानी और मलबे से प्रभावित हिस्सों तक पहुंचने और वहां फंसे लोगों की तलाश करने का है। भारी उपकरणों को सुरंग तक पहुंचाने और बचाव अभियान को गति देने के लिए एक अस्थायी ट्रैक भी तैयार किया जा रहा है। टीम ने सुरंग के भीतर सुरक्षा रस्सियां लगाई हैं, जबकि पानी और मलबे से बाधित हिस्सों में फ्लोट और पंप भी तैनात किए जा रहे हैं।

रसुवा जिले के स्याब्रुबेसी गांव के पास स्थित चिलिमे जलविद्युत परियोजना का इलाका बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। सुरंग के कई हिस्से पानी और मलबे से बाधित हो गए थे, जिसके कारण वहां पहुंचना चुनौतीपूर्ण बना हुआ था।

अब भारतीय टीम सुरंग के अंदर आगे बढ़कर प्रभावित हिस्सों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, ताकि खोज और बचाव अभियान को और प्रभावी बनाया जा सके। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। भारतीय बचाव दल नेपाली अधिकारियों के साथ मिलकर प्रभावित इलाकों में खोज, बचाव और राहत कार्यों में जुटा है। इसी क्रम में विशेष भारतीय सुरंग बचाव टीम ने चिलिमे सुरंग में अभियान तेज कर दिया है। वहीं शुक्रवार को नेपाल सरकार ने एक रिपोर्ट जारी की जिसमें बताया गया कि बाढ़ से 32 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इससे सड़कें, पुल, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्रों को नुकसान पहुंचा है। सरकार की शुरुआती रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। वहीं इस त्रासदी में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 1344 हो गई। प्रभावित इलाकों से और शव मिलने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ी है।

तेल के भंडार वाला ईरान अब पेट्रोल के लिए मोहताज? सिर्फ 2 महीने का ईंधन बचा

तेहरान एजेंसी। महीनों तक चले अमेरिका के बमबारी अभियानों और नए व कड़े प्रतिबंधों के बाद ईरान एक गंभीर आर्थिक और ईंधन संकट के मुहाने पर खड़ा हो गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि देश के पास अब केवल दो महीने का ईंधन रिजर्व बाकी बचा है। अपनी ही रिफाइनरियों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने और मरम्मत के लिए पैसे न होने के कारण, तेल समृद्ध ईरान अब खुद पेट्रोल आयात करने को मजबूर है।

इतिहास के सबसे कड़े प्रतिबंध

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने हाल ही में ईरान के खिलाफ ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट का ऐलान करते हुए इसे ईरान के खिलाफ इकोनॉमिक डी-डे करार दिया था।

वाशिंगटन ने ईरान के कैस नेटवर्क, अंतरराष्ट्रीय फाइनेंस और तेल निर्यात को पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जो भी देश ईरान को किसी भी प्रकार की आर्थिक संजीवनी देगा, उसे खुद गंभीर आर्थिक नतीजों का सामना करना पड़ेगा।

पिछले कई दशकों से प्रतिबंधों को दरकिनार करने वाला ईरान का फ्रंट कंपनियों, बेनामी टैंकरों और स्मगलिंग का नेटवर्क अब बेअसर साबित हो रहा है, क्योंकि तेहरान के पास अवैध रास्तों के भारी खर्च को उठाने के लिए भी विदेशी मुद्रा नहीं बची है।

UAE ने तोड़े वित्तीय रिश्ते, चीन पर अमेरिका का दबाव

ईरान की मुश्किलें उस समय और बढ़ गईं जब संयुक्त अरब अमीरात (श्व) ने 19 अगस्त को ईरान के साथ सभी प्रकार के वित्तीय लेनदेन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिए। स्कॉटलैंड की सेंट एंड्रयूज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली अंसारी के अनुसार, ईरान बेहद गंभीर आर्थिक दबाव में है और हर्मुज की खाड़ी पर अपना नियंत्रण खो रहा है। अब सवाल यह है कि क्या वे बातचीत की मेज पर आएंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने संकेत दिया है कि चीन भी ईरान को अलग-थलग करने के अमेरिकी प्रयासों में सहयोग कर रहा है। इस महीने के अंत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की व्हाइट हाउस यात्रा के दौरान यह मुद्दा प्रमुख रहेगा।

रियाल रिकॉर्ड निचले स्तर पर

अमेरिकी नाकाबंदी का सीधा असर ईरान की आम जनता पर पड़ रहा है। रियाल की कीमत प्रति डॉलर 22 लाख रियाल हो गई, जो पिछले साल 10 लाख थी। खाने-पीने की चीजें और जरूरी वस्तुओं की कीमत दोगुनी हो गई हैं। महंगाई दर 69.9त्न तक पहुंच गई। इतना नहीं बेरोजगारी दर भी 9.1त्न हो गई है। तेहरान में एक निजी कर्मचारी महनाज़ ने रॉयटर्स को बताया, हम हर गुजरते दिन के साथ और गरीब होते जा रहे हैं।

नेपाल जलप्रलय के 10 दिन

सैलाब में 600 बच्चे भी समाए

मलबे में अपनों की तलाश...; कई भारतीय इलाकों पर बढ़ा खतरा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आई आपदा ने पूरी दुनिया को हैरान कर के रख दिया है। अब खबर सामने आई है कि इस आपदा में करीब 600 बच्चे भी लापता हैं। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी आपदा के बाद 10वें दिन भी सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। सेना के जवान दिन रात मलबे में जिंदगी की तलाश कर रहे हैं। रसुवा से लेकर नुआकोट तक चप्पे-चप्पे पर लोगों को तलाश किया जा रहा है। इस बीच एक दुखी कर देने वाली खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार, नेपाल में बाढ़ के कारण आई तबाही में रसुवा और नुवाकोट इलाके में लगभग 600 बच्चे भी लापता बताए जा रहे हैं।

स्थानीय सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा जो आंकड़े जुटाए गए हैं उसके अनुसार, रसुवा में करीब 280 बच्चे लापता बताए जा रहे हैं। वहीं, नुवाकोट में करीब 300 से 350 बच्चों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ लापता छात्रों का पता लगा है लेकिन जिले में कम से कम 300 छात्र लापता हैं। रसुवा में 16 शिक्षक और नुवाकोट में छह शिक्षक भी लापता बताए जा रहे हैं। बता दें कि नेपाल के शिक्षा मंत्रालय ने बताया था कि बाढ़ के कारण रसुवा, नुवाकोट और धादिंग में 22 स्कूल प्रभावित हुए थे। इनमें से 12 स्कूल पूरी तरह तबाह हो गये थे।

चमेलिया नदी में पानी जमा होने से भारतीय इलाकों पर बढ़ा खतरा- उत्तराखंड के पिथौरागढ़ (झूलाघाट) से आई रिपोर्ट के मुताबिक पहाड़ में हुए भूस्खलन से नदी का प्रवाह रुक गया है। नेपाल की चमेलिया नदी में पानी जमा होने से भारतीय क्षेत्रों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। भट्टाड़ के पास पहाड़ी से भूस्खलन होने से इस नदी का प्रवाह रुक गया है और यहां कृत्रिम झील बन गई है। यदि झील टूटी तो इसका पानी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बहने वाली काली नदी में मिलकर भारतीय क्षेत्रों में तबाही मचा सकता है।

यही चमेलिया नदी भारतीय क्षेत्र गेठीगाड़ाके सिमपानी और नेपाल के सेरा में काली नदी में मिलती है। यही काली नदी झूलाघाट, पंचेश्वर होते हुए टनकपुर पहुंचती है। अपि हिमाल गांव पालिका के वार्ड अध्यक्ष भगत सिंह ठेकरे बोहरा ने बताया कि नेपाल के दार्चुला के अपिहिमाल गांव पालिका, वार्ड नंबर एक, भट्टाड़ नामक स्थान पर पहाड़ी का बड़ा हिस्सा टूटकर चमेलिया नदी में गिर गया है।

सिक्किम की 16 हिमनद झीलें कभी भी मचा सकती हैं तबाही

हिमालय में तेजी से बदलते मौसम के बीच सिक्किम में हिमनद झीलों का खतरा बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने 40 हिमनद झीलों की पहचान जोखिम वाली झीलों के तौर पर की है। इनमें 16 सबसे अधिक जोखिम वाली श्रेणी-ए में हैं। जीएलओएफ जोखिम न्यूनीकरण पर आयोजित मीडिया कार्यशाला में सिक्किम के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान सचिव संदीप तांबे ने बताया कि दो झीलें श्रेणी-बी यानी उच्च जोखिम और नौ श्रेणी-सी यानी मध्यम से कम जोखिम वाली हैं। 13 झीलों को अभी वर्गीकृत नहीं किया गया है।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेजी रिपोर्ट- राज्य सरकार ने शाको छो को जीएलओएफ यानी हिमनद झील के अचानक फटने से आने वाली बाढ़ के लिहाज से सबसे संवेदनशील माना है। इस पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेजी गई है। प्रारंभिक रिपोर्ट जल शक्ति मंत्रालय को भी दी जा चुकी है।

169 भारतीय अब तक सुरक्षित बचाए गए : विदेश मंत्रालय ने बताया कि तीन और भारतीयों को बचाया गया। अब तक 169 भारतीयों को निकाला गया है।

भारत में 2023 में सिलक्यारा सुरंग (उत्तराखंड) में फंसे मजदूरों को बचाने में मदद करने वाले ऑस्ट्रेलियाई सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने शुक्रवार को नेपाल में दो लोगों को जिंदा बचाए जाने की घटने की पर कहा, हमने कर दिया। साथ ही, उम्मीद जताई कि आगे और भी लोगों को सुरक्षित बचाया जाएगा। वह विक्टोरिया के मोनबुलक स्थित अपने घर से नेपाल में चल रहे बचाव अभियान की निगरानी कर रहे थे। डिक्स ने बताया, हेलिकॉप्टरों से आ रही सैटेलाइट तस्वीरों का उपयोग करके टीम को यह पहचानने में मदद की कि त्रिशूली-3 जल विद्युत संयंत्र पहले कहां पर था। फिर उसकी तुलना इंजीनियरिंग के नक्शों से की गई। तब पता लगाया कि ड्रिलिंग कहां करनी है।

सऊदी अरब को अमेरिका की सौगात

पांच अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी; जेडीएएम किट-बमों से खाड़ी में बढ़ेगी ताकत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने सऊदी अरब को करीब 5 अरब डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण बेचने की संभावित डील को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित बिक्री में सटीक निशाना लगाने वाली जेडीएएम-ईआर प्रणालियां, हजारों बम और उनसे जुड़े उपकरण शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी कांग्रेस को दी है।

प्रस्तावित हथियार सौदे में क्या-क्या शामिल है

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब ने 5,004 केएमयू-572 जेडीएएम गाइडेंस किट और 5,000 केएमयू-556 जेडीएएम गाइडेंस किट की मांग की है। इसके अलावा 5,004 बीएलयू-111 500-पाउंड सामान्य उपयोग वाले बम और 5,000 बीएलयू-117 2,000-पाउंड बम भी प्रस्तावित पैकेज का हिस्सा हैं।

डील में फ्यूज सिस्टम, टारगेट डिटेक्टर, कंटेनर, स्पेयर पार्ट्स, सपोर्ट उपकरण और अन्य जरूरी सामान भी शामिल होंगे। इसके साथ अमेरिकी सरकार और ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी और लॉजिस्टिक सेवाएं भी प्रस्तावित हैं।

अमेरिका सऊदी अरब को ये हथियार क्यों देना चाहता है- अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि इस संभावित बिक्री से सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत होगी और खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका के मुताबिक, इससे सऊदी अरब की मौजूदा और भविष्य की क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता बेहतर होगी। विभाग ने कहा कि इससे सऊदी अरब की अपनी जमीन की रक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी और अमेरिकी तथा खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों की सेनाओं के साथ उसकी सैन्य प्रणालियों की बेहतर तालमेल क्षमता विकसित होगी।

क्या इस सौदे से क्षेत्र का सैन्य संतुलन बदलेगा- अमेरिकी आकलन के मुताबिक, प्रस्तावित लेनदेन से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं होगा। अमेरिका का यह भी कहना है कि सऊदी अरब इन हथियारों और सेवाओं को अपनी सैन्य व्यवस्था में आसानी से शामिल कर सकेगा। इस संभावित बिक्री के लिए मुख्य ठेकेदार बोइंग होगा, जिसका मुख्यालय वर्जीनिया में है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि फिलहाल इस सौदे के साथ किसी ऑफसेट समझौते की जानकारी नहीं है।

सैन्य परिसर के अंदर जोरदार विस्फोट

10 की मौत, 60 से ज्यादा घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश बोलिविया में शुक्रवार को एक सैन्य परिसर में हुए जोरदार विस्फोट ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का के मुताबिक, हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 तक पहुंचने की आशंका जताई गई है।

- **सैन्य परिसर में विस्फोट कहां और कब हुआ-** विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे वियाचा स्थित सैन्य परिसर में हुआ। यह इलाका बोलिविया की राजधानी ला पाज से करीब 30 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों के अनुसार, धमाका उस हिस्से में हुआ जहां आतिशबाजी और पायरोटेक्निक सामग्री रखी गई थी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट की शुरुआत किस वजह से हुई। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में रक्षा मंत्रालय के भंडार में रखी आतिशबाजी मौजूद थी।
- **धमाके में कितने लोग घायल हुए और नुकसान कितना हुआ-** स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने बताया कि 62 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी और मृतकों की संख्या 15 तक पहुंच सकती है। घायल लोगों में से 14 को इलाज के लिए ला पाज के अस्पतालों में ले जाया गया। इनमें एक बच्ची भी शामिल थी, जो तीसरी डिग्री तक जल गई। पुलिस के अनुसार, 50 से ज्यादा लोग घायल हुए और विस्फोट की वजह से आसपास के दर्जनों घरों को नुकसान पहुंचा। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कई घरों की खिड़कियां टूट गईं।

- **राहत और बचाव के लिए मौके पर क्या इंतजाम किए गए-** विस्फोट की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं सैन्य परिसर पहुंचीं। घायलों को चिकित्सा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस, मेडिकल टीम और पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए प्रभावित लोगों को आवश्यक चिकित्सा सहायता पहुंचाने का काम शुरू किया।
- **क्या सैन्य परिसर में दोबारा विस्फोट का खतरा है-** अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को सैन्य परिसर से दूर रहने की चेतावनी दी है। स्वास्थ्य निदेशक ने बताया कि दमकलकर्मियों को परिसर में अब भी गर्मी का एक स्रोत मिला है, जिससे दोबारा विस्फोट होने की आशंका बनी हुई है। इसी खतरे को देखते हुए लोगों से घटनास्थल से कम से कम 150 मीटर की दूरी बनाए रखने की अपील की गई है।

मॉस्को जाने पर गिरफ्तारी का खतरा, फिर भी तैयार थे जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ बुदानोव

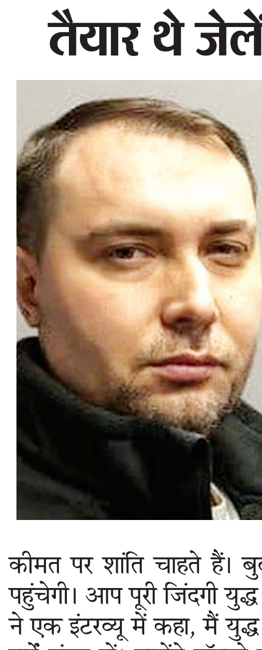

कीव, एजेंसी। इस वर्ष के शुरू में में जब शांति वार्ता का एक दौर खत्म हुआ, तो यूक्रेनी वार्ताकारों को रूसियों की तरफ से एक हैरान करने वाला प्रस्ताव मिला। इसमें कहा गया कि यूक्रेनी अधिकारी चाहें तो मॉस्को की उड़ान पकड़ सकते हैं और वार्ता जारी रख सकते हैं। इसका फायदा यह था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की संभावना थी और नुकसान यह था कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता था, या उससे भी बुरा कुछ हो सकता था।

प्रस्ताव ने इससे पहले जिनेवा में वार्ता के दौरान यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले किरीलो बुदानोव के सामने एक गंभीर असमंजस उत्पन्न कर दिया। रूस ने उन पर आतंकवाद के आरोप लगा रखे हैं, जो तब लगाए गए थे जब वह यूक्रेन के सैन्य जासूसी प्रमुख थे। लेकिन वार्ता के माध्यम से शांति हासिल करने के लिए वह कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने के लिए तैयार थे। कभी रूस से डटकर मुकाबला करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल बुदानोव मौजूदा समय में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ हैं और किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं। बुदानोव का कहना है, बातचीत आज नहीं तो कल किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेगी। आप पूरी जिंदगी युद्ध नहीं लड़ सकते। यूक्रेनी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले बुदानोव ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं युद्ध खत्म करने वाले किसी भी कदम के लिए तैयार हूं। बशर्ते यूक्रेन को इसकी शर्तें मंजूर हों। उन्होंने मॉस्को दौरे के प्रस्ताव के बारे में खुलासा किया, जिसकी रिपोर्ट पहले सामने नहीं आई थी। यही नहीं यह दौरान भी परवान नहीं चढ़ सका था, और आगे बातचीत ठप हो गई थी।

वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद : जंग लगातार जारी रहने के बीच बुदानोव ने सितंबर के आखिर तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद जताई है।

'रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं'

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, 'सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें - अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।' वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। ' वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, 'आपको क्या चाहिए?' अभिषेक ने कहा, 'आपका आशीर्वाद,' इस पर युवराज ने कहा, 'हमेशा। '

बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर

चौथे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी। इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी। टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

सीपीएल 2026: दासुन शनाका का ऐतिहासिक शतक

सेंट किट्स ने सेंट लूसिया को 137 रन से हराया

वार्नर पार्क । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 25वें मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने इतिहास रच दिया। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की तरफ से खेलते हुए शनाका ने लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। शनाका की शतकीय पारी की बदौलत सेंट किट्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 137 रन के विशाल अंतर से हराया। सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट किट्स की तरफ से पारी की शुरुआत जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने की। शुरुआत अच्छी नहीं रही और मायर्स मात्र 1 रन बनाकर 8 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। चार्ल्स और फ्लेचर ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी की। चार्ल्स 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद दासुन शनाका चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा

खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही। मंधाना ने 64 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। मंधाना का टी20 क्रिकेट का यह दूसरा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 18वां शतक था। मंधाना अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

बीसीसीआई ने किया ऐलान: पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है। 'सुजुकी कप' नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच 'स्पोर्ट 75' नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है। '

उन्होंने आगे कहा, 'भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं। '

सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड गैर-पारंपरिक इलाकों में खेल के विस्तार की कोशिशों में मदद करने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई का मानना ??है कि क्रिकेट का विकास इसके पारंपरिक इलाकों से आगे बढ़ना चाहिए, और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर हम उस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई, जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने और आने वाले वर्षों में इस रिश्ते को और आगे बढ़ाने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करेगा। '

फैन्स की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आयोजक सानो वेन्यू की क्षमता को आमतौर पर 500 दर्शकों से बढ़ाकर 2,000 करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही आधिकारिक तौर पर टिकटों की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एशियन गेम्स के पुरुष इवेंट में खेलने के लिए जापान आ रही है।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एग्जीक्यूटिव नाओकी मियाजी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस के आने को स्थानीय स्तर पर इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। 'मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को जापान में क्रिकेट के लिए घर में बुलाना हमारी एसोसिएशन के लिए एक यादगार पल है।

10,000 रन की लिस्ट में 3-4 और भारतीय खिलाड़ियों को देखना चाहती हूं: स्मृति

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने दुबई में टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे महिला एशिया कप में गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ खेले गए मैच में 64 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली। अंतरराष्ट्रीय टी20 में मंधाना का यह दूसरा और ओवरऑल 18वां शतक था। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्मृति मंधाना का भारत में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ा योगदान रहा है। मंधाना ने तीनों ही फॉर्मेट में अपनी दमदार बल्लेबाजी दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की तरफ खींचा है। साथ ही लड़कियों में क्रिकेट खेलने के प्रति रुचि जगाई है। हांगकांग के खिलाफ भारतीय टीम की 137 रन से जीत के बाद मंधाना ने बीसीसीआई द्वारा साझा वीडियो में कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि यह मेरा काम है। मैंने कभी भी रिकॉर्ड्स और नंबर्स और इंडिया के लिए जीते गए मैचों की संख्या के अलावा किसी और चीज के बारे में नहीं सोचा। यह एक ऐसा पैमाना है जिसे आप वापस लेते हैं। आप यह वापस नहीं लेते कि आपने कितने रन या रिकॉर्ड तोड़े हैं। ' मंधाना ने कहा, 'अगर मेरी वजह से दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा होगा जिस पर मुझे हमेशा गर्व और खुशी होगी। 'अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान हासिल करने पर मंधाना ने कहा, 'मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हूं। वह हर किसी के लिए आदर्श रही हैं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 10,000 तक पहुंचूंगी और उनसे आगे निकल जाऊंगी। उम्मीद है कि 10,000 की लिस्ट में इंडियन सेट-अप से तीन-चार और खिलाड़ी होंगे और मैं इसी से आंकलन करना चाहूंगी। अगर मैं सवाल पर वापस आऊं, तो टॉप पांच लिस्ट में तीन या चार को साथ रखना बहुत अच्छा होगा, और वहां तीन या चार भारतीय होंगे। मुझे लगता है कि मैं इसी से अपने करियर को आंकूंगी। '

स्मृति अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हो गई हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 10,880 रन बनाए हैं। हांगकांग के खिलाफ मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा।

मंधाना ने अपने खेल में सुधार की बात की। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगी कि आप एक बल्लेबाज या गेंदबाज के तौर पर कभी पूरे होते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है, तो क्रिकेट हमेशा आपको दिखाएगा कि आप पूरे नहीं हैं। '

दलीप ट्रॉफी: फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज

नई दिल्ली । भारत के इंटरनेशनल खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से 6 सितंबर से होनी है। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रहे थे। सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल 4 विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं। इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है। पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं। तिलक ने हाल ही में नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में साउथ जोन के लिए शानदार शतक लगाया था और रेड-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने की इच्छा जाहिर की थी। तिलक वर्मा ने गुरुवार को कहा, 'मैं दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलना चाहता हूं। अभी हमारा मैच खत्म हुआ है और अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी20 मैच 13 सितंबर को है। इसी कारण मेरे पास फाइनल खेलने का समय है। फाइनल के बाद हमारे पास दो दिन का ब्रेक भी रहेगा। अगर मैं 11 सितंबर को टीम से जुड़ता हूं, तो एक दिन अभ्यास कर सकता हूं और फिर मैच खेलने के लिए तैयार रहूंगा।' तिलक ने सेमीफाइनल में साउथ जोन की कप्तानी की थी, जबकि ईशान किशन ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए नजर आए थे। वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन के उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली थी।

पाक टीम में हुए बदलावों को लेकर गिलेस्पी ने की आकिब जावेद की आलोचना

बोले- डरकर खेल रहे खिलाड़ी

एडिलेड। पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के बीच टीम में किए गए बड़े बदलावों के बाद चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नेशनल टीम के खिलाड़ी डर के साये में खेल रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में मिली बड़ी हार के बाद कड़े फैसले लिए हैं।

बोर्ड ने हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को उनके पद से हटा दिया। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक और सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर घर भेज दिया गया है। यह कार्रवाई हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद की गई। 2024 में पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने वाले गिलेस्पी ने कहा कि अचानक हटाए जाने से पता चलता है कि जावेद की अगुवाई वाली सिलेक्शन कमेटी में रणनीतिक दिशा की पूरी तरह कमी है।

शुक्रवार को गिलेस्पी ने कहा, 'मुझे खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है, यह उनकी रोजी-रोटी है। बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि वे डरकर खेल रहे हैं। सलमान अली आगा इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करते हैं, फिर दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं और तीसरे टेस्ट से पहले घर लौटने वाले प्लेन में होते हैं। यह कैसे होता है? यह बिल्कुल साफ है कि उनके पास कोई सिलेक्शन रणनीति नहीं है, खासकर आकिब जावेद के नेतृत्व में। वे अपनी राय वैसे ही बदलते हैं, जैसे पैंट बदलते हैं- रोजाना। '

भारतीय अंडर 19 टीम के लेग स्पिनर रोहित यादव पर 2 साल का बैन

उम्र में गड़बड़ी के कारण कार्रवाई

नई दिल्ली । क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को रोहित यादव के जन्म से जुड़े कागजात में उम्र को लेकर बड़ी गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद भारत की अंडर-19 पुरुष टीम के लेग-स्पिनर पर दो साल का बैन लगा दिया गया है। यादव जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 पुरुष टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यूथ टेस्ट में 6 विकेट भी लिए थे। हालांकि, कागजात की जांच में जन्म-रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी पाए जाने के बाद अब उन्हें खेल के सभी फॉर्मेट में खेलने से रोक दिया गया है। इस कारण उन्हें उस टीम से भी बाहर कर दिया गया है, जो इस महीने के आखिर में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने वाली है। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सीएबी से जानकारी मिलने के बाद उन्हें टीमों से हटा दिया गया है। दोनों टीमों में उनकी जगह कौन लेगा, इस बारे में बाद में पता चलेगा।' सीएबी की जांच में यादव से जुड़े कई दस्तावेजों में अलग-अलग जानकारी मिली। जांच के दौरान उनके तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए, जिनमें जन्म वर्ष 2006, 2007 और 2009 दर्ज है। इसके अलावा, 2014 से 2021 के बीच उनके आधार कार्ड की जानकारी में भी कई बार बदलाव किए गए थे। माना जा रहा है कि इन अलग-अलग रिकॉर्ड की वजह से उनकी उम्र को लेकर करीब 27 महीने का अंतर सामने आया है।

सीएबी की कार्रवाई के तहत, उम्र में गड़बड़ी और कागजात में अनियमितताओं के कारण कुल 65 खिलाड़ियों को 2026-27 और 2027-28 घरेलू सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन या ट्रांसफर से रोक दिया गया है। सजा पाने वालों में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 4 विकेट लिए थे और भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, सीएबी की जांच में रवि कुमार की उम्र से जुड़े रिकॉर्ड में 45 महीने का अंतर पाया गया है। इसके चलते 2021/22 से 2025/26 सीजन के बीच जूनियर और उम्र-वर्ग की प्रतियोगिताओं में उनके सभी रिकॉर्ड अमान्य माने जाएंगे।